आज का विचार

लोगों को भरपूर सम्मान दीजिए इसलिए नहीं कि उनका अधिकार है बल्कि इसलिए कि आपमें संस्कार है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-199 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, बुधवार 13 मई , 2025

कोयला चोरों ने सुरक्षा गार्ड को पीटा,केस दर्ज

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सचिन तेंदुलकर का बड़ा बयान

पहला कॉलम

सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित, 88.39 फीसदी स्टूडेंट हुए पास

नई दिल्ली ,13 मई (ए)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कक्षा 12वीं के नतीजे 2025 जारी हो गए हैं। परीक्षा में 88.39 फीसदी स्टूडेंट पास हुए हैं। विद्यार्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट देख सकते हैं। इस साल 12वीं कक्षा में 16,92,794 ने परीक्षा में हिस्सा लिया था और उसमें से 14,96,307 स्टूडेंट पास हो गए हैं। इस वर्ष कुल मिलाकर 44 लाख से अधिक छात्रों ने बोर्ड परीक्षा दी है। कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को समाप्त हुई थीं, जबकि कक्षा 12वीं की अंतिम परीक्षा 4 अप्रैल को आयोजित की गई थी।

छात्रों को सूचित किया है कि स्टूडेंट्स अपना स्कोरकार्ड आधिकारिक वेबसाइट्स – पर जाकर चेक कर सकते हैं। इसके अलावा छात्र अपने डिजिटल मार्कशीट और प्रमाणपत्र ऐप के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं। बोर्ड छात्रों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर लॉगिन आईडी और एक्सेस कोड साझा करेगा, जिससे वे आसानी से लॉगिन कर सकते हैं। इसी के साथ, रूहत्र ऐप और सेवा के माध्यम से भी छात्र परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

कुछ अलग

पाकिस्तानी लिंक वाले मौलाना के मदरसे पर चला बुलडोजर, अवैध निर्माण बताकर प्रशासन ने की कार्रवाई

अमरेली ,13 मई (ए)। गुजरात के अमरेली जिले में एक मौलाना के 'पाकिस्तानी लिंकइ सामने आने के बाद उसके द्वारा संचालित किए जा रहे एक मदरसे को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, मौलाना मोहम्मद फजल अब्दुल अजीज शेख के फोन से कई पाकिस्तानी कनेक्शन वाले वॉट्सऐप ग्रुप मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। अमरेली के डीएसपी पीआर राठौर ने बताया कि सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) की जांच में पाया गया कि मदरसे के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं थे। संचालक मदरसा जिस जमीन पर बना था, उसके स्वामित्व और निर्माण की वैधानिकता साबित करने में विफल रहा। इसके बाद प्रशासन ने मदरसे के भवन को अवैध मानते हुए गिराने का निर्णय लिया।

कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए मौके पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किया गया था। पुलिस के अनुसार, उन्हें किसी तरह के विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद गुजरात पुलिस ने अमरेली से इस संदिग्ध मौलाना को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान उसके मोबाइल फोन में 7 संदिग्ध पाकिस्तानी और अफगानिस्तानी वॉट्सऐप ग्रुप पाए गए, जिससे उसके पाकिस्तानी कनेक्शन का खुलासा हुआ। पुलिस अब मौलाना से गहराई से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह पाकिस्तान में किन लोगों के संपर्क में था और उसके मंसूबे क्या थे।

खरी-खरी

अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों की केंद्रीय मंत्री चौहान ने की सराहना

◆ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में बताया क्रांतिकारी कदम ◆ अमृत सरोवर योजना से ग्रामीणों को मिलेगा रोजगार और जलसंरक्षण की दिशा में मिलेंगे ठोस परिणाम: स्थानीय आजीविका से जोड़ने केंद्रीय मंत्री ने दिए निर्देश ◆ छत्तीसगढ़ में कृषि और ग्रामीण विकास को नई दिशा देने केंद्र-राज्य की साझा पहल ◆ गांवों की समग्र समृद्धि सुनिश्चित करना छत्तीसगढ़ सरकार का उद्देश्य - मुख्यमंत्री श्री साय ◆ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विकास का समग्र रोडमैप तय

रायपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा कृषि विभाग के कार्यों की व्यापक समीक्षा की। बैठक में राज्य और केंद्र की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई और भावी विकास रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता और प्रशासनिक कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य ने कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए उन्नत गांव और खुशहाल किसान की अवधारणा को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण विकास और कृषि को राज्य की रीढ़ मानती है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि गांवों की समग्र समृद्धि सुनिश्चित करना है। किसानों की आय बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य के सुदूर और वंचित क्षेत्रों तक विकास की पहुंच बनाना एक साझी जिम्मेदारी है, जिसको पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार दृढ़ संकल्पित है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना, डिजिटल सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना और युवाओं को कौशल आधारित रोजगार देना ही वास्तविक सुशासन है। उन्होंने कहा कि हमारी रणनीति योजनाओं को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रखने की जगह जन-जीवन में बदलाव लाने की है।

बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अमृत सरोवर योजना को स्थानीय आजीविका से जोड ? की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और जलसंरक्षण की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएंगे। राज्य सरकार के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत श्रमिक बजट के पुनरीक्षण का आश्वासन दिया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वीकृत आवासों के शीघ्र निर्माण और हो रहे नये सर्वे के भौतिक सत्यापन पर बल दिया।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सराहना करते हुए विशेष रूप से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संचालित नियद नेलानार योजना के अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह योजना विकास को राज्य के सुदूर और चुनौतीपूर्ण भूभागों तक पहुंचा रही है। केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में शुरू किए गए अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों की सराहना की और इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि इस नवाचार का अध्ययन कर इसे अन्य राज्यों में भी लागू किया जाए।

कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए श्री चौहान ने कहा कि किसानों की आय वृद्धि के लिए केवल पारंपरिक खेती नहीं, बल्कि पशुपालन, बागवानी, मत्स्य पालन जैसे एलाइड क्षेत्रों में भी प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, उन्नत बीजों, जैविक खेती और फसल चक्र अपनाने को प्रोत्साहित किया। केंद्र सरकार द्वारा शीघ्र शुरू की जा रही विशेष पहल की जानकारी देते हुए श्री चौहान ने बताया कि वैज्ञानिकों की टीम राज्य के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर किसानों को व्यावहारिक और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण देगी। उन्होंने राज्य सरकार से इस पहल में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया।

बैठक के समापन पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों और प्रतिबद्धता के साथ छत्तीसगढ़ को विकास के नए शिखर पर पहुंचाएंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ सरकार इस साझा संकल्प को जमीनी हकीकत में बदलने के लिए हरसंभव कदम उठाएगी।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, प्रमुख सचिव पंचायत विभाग श्रीमती निहारिका बारिक, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग के अपर सचिव श्री आर. आनंद, ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री अमित शुक्ला, कृषि मंत्रालय के सलाहकार श्री नवीन कुमार विद्यार्थी, कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मौसम विभाग दिया मानसून पर अपडेट, बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर में प्रवेश

0 अगले तीन से चार दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

0 मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून की वर्षा सामान्य से भी अधिक रहने की उम्मीद है।

0 IMD भारत में हर साल मानसून के आगमन की घोषणा तब करता है जब यह केरल में पहुँचता है।

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के कुछ क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन की घोषणा की। आईएमडी ने कहा, ₹दक्षिण-पश्चिम मानसून १३ मई को बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भाग, अंडमान सागर के दक्षिणी भाग, निकोबार द्वीप समूह और उत्तरी अंडमान सागर के कुछ भागों में आगे बढ़ गया है।₹ उन्होंने कहा कि अगले तीन से चार दिनों के दौरान समुद्र में मानसून का आगे बढ़ना जारी रह सकता है।

मौसम विभाग ने कहा, ₹दक्षिण अरब सागर के कुछ भागों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्रों, बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी भाग, पूरे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अंडमान सागर के शेष भागों और बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग के कुछ भागों में अगले तीन से चार दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।₹ मौसम विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की वर्षा सामान्य से चअधिकज रहने की उम्मीद है, जो मात्रात्मक रूप से दीर्घ अवधि औसत ८८० मिमी का १०५ प्रतिशत है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा का कहना है कि उत्तर भारत में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया, निचले वायुमंडलीय स्तरों पर पश्चिमी हवाओं की उपस्थिति और मजबूती, ऊपरी वायुमंडलीय स्तरों पर पूर्वी हवाओं की उपस्थिति और मजबूती, दक्षिण प्रायद्वीप में लगभग ४० दिनों तक गरज के साथ प्री-मानसून वर्षा और उत्तर-पश्चिमी प्रशांत महासागर पर सामान्य से अधिक दबाव का बना रहना, ये सभी कारक मानसून के समय से पहले आने का संकेत देते हैं।

जिन्होंने सरकार में रहते छत्तीसगढ़ को बरबाद किया, उनकी चुनौती जनता ने पहले की समाप्त कर दी - चौहान

रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जिन्होंने सरकार में रहते छत्तीसगढ़ को बरबाद किया, उनकी चुनौती जनता ने पहले की समाप्त कर दी क्योंकि मोर आवास मोर अधिकार आंदोलन चला था तो पूर्व सरकार के मुखिया ने अपने मंत्री के कहने के बाद भी पीएम आवास नहीं दिए। प्रधानमंत्री मोदी आवास के लिए राशि भेजते रहे लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने हितग्राहियों को योजना का लाभ नहीं दिया। तब भाजपा विपक्ष में थी और वचन दिया था, सरकार बनती है तो आवास देंगे। हमारे प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना की राशि भेजी लेकिन वो राशि राज्य सरकार ने खर्च नहीं की और इसका परिणाम ये हुआ कि लाखों पात्र हितग्राही लाभ से वंचित रह गए और गरीब को घर न देना एक पाप था। पत्रकारवार्ता में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम मौजूद थे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि जनता से किया वचन भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने निभाया और पहली बार 8 लाख आवास दिए, सीएम और डिप्टी सीएम ने और आवास मांगा तो 3.30 लाख आवास दिए। आज मुझे खुशी है कि आवास प्लस की सूची में 3.76 लाख बचे थे जिन्हें मकान नहीं मिला था, तो आज वह सभी को आवास दे रहे हैं। इसका एक प्रमाण पत्र आज अंबिकापुर के कार्यक्रम में सीएम साय को दूंगा। इसके बाद 2018 की सूची का कोई भी हितग्राही शेष नहीं बचेगा। चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ को देने भारत सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है।

00 पूर्व सरकार के मुखिया ने अपने मंत्री के कहने के बाद भी पीएम आवास नही दिए और गरीब को घर न देना एक पाप था

उन्होंने बताया कि पहली बार सीएम आए थे तो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और नक्सलवाद को छोड़ चुके लोगों के लिए आवास मांगा, हमने उसे भी दिया। आवास के लिए अब और नया सर्वे हो रहा है, वेरिफिकेशन करके आगे भी आवास दिए जायेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस के सवालों पर बोले कि जिन्होंने सरकार में रहते छत्तीसगढ़ को बरबाद किया, उनकी चुनौती जनता ने पहले की समाप्त कर दी है। सारा देश गर्वित और गौरवान्वित हैं। पाकिस्तान का कोई हिस्सा हमारे लक्ष्य से दूर नहीं था।

'आतंकियों को घर में घुसकर मारा', पीएम मोदी ने आदमपुर एयरबेस से पाकिस्तान को लताड़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते सोमवार को रात ८ बजे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश को जानकारी दी थी। उसके बाद वह सुबह-सुबह जालंधर के आदमपुर एयरबेस में जवानों से मिलने पहुंच गए थे। वहां उन्होंने जवानों को संबोधित किया था, जिसका ब्रोडकास्ट दोपहर ३:३० बजे हुआ।

उन्होंने पाकिस्तान को लताड़ते हुए कहा कि पाकिस्तान के ड्रोन, उनके यूएवी, विमान और मिसाइलें ये सभी हमारी सक्षम वायु रक्षा के सामने विफल हो गए। आतंकवादी पाकिस्तानी सेना पर बहुत भरोसा करते थे। हमारी थल सेना, वायु सेना व नौसेना ने पाकिस्तानी सेना को हराया।

पीएम मोदी का संबोधन

0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि आप सभी ने अपने लक्ष्य को पूर्णता के साथ प्राप्त किया। पाकिस्तान में न केवल आतंकवादी शिविर और उनके हवाई अड्डे नष्ट किए गए, बल्कि उनके नापाक मंसूबों और दुस्साहस को भी परास्त किया गया।

0 पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत माता की जय' मैदान में भी गूंजती है और मिशन में भी। जब भारत के सैनिक मां भारती बोलते हैं, तो दुश्मन के कलेजे कांप जाते हैं।

0 उन्होंने कहा कि भारत माता की जय हर उस सैनिक का संकल्प है, जो देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार है। यह हर उस नागरिक की आवाज है, जो देश के लिए जीना चाहता है और देश के लिए कुछ करना चाहता है।

0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से घबराकर दुश्मन ने इस एयरबेस और हमारे कई अन्य एयरबेसों पर कई बार हमला करने की कोशिश की। उन्होंने हमें बार-बार निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तान के नापाक मंसूबे हर बार नाकाम हो गए।

0 पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब हमारे ड्रोन दुश्मन के किले की दीवारें ध्वस्त करते हैं, जब हमारी मिसाइलें सनसनाती हुई आवाज के साथ लक्ष्य तक पहुंचती हैं, तो दुश्मन को 'भारत माता की जय' सुनाई देती है। जब हम रात में भी सूरज को रोशन करते हैं, तो दुश्मन को 'भारत माता की जय' सुनाई देती है।

0 उन्होंने कहा कि जब हमारी सेनाएं परमाणु ब्लैकमेल की धमकी को उड़ा देती हैं, तो आसमान से एक ही बात गूंजती है- 'भारत माता की जय'। आप सभी ने लाखों भारतीयों को गौरवान्वित किया है, हर भारतीय की मां को गौरवान्वित किया है, आपने इतिहास रच दिया है। मैं आपको देखने के लिए आज सुबह आपके बीच आया हूं।

0 पीएम मोदी ने कहा कि पाकिस्तान के ड्रोन, उनके यूएवी, विमान और मिसाइलें ये सभी हमारी सक्षम वायु रक्षा के सामने विफल हो गए। मैं देश के सभी वायुसैनिकों के नेतृत्व और भारतीय वायु सेना के प्रत्येक वायु योद्धा की हृदय से सराहना करता हूं। आपने वास्तव में शानदार काम किया है।

0 पीएम मोदी ने कहा कि हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना ने पाकिस्तानी सेना को हरा दिया है, जिस पर ये आतंकवादी भरोसा कर रहे थे। पाकिस्तान में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां आतंकवादी बैठकर चैन की सांस ले सकें।

पहला कालम

बलरामपुर की घटना के बाद जागा प्रशासन,पांच रेत लोड वाहन किया जप्त

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
बलरामपुर में अवैध रेत परिवहन में शामिल माफियाओं द्वारा आरक्षक को ट्रैक्टर से कुचल मौत के घाट उतार देने के बाद की घटना के बाद सूरजपुर जिला प्रशासन की नींद भी टूटी है ।कलेक्टर एस. जयवर्धन के निदेर्शानुसार जिले में अवैध खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए आज खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही ग्राम पंचायत कुरुवां एवं राजापुर क्षेत्र में की गई। यहां पर अवैध रूप से रेत का परिवहन कार्य में लगे ५ वाहनों को जब्त किया गया है। बताया जा रहा है कि तीन वाहनों को बिश्रामपुर और २ वाहन को जयनगर थाना में खड़ा कराया गया है। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा सभी वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत कानूनी कार्यवाही की बात कही है।

साई स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)। श्री साई बाबा स्कूल का परीक्षा परिणाम १०वीं और १२वीं में शत पतिशत रहा। १२वीं कक्षा के सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हैं। उदय शुक्ला ने ८० फीसदी अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है। १०वीं कक्षा की अवनी गुप्ता ९० फीसदी अंकों के साथ प्रथम स्थान हासिल किया है। शौर्य अग्रवाल ८७ फीसदी अंकों के साथ द्वितीय तथा सृष्टि अग्रवाल ८३ फीसदी अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विद्यार्थियों की सफलता पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष विजय कुमार इंगोले, सचिव अजय कुमार इंगोले, सह प्रबंधक यशा इंगोले चौधरी और प्राचार्य प्राची गोयल ने बधाई दी है।

दसवीं व बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में डीएवी के बच्चों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

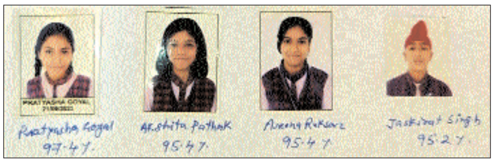

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा कक्षा दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा २०२४ झ्र २५ का परीक्षा परिणाम मंगलवार १३ मई को दोपहर के बाद घोषित किया गया। विद्यार्थियों में अपने परीक्षा परिणाम को लेकर उत्साह एवं प्रसन्नता का वातावरण देखा गया। डीएवी स्कूल विश्रामपुर का दसवीं एवं १२वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा।

विद्यालय के कुल १११ विद्यार्थी १२वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए।जिसमे ८ विद्यार्थियों ने ९०त्न से अधिक अंक अर्जित किया । विद्यालय के १०१ विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्तकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय स्तर पर आयशा खान ने ९४.६०त्न अंक अर्जित कर प्रथम, अंजलि प्रजापति ने ९३.२०त्न अंकों के साथ द्वितीय और अर्नव मित्तल ९२.६०त्नअंक के साथ तृतीय स्थान अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। संकाय स्तर पर विज्ञान संकाय गणित से श्रेयश कुमार ९१.६० त्न के साथ प्रथम, श्रेयांस सिंह ८९.६० त्न ने द्वितीय, तथा रंजना सजीथ नायर ८९.२० त्न ने तृतीय स्थान हासिल किया। विज्ञान संकाय बायोलॉजी से प्रियांशी रौतेला ९०.४० त्न ने प्रथम , नौशीन इराकी ८६.००त्न ने द्वितीय और अक्षत शर्मा ८५.८० त्न ने तृतीय स्थान अर्जित किया। वाणिज्य संकाय से अर्नव मित्तल ९२.६०त्नप्रथम, गौरव गोयल ९१.८० त्न ने द्वितीय व सौम्या गर्ग ९०.००त्न ने तृतीय स्थान हासिल किया। कला संकाय से आयशा खान ने ९४.६०त्नने प्रथम, अंजलि प्रजापति ९३. २० त्न ने द्वितीय और छाया दुबे ने ९०.२०त्नअंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के दसवीं बोर्ड का भी परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के कुल १३१ विद्यार्थी दसवीं बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए।जिसमे ११ विद्यार्थियों ने ९०त्न से अधिक अंक अर्जित किया। विद्यालय स्तर पर प्रत्याशा गोयल ९७.४त्नअंक ने प्रथम, अक्षिता पाठक ९५.४ त्न अंक एवं एरिना रुखसार ९५.४त्न अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय और जसकीरत सिंह ९५.२ त्नअंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय में संस्कृत विषय में साक्षी प्रधान, आई टी विषय में अक्षिता पाठक व जतिन कुशवाहा, साइंस विषय में प्रत्याशा गोयल इन विद्यार्थियों ने उक्त विषयों में १०० में से १०० अंक हासिल कर विद्यालय के नाम को रोशन किया।

विद्यालय प्राचार्य एचके. पाठक ने दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के शानदार परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त की और उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ, संजय सिंह ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर खुशी व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों को बधाई दी है।

वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस डे धूमधाम से मनाया गया

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
वीएम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस डे ब उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय सूरजपुर की नर्सिंग सुप्रींटेंडेंट दिलाश्री लकड़ा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में संस्था के संचालक विजयराज अग्रवाल और प्राचार्य आदित्य सिंह भी उपस्थित थे, जिन्होंने नर्सिंग समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया, जहाँ नर्सिंग छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने मिलकर विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि दिलाश्री लकड़ा ने अपने संबोधन में नर्सों के समर्पण, सेवाभाव और मरीजों की देखभाल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नर्से स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं और उनके बिना एक स्वस्थ समाज की कल्पना करना मुश्किल है।
संस्था के संचालक विजयराज अग्रवाल ने नर्सिंग पेशे की गरिमा और महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह पेशा न केवल सेवा का माध्यम है, बल्कि इसमें अपार सम्मान और विकास के अवसर भी हैं। प्राचार्य आदित्य सिंह ने सभी नर्सिंग कर्मचारियों और छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस डे की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें नृत्य, गायन और नाटक शामिल थे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नर्सिंग के महत्व और मरीजों के प्रति उनकी करुणा को दशार्या गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर नर्सों के सम्मान में तालियां बजाई और उनके अथक प्रयासों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वीएम. कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस डे का यह आयोजन नर्सिंग समुदाय के लिए एक प्रेरणादायक और यादगार दिन रहा।

उफ्फ... ये लव है मुश्किल में वकील की भूमिका निभाने के लिए आशी सिंह ने देखीं कोर्टरूम ड्रामा सीरीज

मुंबई। हास्य, रोमांस और पारिवारिक संबंधों के शानदार मेल के साथ, सोनी सब का नया शो च्उफ्फ... ये लव है मुश्किलज् दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। इस शो की कहानी के केंद्र में हैं आशी सिंह, जो कायरी की भूमिका निभा रही हैं – एक जीवंत और जुनूनी युवा वकील, जिसकी दुनिया तब उलट-पुलट हो जाती है जब उसकी मुलाकात युग (शब्बीर आहलूवालिया) से होती है। कायरी के किरदार को निभाना आशी के लिए कोई छोटी चुनौती नहीं थी। इस किरदार को असली और प्रभावशाली बनाने के लिए उन्होंने कोर्टरूम ड्रामा की दुनिया में खुद को पूरी तरह झोंक दिया – क्लासिक लीगल शो से लेकर कोरियन कोर्टरूम ड्रामा तक उनकी बिंज-वॉच लिस्ट में शामिल थे।अपने किरदार को सजीव और विश्वसनीय बनाने के लिए आशी सिंह कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। उन्होंने बताया कि मैंने च्सूट्सज से शुरूआत की और फिर च्लॉ एंड ऑर्डरज जैसे असली कोर्ट प्रक्रिया वाले शोज में गहराई से उतर गई। लेकिन सबसे अप्रत्याशित प्रेरणा मुझे कोरियन ड्रामा च्विंसेन्जोज से मिली।

यह पारंपरिक कोर्टरूम शो नहीं है, लेकिन इसमें दोनों मुख्य किरदार वकील हैं और उनके बीच की नोकझोंक ने मुझे यह समझने में बहुत मदद की कि एक वकील का आत्मविश्वास और उसकी भावनात्मक संवेदनशीलता के बीच संतुलन कैसे बैठाया जाए। उनकी च्तकरारज को देखकर मुझे कायरी और युग की केमिस्ट्री की याद आई। और इस तैयारी का असर साफ तौर पर दिखा – हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो में आशी की परफॉर्मेंस न केवल तेज-तर्रार दिख रही है, बल्कि बेहद आकर्षक भी। उनकी बॉडी लैंग्वेज, संवादों की टाइमिंग और तर्क रखने का अंदाज पूरी तरह से सहज और स्वाभाविक नजर आता है।
आशी ने यह भी कहा कि। मैं हमेशा से मजबूत किरदार निभाना पसंद करती हूं, लेकिन कायरी कुछ अलग है – उसमें जुनून है, तेजी है और वो दिल से फैसले लेती है। मैं इस किरदार को केवल सतही आत्मविश्वास के साथ नहीं निभा सकती थी। इसलिए मैंने खुद को कोर्टरूम रिदम सिखाने के लिए लीगल ड्रामा का एक क्रैश कोर्स कर डाला। मैं सोचती थी, च्सिर्फ एक एपिसोड देखती हूं,ज और पता चलता था कि रात के दो बज गए और मैं अभी भी देख रही हूं! लेकिन इसने मुझे केवल कानून की शब्दावली ही नहीं, बल्कि यह भी सिखाया कि कायरी जैसा किरदार कितना परतदार, मानवीय और असली हो सकता है। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं कि दर्शक जल्द ही कायरी से मिलेंगे और मेरे द्वारा उसमें जो छोटी-छोटी बातें और रंग जोड़े गए हैं, उन्हें महसूस करेंगे।

15 मई को होगी पीएटी एवं पीव्हीपीटी की प्रवेश परीक्षा

बलरामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा प्रदेश भर में १५ मई २०२५ को पीएटी एवं पीव्हीपीटी २०२५ प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसके अंतर्गत प्रवेश परीक्षा प्रातः ०९:०० बजे से दोपहर १२:१५ तक आयोजित की गई है ।बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में उक्त परीक्षा शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर एवं स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में आयोजित होगी। उक्त परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा अपर कलेक्टर श्री रामेश्वर नाथ पाण्डेय को नोडल अधिकारी एवं नायब तहसीलदार श्री रवि कुमार भोजवानी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। दोनो परीक्षा केन्द्रों के लिए केन्द्राध्यक्ष एवं आब्जर्वर की नियुक्ति की गई है। शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य श्री नन्द कुमार देवांगन मोबाईल नंबर ९९७७९-२०१९८ को केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री महिपाल कुजूर मोबाईल नम्बर ८०८५५-८११४० को आब्जर्वर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय बलरामपुर के लिए प्राचार्य श्री चंद्रशेखर प्रसाद गुप्ता मोबाइल नम्बर ९७५४४-६२१२९ को केन्द्राध्यक्ष व कार्यपालन अधिकारी अंत्यावसायी श्री ओमप्रकाश साहू मोबाइल नम्बर ९९२६७-२९९५८ को आब्जर्वर नियुक्त किया गया है। साथ ही कलेक्टर द्वारा उक्त परीक्षा केन्द्र के लिए उड़नदस्ता टीम का भी गठन किया गया है। जिसमें सहायक संचालक पंचायत सुश्री स्टेला खलखो मोबाईल नम्बर ७५८७३-४२०४६ को दल प्रभारी एवं जिला रोजगार अधिकारी श्री दिवाकर लाल टांडिया मोबाईल नम्बर ८३१९७-७८७०९ एवं नायब तहसीलदार डौरा-कोचली सुश्री रॉकी एक्का मोबाइल नम्बर ८७७०३-४०५३६ को सदस्य नियुक्त किया गया है।

कोयला चोरों ने सुरक्षा गार्ड को पीटा,केस दर्ज

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर के कुमदा सात आठ खदान में गुरुवार देर रात दस बजे कोयला चोरी की नीयत से घुसे चोरों ने सुरक्षा कर्मी से मारपीट कर दी ।घटना के बाद सुरक्षा कर्मी की रिपोर्ट पर बिश्रामपुर पुलिस ने आरोपी प्रकाश आत्मज रामदास,मोहन आत्मज चरना,कमलेश कल्लू उर्फ बोधन सभी निवासी कुमदा बस्ती के खिलाफ बीएनएस की धारा ११५(२), २९६,३(५), ३३१(२),३५१(३) के तहत केस दर्ज किया है ।बिश्रामपुर पुलिस को दर्ज शिकायत में प्रार्थी सम्मेलाल आजाद ने बताया कि वह कुमदा सात आठ खदान में सुरक्षा प्रहरी के पद पर कार्यरत है ।घटना दिवस आठ मई की रात वह जब खदान में ड्यूटी कर रहा था तभी करीब रात्रि दस बजे चार पांच की संख्या में आए चोरों ने खदान में प्रवेश कर कोल स्टॉक से कोयला उठा कर बोरी में भरकर ले जाने लगे जिन्हें वह मना किया तो कोयला चोरी कर रहे तीन आरोपियों ने उसके साथ हाथ मुक्का डंडा से मारपीट किया ।रिपोर्ट पर पुलिस ने मारपीट की घटना में शामिल तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

61 लाख की ठगी के वारदात को अंजाम देने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। जिले के गीदम थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम पंचायत हारम के निवासी भूपेंद्र तेलामी को ठगों ने पहले ऑनलाइन मार्केटिंग बिजनेस से जोडकर पहले मुनाफा दिलाकर विश्वास अर्जित किया फिर अलग-अलग खाते में कुल 61 लाख रुपए डलवाकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।
ठगों ने पूरी वारदात को राजस्थान से अंजाम दिया। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि पुलिस की टीम को राजस्थान रवाना जोधपुर से ठगी के आरोपी बीरम राम नायक, पेम्पाराम, फलोदी से शिशुपाल एवं जयपुर से जितेंद्र मैरोटा को गिरफ्तार कर इनके पास से ठगी के 5 लाख रुपए बरामद किए गए। साथ ही इनके बैंक खाते में 3 लाख रुपए को होल्ड करवाया गया। गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध गीदम थाना में कार्यवाही के उपरांत आज मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया।
पीड़ित भूपेंद्र तेलामी के अनुसार उसके वॉट्सएप पर वर्क फ्रॉम होम के नाम पर एक कंपनी (द गुड गाइस इलेक्ट्रानिक कंपनी) का मैसेज आया था। जिसमें हर दिन 1200 से 6000 रुपए तक कमाने का जिक्र था, जिससे वह जुड़ गया। ऑनलाइन जुड? के बाद उसके वॉलेट में 10 हजार रुपए भी आ गए। इसके बाद इसी तरह के कई झांसे में लेकर ठगी की गई। पीड़ित ने बताया कि ठगों ने उन्हें डेमो करने को कहा, जिसमें 20 टेंडर को ओपन करना था, टेंडर में इलेक्ट्रॉनिक सामान था। उसमें कुछ पैसे भी लगाने थे, जिसमें से प्रॉफिट निकलकर लाभ में शामिल हो रहा था। टेंडर पूरा करने के बाद लगाई हुई राशि और लाभ एक साथ युवक के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया गया था। लाभ देखकर फिर युवक टेलीग्राम चैनल से भी जुड़ गया, यहीं से ठगी का असली खेल शुरू हुआ। युवक से फाइनेंशियल कंसल्टेंट से संपर्क करने को कहा गया। उसे मोबाइल नंबर भी दिए गए। जिसके बाद युवक को कई अलग-अलग खातों में पैसे डलवाने कहा गया, उसे भरोसे में लिया गया। वहीं बैंक खातों में लगभग 61 लाख रुपए डलवा लिए। जब उसने सारे पैसे डाले और फिर ठगों ने फोन बंद कर दिया, कोई रिप्लाई नहीं दिया तो उसे आभास हुआ कि उसके साथ ऑनलाइन ठगी हो गया है। जिसके बाद युवक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। जिसके बाद दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने जवानों की एक टीम बनाई। साइबर सेल को भी एक्टिव किया गया। युवक ने जिन बैंक खातों में पैसे ट्रांजेक्शन किए थे, फोन नंबर और टेलीग्राम चैनल की डिटेल्स निकलवाई गई, पता चला कि ये खाते राजस्थान के हैं, तो उनके लोकेशन निकलवाकर पुलिस की टीम को राजस्थान रवाना कर जोधपुर से बीरम राम नायक, पेम्पाराम, फलोदी से शिशुपाल और जयपुर से जितेंद्र मैरोटा को गिरफ्तार कर इनके पास से ठगी के 5 लाख रुपए बरामद किए गए। साथ ही इनके बैंक खाते में 3 लाख रुपए को होल्ड करवाया गया।

डीएमएफडी के समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के कार्ययोजना का किया गया अनुमोदन

जगदलपुर। जिला खनिज संस्थान न्यास निधि की शासी परिषद सह समीक्षा बैठक की जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में बस्तर सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण देव और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती की उपस्थिति में आयोजित किया गया। बैठक में वित्तीय वर्षवार प्रगतिरत 210 विकास कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 के डीएमएफटी मद से संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2025-26 के कार्ययोजना पर चर्चा कर अनुमोदन किया गया। जिसमें उच्च प्राथमिकता के ग्यारह कार्यों और अन्य प्राथमिकता के सात कार्यों के प्रावधानों पर चर्चा किया गया।
बैठक में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में विकास कार्य को गति दे रही है। प्राकृतिक संपदा से संपन्न बस्तर में जिन कार्यों में विभागीय बजट का प्रावधान नहीं हो उन जनकल्याणकारी कार्यों के लिए डीएमएफडी मद को उपयोग किया जाए। डीएमएफटी मद में विशेष कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और विद्युत क्षेत्र को प्राथमिकता में रखकर बेहतर व्यवस्था किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में मानव संसाधन, मरम्मत योग्य शिक्षण संस्थाओं के पुनः निर्माण, पेयजल की संकट को दूर करने में सहायता दी जाए।
विधायक किरण देव ने कहा कि जनता से सीधे जुड? वाले मामलों में डीएमएफटी मद से विकास कार्य को तत्काल कार्यवाही किया जाना चाहिए और डीएमएफटी मद से स्वीकृत कार्यों में प्राथमिकता वाले विषय पर विकास कार्य को समय सीमा में पूर्ण किया जाना चाहिए। संभाग मुख्यालय के विकास कार्यों का प्रभाव अन्य जिलों में भी दिखाई देता है। इसलिए पूर्व वर्षों के लम्बित विकास कार्यों को जल्द पूरा करवाएँ, इसके लिए विभागीय अधिकारी स्वप्रेरणा से दिक्कतों को दूर करने की पहल करें।
बैठक में पेयजल समस्या, जल जीवन मिशन के लम्बित कार्यों में तेजी लाने तथा काम को अधूरा छोड? वाले निविदाकार के खिलाफ कार्रवाई करने, विद्युत व्यवस्था, डिस्मेंटल किए गए स्कूल भवनों के विकास जैसे प्रस्तावों पर चर्चा किया गया।
साथ ही शासी परिषद के सदस्यों द्वारा उनके क्षेत्र के समस्या और अन्य विषय रखे गए जिसमें संबंधित विभाग के अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर संजय पांडेय, शासी परिषद के गणमान्य सदस्य, कलेक्टर हरिस एस, जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध रेत खनन पर सख्त कार्यवाही के दिए निर्देश

पीएम आवास निर्माण कार्य में लाएं तेजी:- कलेक्टर कटारा

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय कार्यों की प्रगति, सुशासन तिहार, समाधान शिविर के क्रियान्वयन की समीक्षा की।
समय-सीमा की बैठक में जिले में जनकल्याण और प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में चल रहे सुशासन तिहार कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु कलेक्टर श्री कटारा ने सभी विभागीय अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार जनता और शासन के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए जन समस्याओं का निवारण करना साथ ही जन संवाद के माध्यम से शासन की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है, इसके लिए सजग रहते हुए आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करे और शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाते हुए हर पात्र व्यक्ति को लाभ दें। कलेक्टर श्री कटारा ने सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी शिकायतों, समस्याओं, तथा मांगों का प्राथमिकता के साथ प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिये।
कलेक्टर श्री कटारा ने जिले में बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि मौसमी बीमारियों डायरिया, मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड आदि की रोकथाम एवं त्वरित नियंत्रण के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही जनजागरूकता अभियान से लोगों को बीमारियों के प्रति सतर्क किया जाए। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य कार्यकताओं की टीम गाँवों में

सक्रिय रहे, जिससे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा सके। कलेक्टर ने जिले पीवीटीजी बसाहटों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए सुलभ, समुचित और समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पीवीटीजी बस्तियों में नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, मलेरिया, कुपोषण, टीकाकरण, व गर्भवती महिलाओं की विशेष निगरानी तथा बस्तियों तक मोबाइल मेडिकल यूनिट की नियमित पहुँच सुनिश्चित करने व गंभीर रोगों की स्थिति में मरीजों को रेफरल सुविधा एवं त्वरित वाहन सुविधा प्रदान सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने जिले में आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत बने आयुष्मान कार्डों की संख्या, लंबित आवेदनों और वितरण की गति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों की शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड से लाभान्वित किया जाए।
कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को लक्ष्य अनुसार प्रगति लाते हुए समय से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य हर पात्र परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराना है, इसके लिए सभी अधिकारी गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति आवास, प्रगतिरत एवं पूर्ण आवास की जानकारी लेते हुए संबंधितों को समन्वय कर आवास निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।
जिले में अवैध रेत खनन की रोकथाम हेतु कलेक्टर श्री कटारा ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निगरानी एवं त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध खनन वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी के साथ औचक निरीक्षण करें। कलेक्टर ने अवैध रेत खनन, परिवहन के मामले में किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने लोक सेवा केंद्रों, पीजी पोर्टल, जन शिकायत, जनदर्शन प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर श्री आर एस लाल सहित अनुविभागीय अधिकारी एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

फटाफट खबरें

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सड़क हादसे पर जताया दुःख

रायपुर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बलौदाबाजार-रायपुर मार्ग पर सारागांव के समीप हुए सड़क हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने कहा कि, अत्यंत हृदय विदारक घटना हुई है। इसमें 13 लोगों का दुखद निधन हुआ है। उन्होंने सभी मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोकाकुल परिजनों पर सहानुभूति प्रकट की। श्री साव ने कहा कि, दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ हैं। जो घायल हैं, उनका इलाज आंबेडकर अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने कहा कि, इस हादसे की जांच होगी।

कमरे में फंदे से झूलती मिली महिला की लाश-फैली सनसनी

कोरबा कोरबा जिला के कुसमुंडा थाना क्षेत्र में ग्राम सराई सिंगार में एक 24 वर्षीय महिला की फांसी के फंदे में लटकती लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी हैं। जानकारी के अनुसार उक्त महिला लगभग 10 दिन पहले ही अपने मायके ग्राम खोखसा से ससुराल लौटी थी। घटना की सूचना मिलते ही कुसमुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच कर रही हैं।

तहसील कार्यालय का बाबू नशे में वीडियो वायरल

कोरबा कोरबा जिले के अंतिम छोर अंतर्गत पसान तहसील कार्यालय मे पदस्थ बाबू की मादक द्रव्य पदार्थ का सेवन कर नशे मे धुत हालत की एक वीडियो व फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इसमें मादक द्रव्य पदार्थ का सेवन कर नशे मे धुत तहसील कार्यालय मे पदस्थ बाबू पर आरोप भी हैं की वह नशे की हालत में तहसील कार्यालय में काम से आए हुए लोगों के साथ आपत्तिजनक व्यवहार भी करते है। बताया जा रहा हैं की आपत्ति जनक शब्दो के साथ ही गाली-गलौज भी करता है। स्थानीय लोगो के द्वारा जानकारी देते हुए बताया जा रहा हैं की वह कार्यालय पर उपस्थित पंजी मे हस्ताक्षर कर कार्यालय से गायब रहते है।

सूने घर में लगी भीषण आग-सामान जलकर खाक

कोरबा जानकारी के अनुसार कोरबा-चांपा मार्ग में बसे ग्राम सरगबुंदिया में उस वक्त एक हादसा घटित हो गया जिसमे ग्राम निवासी सरोज कैवर्त के घर में अचानक आग लग गई। घटना उस समय की है जब परिवार के सभी सदस्य गांव में ही एक शादी समारोह में शामिल होने गए हुए थे। घर में कोई उपस्थित नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन घर में रखे कीमती सामान, कपड़े और अनाज जलकर पूरी तरह खाक हो गए। बताया जा रहा हैं की आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही पलों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।

लालघाट मार्ग बना मौत का रास्ता, रेत माफिया की लापरवाही ने ली दो पहाड़ी कोरवा युवकों की जान, एक घायल

कोरबा अम्बिकावाणी -
बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत लालघाट मार्ग पर १३ मई मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे में दो पहाड़ी कोरवा युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान मुकेश कोरवा और धरमू कोरवा के रूप में हुई है, जो जनजातीय बहुल क्षेत्र डोकरमाना पंचायत के ग्राम चिरईझुंज के निवासी थे।
जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एचएफ डीलक्स बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार अवैध रेत से लदे टिप्पर (वाहन क्रमांक छ्त्र ११ क्क्रू ३३७८) ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि बाइक सवार टिप्पर के पहियों के नीचे आ गए। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लालघाट मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन पर प्रशासनिक प्रतिबंध है, फिर भी अवैध रेत परिवहन के लिए इस मार्ग का जमकर उपयोग हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह रेत बैचिंग प्लांट में डंप की जाती है और वाहन मालिक मुख्य मार्ग से बचने तथा डीजल की बचत के उद्देश्य से इस प्रतिबंधित मार्ग का उपयोग करते हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध परिवहन की शिकायतें कई बार की जा चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की अनदेखी और रेत माफिया की मिलीभगत के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। परिणामस्वरूप अब दो निर्दोष पहाड़ी कोरवा युवकों की जान चली गई। पुलिस ने मामले में टिप्पर चालक सियाराम सारथी को गिरफ्तार कर लिया है और वाहन मालिक जीवन मोदी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है। यह हादसा प्रशासन की निष्क्रियता और रेत माफिया के बेलगाम नेटवर्क की एक और भयावह तस्वीर पेश करता है। ग्रामीणों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और लालघाट मार्ग पर पूर्ण रूप से निगरानी की मांग की है।

हनुमान मंदिर में हर मंगलवार को भक्तों का उमड़ रहा जनसैलाब

कोरबा कोरबा शहर के हृदय स्थल पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में स्थित मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता जा रहा हैं। जानकारी देते हुए बताया जा रहा हैं की यह मंदिर अपनी विशेष मान्यता के लिए प्रसिद्ध है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होती है। इस आस्था स्थल में हर मंगलवार को विशेष आयोजन किया जाता है। भक्तजन बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचते हैं और सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। इसके साथ ही भक्ति, भजन, प्रसाद वितरण और श्रीहनुमान एवं श्रीराम की आरती के आयोजन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया की यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ-साथ सामाजिक समर्पण और सेवा की भावना भी देखने को मिलती है।स्थानीय निवासी कहते हैं कि इस मंदिर से उन्हें चमत्कारिक अनुभव प्राप्त हुए हैं, जिससे उनकी आस्था और भी गहराई है।

ध्यान थीम का हुआ उद्घाटन

कोरबा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय कोरबा द्वारा विश्वसद्भावना भवन टी.पी. नगर में विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान थीम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मदर्स डे का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, पर्यावरण अधिकारी परमेन्द्र पांडे, चैम्बर ऑफ कॉमर्स कोरबा अध्यक्ष योगेश जैन, आयुर्वेदाचार्य डॉ. नागेन्द्र शर्मा और ब्रह्माकुमारी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों का पुष्पगुच्छ और आत्म स्मृति का तिलक लगाकर की गई। इस अवसर पर लखनलाल देवांगन ने माँ के ऊपर अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि माता-पिता से बड़ा दुनिया में कोई नहीं होता है और हमें उनका पूर्णरूप से ख्याल रखना चाहिए। परमेन्द्र पांडे ने कहा कि आजकल विश्व में जो युद्ध और भेदभाव हो रहा है, उसे देखते हुए ब्रह्मकुमारी संस्था का यह थीम काफी सुसंगत है और हमें विश्व एकता के लिए प्रयास करना चाहिए। योगेश जैन ने कहा कि हमें मेडिटेशन अवश्य ही करना चाहिए और इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। डॉ. नागेन्द्र शर्मा ने कहा कि एकता और विश्वास की बात जब आती है तो सबसे पहले हमें ध्यानस्त होना पड़ता है और जब हम ध्यानस्त होंगे तो हम अपने अंतस में उतरेंगे और तभी हमें अपने अन्दर विश्वास होगा। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और सभी को मेडिटेशन करने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर थीम का उद्घाटन किया और सभी को ईश्वरीय भेट और प्रसाद दिया गया।

65 लाख की हीरे की ज्वेलरी चोरी का खुलासा: तीसरा आरोपी गिरफ्तार

रायपुर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की रेलवे पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 65 लाख रुपये मूल्य की हीरे की ज्वेलरी चोरी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया है। इस मामले में कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी अब भी फरार है। रेलवे पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि महाराष्ट्र की हिना पटेल ने 4 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे अपने पति के साथ गोंदिया से रायपुर तक शिवनाथ एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 18240) के एचए-1 कोच की सीट नंबर 21 पर यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान राजनांदगांव और दुर्ग के बीच अज्ञात चोर ने उनका पर्स चोरी कर लिया, जिसमें दो हीरे के हार, चार हीरे की अंगूठियां, कान के लटकन, 45 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल और अन्य कीमती आभूषण थे। चोरी गए माल की कुल कीमत लगभग 65 लाख रुपये आंकी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी संतोष साव उर्फ अफरीदी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि चोरी का सामान कोलकाता निवासी रोहित उर्फ गोलू और राउरकेला निवासी शेखर को बेचा गया था। इसके बाद पुलिस ने राउरकेला में दबिश देकर आरोपी शेखर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में शेखर ने बताया कि उसने यह आभूषण अपने भांजे रोहित उर्फ गोलू के जरिए खरीदा था। आरोपी शेखर के पास से चोरी गए दो हीरे के हार, अंगूठियां, कान के लटकन और 10 हजार रुपये नकद सहित कुल 65 लाख रुपये कीमती आभूषण बरामद किए गए हैं।

बर्खास्त बी.एड. शिक्षकों का समायोजन: सरकार के फैसले पर आभार रैली

रायपुर छत्तीसगढ़ में बर्खास्त बी.एड. प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों की बहाली के बाद सोमवार को रायपुर में शिक्षकों ने सरकार के प्रति आभार जताते हुए रैली निकाली। इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकाली गई इस रैली में शिक्षक थैंक्यू सीएम साहब के नारे लगाते नजर आए। राज्य सरकार ने 2861 बर्खास्त बी.एड. प्रशिक्षित शिक्षकों को सहायक शिक्षक (प्रयोगशाला विज्ञान) के पद पर समायोजित करने का निर्णय लिया है। यह फैसला हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसमें ग्रामीण बस सेवा योजना शुरू करने का निर्णय भी शामिल था। गौरतलब है कि इन शिक्षकों का आंदोलन नवा रायपुर के तूता धरना स्थल में 126 दिनों तक चला था, जो 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद समाप्त हुआ। आंदोलन के दौरान शिक्षकों ने अपने हक की लड़ाई में सामूहिक मुंडन और अंगारों पर चलने जैसे प्रतीकात्मक प्रदर्शन भी किए थे।

मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

कोरबा छत्तीसगढ़ द्विज महिला परिषद ने परशुराम भवन में मातृ दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का संचालन एसबीआई लाइफ के सीनियर मैनेजर अभिनव दुबे द्वारा किया गया, जिनके सहयोग से कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, साथ ही मनोरंजक खेलों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मातृ शक्ति का अभिनंदन किया गया। समूचा कार्यक्रम हर्षोल्लास और उमंग से परिपूर्ण रहा। इस विशेष अवसर पर परिषद की अध्यक्षा श्रीमती सावित्री शुक्ला और सचिव श्रीमती स्वाती दुबे ने कार्यक्रम का विशेष संचालन किया और अपने कुशल नेतृत्व में इसे स्मरणीय बना दिया। एसबीआई लाइफ कोरबा ब्रांच के सीनियर मैनेजर अभिनव दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ शक्ति का सम्मान करना और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचान देना है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए और केक काटकर मातृत्व का यह पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एसबीआई लाइफ की विशेषताओं और सेवाओं की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने मातृ दिवस के अवसर पर अपने विचार और अनुभव साझा किए और मातृ शक्ति के सम्मान में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को एक साथ आने और अपनी भावनाओं को साझा करने का अवसर मिला।

57 लाख की साइबर ठगी शेयर ट्रेडिंग के नाम ठगी

रायपुर छत्तीसगढ़ के रायपुर में साइबर ठगों का बड़ा गिरोह सामने आया है, जिन्होंने एक निजी कंपनी के मैनेजर से शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा लाभ का झांसा देकर 57 लाख रुपए की ठगी की। मामला पुरानी बस्ती पुलिस थाने में दर्ज किया गया है, जहां हरीश सालुखे नामक पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उसे ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगा गया। आरोपियों ने मोबाइल फोन के माध्यम से हरीश से संपर्क किया और उसे इस फर्जी ट्रेडिंग स्कीम में फंसा लिया। ठगों ने वाट्सएप ग्रुप में पीड़ित के खाते में लाभ की रकम ट्रांसफर करने के झूठे संदेश भेजे, जिससे हरीश को विश्वास हो गया कि वह सही दिशा में निवेश कर रहा है। हालांकि, एक से डेढ़ महीने के भीतर, ठगों ने उसे 57 लाख रुपए विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए। टीआई पुरानीबस्ती योगेश कश्यप के अनुसार, जब हरीश ने अपने खाते से रकम निकालने की कोशिश की, तो उसे सफलता नहीं मिली। इसके बजाय, ठगों ने उसे और पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा। जब हरीश को ठगी का अहसास हुआ, तो उसने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। साइबर सेल ने शिकायत की प्रारंभिक जांच के दौरान साढे सात लाख रुपए बैंक एकाउंट में होल्ड करवा लिया है।

शादी में आशीर्वाद देने पहुंचे महासभा के पदाधिकारी

हमारी आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली हमारी पहचान

कोरबा गोंड समाज की एक शादी समारोह में छत्तीसगढ़ गोंडवाना गोंड महासभा के जिलाध्यक्ष श्रीमती जे.बी. कारपे और महासचिव सर्जुन सिंह जगत अपनी धर्मपत्नी सरोज जगत के साथ नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने पहुंचे।

इस अवसर पर श्रीमती जे.बी. कारपे ने कहा कि गोंड समाज की शादी समारोह में आशीर्वाद देने की परंपरा बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह नवविवाहित जोड़ों को समुदाय के भीतर स्वीकार्यता देने और एकता का प्रतीक है। हमारी आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली हमारी पहचान है और हमें इसे सहेजने और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। गोंडवाना गोंड महासभा के पदाधिकारियों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय जीवन की कामना करी। इस अवसर पर गोंड समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे और उन्होंने अपनी परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार शादी का आयोजन किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी - कलेक्टर अजीत वसंत

कोरबा अम्बिकावाणी-
कलेक्टर अजीत वसंत ने आज समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। आवास निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त पेंशन,वन अधिकार और राशनकार्ड के आवेदन पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने दिव्यांग विद्यालय और वृद्धाश्रम की जानकारी लेते हुए सुचारू संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण निश्चित समय अवधि में किया जाए।एक माह के ऊपर लंबित प्रकरण शून्य रखे जाएं उन्होंने राशनकार्ड,वन अधिकार पत्र,पेंशन के प्रकरणों की मॉनिटरिंग के निर्देश सीईओ जिला पंचायत को दिए। कलेक्टर ने समाधान शिविर से पूर्व सम्बंधित ग्राम पंचायतों के आवेदकों के आवेदन का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने लोक सेवा केंद्र अंतर्गत प्राप्त जाति, निवास,आमदनी सहित अन्य प्रमाणपत्रों के आवेदनों को समय-सीमा में जारी करने के निर्देश दिए उन्होंने एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया कि स्कूली विद्यार्थियों सहित आंगनबाड़ी केंद्र से इस सत्र में विद्यालय जाने वाले आरक्षित वर्ग के बच्चों का जाति प्रमाणपत्र शीघ्र बनाए जाए। कलेक्टर ने विभागीय जाँच के प्रकरणों में हुई कार्यवाही की जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर ने स्कूलों और शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण की कार्यवाही को पारदर्शिता के साथ शासन के निदेर्शानुसार समय सीमा में करने के निर्देश डीईओ को दिए।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड, वयवन्दन कार्ड की समीक्षा करते हुए वयवन्दन कार्ड में आधार अपडेटेशन के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आरबीसी ६-४ अंतर्गत मृत्यु दिनाँक से सात दिवस के भीतर प्रकरण दर्ज करने और पीड़ित को समय पर मुआवजा वितरण के निर्देश दिए। उन्होंने बाल सम्प्रेषण गृह के संचालन और पहुँच मार्ग के संबंध में नगर निगम को निर्देशित किया। कलेक्टर ने जिले में नए आंगनबाड़ी भवन निर्माण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग,अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, मनोज कुमार बंजारे सहित सभी एसडीएम, अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर अजीत वसंत ने राजस्व सम्बंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए उन्होंने नक्शा-बटांकन के लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विवादित और मसाहती वाले प्रकरणों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों के नक्शा बटांकन कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने त्रुटि सुधार के प्रकरणों में गंभीरता से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग की भी जिम्मेदारी बनती है कि राजस्व रिकार्ड त्रुटि रहित हो उन्होंने पुराने राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए कलेक्टर ने सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरण के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोक सेवा केंद्र अन्तर्गत प्रकरणों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने की सहायता राशि की घोषणा

खरोरा में भीषण सड़क हादसा-13 की मौत, 14 घायल

रायपुर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे खरोरा क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर सारागांव के समीप हुआ, जहां एक माजदा वाहन और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम चटौद थाना क्षेत्र के लोग स्वराज माजदा (वाहन क्रमांक छ्त्र 04 रूक्त 1259) में सवार होकर खरोरा थाना अंतर्गत ग्राम बाना बनारसी में एक चौथिया छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटते समय बंगोली गांव के पास यह भीषण दुर्घटना हो गई। माजदा वाहन में 50 से अधिक लोग सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल खरोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और रायपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद रायपुर रेंज के आईजी, एसपी, एडिशनल एसपी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। हादसे की जांच जारी है, हालांकि टक्कर के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। इस दुखद घटना पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा खरोरा में हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मृत्यु एवं 14 लोगों के घायल होने की खबर अत्यंत दुःखद है। घायलों के समुचित इलाज हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। संकट की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए तथा घायलों को पचास-पचास हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

लंबित प्रकरणों का उचित समाधान पहला उद्देश्य

कोरबा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा. वर्णिका शर्मा ने कहा कि श्रम से जुड़े बच्चों को एकल खिड़की लेने के माध्यम से लाभांवित किया जाएगा। सबसे पहले उन प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी जो लंबे समय से लंबित चल रहे थे। अध्यक्ष का प्रभार लेने के बाद उनका पहला उद्देश्य यही है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग छग शासन की अध्यक्षा डा. वर्णिका शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष बनने से पूर्व मैंने क्षेत्र में काफी काम किया है। अच्छी तरह से जानती हूं कि प्रदेश में बच्चों की स्थिति क्या है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मुझे लंबित प्रकरणों की सुनवाई करना है।

C M Y K

अम्बिकावाणी

अम्बिकापुर, बुधवार 14 मई, 2025

सम्पादकीय

आपको भाषा का अल्प विराम व पूर्ण विराम लगाना आता है परन्तु क्या व्यर्थ संकल्पों पर भी पूर्ण विराम लगाना आता है?

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कहा है वरना अवमानना की कार्रवाई होगी। अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे।

कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निदेशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है।

वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85त्न) तमिलनाडु के शिवकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है।

बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं। अदालत की बार-बार घुड़की के बावजूद सरकारों और प्रशासन के कानों में जूं रेंगती नहीं नजर आ रही, बल्कि जब भी पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, या कोई शख्सियत आवाज उठाती है, तो जनता उल्टा उस पर कटाक्ष करने और ट्रोलिंग करने पर उतारू हो जाती है। युवाओं और किशोरों के बीच पटाखों के दुष्परिणामों पर खुल कर चर्चा हो और राज्य सरकारों पर पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो।

विपक्षी गठबंधन की चिंता में जाति जनगणना फैसला

अजीत द्विवेदी

यह लाख टके का सवाल है कि केंद्र सरकार जाति जनगणना करा लेगी उसके बाद क्या होगा? कुछ भोले भाले राजनीतिक और सामाजिक विश्लेषक कह रहे हैं कि जाति जनगणना बहुत अच्छी है लेकिन उसका राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, बल्कि उसके आंकड़ों का इस्तेमाल वंचित समूहों को लाभ पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए। यह आदर्श स्थिति है। लेकिन भारत में कभी भी आदर्श स्थिति में कोई काम नहीं होता है। यहां सारा काम राजनीतिक लाभ हानि के हिसाब से होता है।

इसलिए यह तय मानें कि जातियों की गिनती से जो भी आंकड़ा आएगा उसका राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल होगा। यह भी तय मानें कि सामाजिक-आर्थिक गणना में किसी को आर्थिक स्थिति के आंकड़ों से कोई मतलब नहीं होगा। किस जातीय समूह की आर्थिक स्थिति क्या है यह जानने में किसी की दिलचस्पी नहीं है। बिहार की जाति गणना इसकी मिसाल है। उसके मुताबिक बिहार में 94 लाख परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक आय छह हजार रुपए से कम है। सोचें, एक परिवार में अगर पांच आदमी है और परिवार महीने में छह हजार रुपए कमा रहा है इसका क्या मतलब है?

इसका मतलब है कि करीब पांच करोड़ लोग ऐसे हैं, जिनकी मासिक आमदनी छह सौ रुपए है। लेकिन इस आंकड़े से किसी को कोई सरोकार नहीं है। सबका सरोकार इस बात से है कि बिहार में पिछड़े और अतिपिछड़े 63 फीसदी हैं, दलित करीब 20 फीसदी हैं और सवर्ण साढ़े 15 फीसदी हैं।

तभी जाति जनगणना से जो भी आंकड़े आएंगे उसमें अलग अलग जातीय समूहों की आर्थिक स्थिति से किसी को कोई मतलब नहीं होगा। सबको जाति के आंकड़ों से मतलब होगा। किस जाति की कितनी संख्या है। इससे कुछ जातियों का वर्चस्व हो सकता है कि कम हो तो कुछ नई जातियों का वर्चस्व स्थापित हो। तभी सभी जातीय समूहों की ओर से सोशल मीडिया में अपील की जा रही है कि सब अपनी मूल जाति लिखें। कोई भी व्यक्ति अपनी उप जाति या गोत्र या उपनाम आदि को जाति के तौर पर दर्ज नहीं करे।

ध्यान रहे पिछली बार सरकार ने जातियों की सूची नहीं बनाई थी इसलिए लाखों जातियां दर्ज हो गईं। लोगों ने जाति की जगह उपजाति, अपना मूल, गोत्र, गांव का नाम, उपनाम आदि दर्ज कराया। इस बार कहा जा रहा है कि सरकार अंग्रेजों के जमाने में दर्ज करीब चार हजार जातियों की सूची बनाएगी और लोगों से उसी में से जाति चुनने को कहा जाएगा। हालांकि अभी जाति जनगणना की कोई टाइमलाइन तय नहीं है फिर भी जातियों का ध्रुवीकरण शुरू हो गया है और पहला चुनाव बिहार विधानसभा का है।

यह स्पष्ट है कि फैसला अचानक नहीं हुआ है। भाजपा लोकसभा चुनाव के बाद से इस पर विचार कर रही थी। उसको लग रहा था कि संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ और जाति जनगणना कराओ का 'इंडियाइ ब्लॉक का अभियान कामयाब रहा, तभी भाजपा की सीटें कम हुईं। इसलिए भाजपा को बिहार विधानसभा चुनाव, उसके बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा का चुनाव हारने की चिंता सता रही थी। उसी चिंता में केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला किया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार ने विपक्ष को बैकफुट पर ला दिया।

विपक्ष को अंदाजा नहीं था कि सरकार यह फैसला करेगी। आखिर संसद में केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने कहा हुआ है कि सरकार ने नीतिगत तौर पर जाति गणना नहीं कराने का फैसला किया है। यह बात 2021 में सरकार ने कही थी। लेकिन 2024 के नतीजों ने सब कुछ बदल दिया। अब पक्ष और विपक्ष में इसका श्रेय लेने की होड़ चल रही है। भले भाजपा के नेता कुछ भी कहें लेकिन हकीकत यह है कि सरकार ने राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन की चिंता में यह फैसला किया है। तभी सवाल है कि इसके आगे क्या? विपक्ष की चिंता में या विपक्ष का एजेंडा छीन लेने की रणनीति के तौर पर सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला कर लिया। लेकिन उसके बाद सरकार क्या करेगी? विपक्ष को जीत का स्वाद लग गया है। इसलिए वह जाति जनगणना के बाद का एजेंडा तय कर रहा है। क्या विपक्ष की चिंता में सरकार उसके बाकी एजेंडे को भी स्वीकार करेगी? विपक्ष का एजेंडा है आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को समाप्त करने का। उसका एजेंडा है निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान करने का। नया एजेंडा है न्यायपालिका में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने का। नया एजेंडा है निजी शिक्षण संस्थानों में दाखिले में आरक्षण लागू करने का। नया एजेंडा है सरकारी ठेके और खरीद में आरक्षण देने का और नया एजेंडा है लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं में पिछड़ी जातियों के लिए सीटें आरक्षित करने का। क्या केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इसके लिए तैयार होगी? राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के समय से नारा लगा रहे हैं कि 'जितनी आबादी उतना हकइ। यह इस समाजवादी नारे की तरह है कि 'पिछड़ा पावे सौ में साठइ। बसपा के संस्थापक कांशीराम ने भी नारा दिया था, 'जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारीइ। सो, कह सकते हैं कि राहुल गांधी कोई नया नारा नहीं दे रहे हैं लेकिन चूंकि वे देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता हैं इसलिए उनके नारा देने का असर ज्यादा है। अगर वे आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को कूड़े के ढेर में फेंकने की बात कर रहे हैं तो सरकार इसकी अनदेखी नहीं कर सकती है। सबको पता है कि यह सीमा सुप्रीम कोर्ट ने तय की है लेकिन इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कूड़े में फेंकने में राहुल गांधी को कोई परेशानी नहीं है। बहरहाल, विपक्षी पार्टियां कह रही हैं और यह हकीकत भी है कि सरकारी नौकरियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। इसी तरह सरकारी शिक्षण संस्थानों की संख्या सीमित है और वहां गुणवत्ता लगातार कम होती जा रही है। नौकरी निजी सेक्टर में है और शिक्षा भी निजी संस्थानों में ही है। इसलिए विपक्षी पार्टियां निजी नौकरियों और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की मांग कर रही हैं। सरकार के जाति जनगणना कराने के फैसले से पहले कांग्रेस ने अहमदाबाद में अपना अधिवेशन किया था, जिसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ाने और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया था।

पहले तो यमुना को नदी बनाएं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

इस वर्ष हुआ दिल्ली विधानसभा चुनाव बहुत कुछ यमुना नदी जल के पीने, उसमें डुबकी लगाने और हरियाणा से मिलते प्रदूषित पानी के मुद्दों पर भी केंद्रित था। हो भी क्यों न। दिल्ली अपनी एक तिहाई पेयजल आपूर्ति के लिए यमुना पर निर्भर करती है। प्राथमिक रूप से जल की मात्रा और गुणवत्ता वही होती है, जो हरियाणा से मिलता है। उपभोक्ताओं को कितना पानी दिया जा सकेगा यह भी उसी पर निर्भर करता है। कम पानी आ रहा हो तो वजीराबाद जलाशय का जल स्तर गिर जाएगा।

सामान्य दिनों में वजीराबाद से पानी निकलने के बाद यमुना में केवल कीचड़ और मलबा रह जाता है। हरियाणा में घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट यमुना में मिलता ही है। सालों से भारी मात्रा में अमोनिया प्रदूषण लिए पानी दिल्ली पहुंचता रहा है। कई बार यह दिल्ली के जलशोधन संयंत्रों की क्षमता से सात-आठ गुणा ज्यादा तक होता है। अमोनिया का स्वीकार्य स्तर केवल 05 पीपीएम है। ऐसे में यमुना में अमोनिया का स्तर नीचे गिरने का इंतजार भी करना पड़ता है किंतु दिल्ली के भीतर हरियाणा से पहुंचे यमुना नदी जल में प्रदूषण भार साठ-सत्तर प्रतिशत बढ़ जाता है। यमुना में उठते गैस के गुब्बारों में भी यमुना का प्रदूषण और उसका दम तोड़ना नंगी आंखों दिख जाता है। ऐसा अमोनिया और फास्फेट के कारण सड़े हुए पेड़-पौधों की सडक के कारण होता है। जैवीय मल-मूत्र का प्रदूषण दिल्ली में यमुना में काफी ज्यादा है। कॉलिफॉर्म बहुत ज्यादा होने से यमुना में घुली ऑक्सीजन का स्तर गिरा रहता है। नदी जल में ऑक्सीजन की कमी से जलचरों की मौत का आंकड़ा भी बढ़ जाता है। यमुनोत्री से दिल्ली तक की यात्रा में जगह-जगह यमुना जल में सीवर जल, गंदे नालों का मिलना आज भी जारी है। रास्ते में मिलते घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट की भरमार से भूरी-पीली-धूसर-काली होती यमुना में दिल्ली में भारी मात्रा में अनुपचारित और आंशिक उपचारित सीवर जल पहुंचता है। अगस्त, 2024 को डीजेबी ने एनजीटी को दिए शपथपत्र में बताया था कि दिल्ली में चालीस एसटीपी हैं, जिनमें से सारे काम नहीं कर रहे हैं। यमुनोत्री से दिल्ली की राह में यमुना के पानी का डायवर्जन पहली बार उत्तराखंड में ही डाकपत्थर में बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। फिर हरियाणा में हथिनीकुंड और ताजेवाला-यमुनानगर में नहरों के लिए होता है। सूखे के मौसम में बैराज से पानी नहीं छोड़ा जाता है जिससे ताजेवाला और दिल्ली के बीच के कुछ-कुछ हिस्सों में नदी लगभग जलशून्य हो जाती है।

जल संसाधन मंत्रालय संबंधी संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट के अनुसार नदी जल में घुले आक्सीजन की मात्रा की अत्यंत कमी के कारण दिल्ली में यमुना अस्तित्वविहीन सी हो चुकी है। सुझाव दिया गया कि यमुना में ताजा पानी और उसके पानी में घुले ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए काम होने चाहिए। वजीराबाद के परिप्रेक्ष्य में संसदीय समिति का मूल्यांकन था कि वजीराबाद के नीचे यमुना में ताजे पानी की इतनी कमी है कि मानकों के अनुसार सारा सीवेज यदि उपचारित भी होने लगे तब भी यमुना प्रदूषित ही रहेगी। दिल्लीवासियों को जल आपूर्ति एक तरह से यमुना को निचोड़ कर ही हो रही है। हर साल यमुना में कई-कई दिनों तक पानी नहीं केवल कीचड़ ही कीचड़ दिखता है।

करीब नौ माह तो यमुना में इतना पानी भी नहीं रहता कि वह ठीक से बह सके। एलगी का भी जमाव होता रहता है। एलगी भी नदी की ऑक्सीजन को कम करती हैं खासकर जब वो सड़ती हैं, उनमें विघटन होता है। वे जल में स्वास्थ्य के लिए घातक प्रदूषण भी पैदा कर सकती हैं। बिना पानी, बिना प्रवाह यमुना को दिल्ली में नदी भी कैसे कहा जाए। सुप्रीम कोर्ट भी कुछ साल पहले यमुना को नाला की संज्ञा दे चुका है। आठ नौ माह तो दिल्ली के भीतर यमुना में ताजा पानी बढ़ाने की संभावनाएं नगण्य ही रहती हैं किंतु सालों साल गाद, मलबा से अटी-पटी होने के कारण जल संग्रहित करने की गहराई कम होने से यमुना को बरसात का भी फायदा नहीं मिलता। तेज बरसात में जल्दी से बाढ़ का उभार होने लगता है। अतः यमुना में ज्यादा पानी नहीं रुक पाता। कूड़ा निकासी हो तो दिल्ली में उसके जलसमेट क्षेत्र से मिलने वाले ज्यादा से ज्यादा बरसाती जल संग्रहण में भी मदद मिलेगी।

दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि नई सरकार बनने के दस दिनों में ही यमुना से 13 हजार टन गाद की निकासी हो गई थी। गाद हटाने के काम में यमुना स्वच्छता मिशन बहुत पिछड़ा हुआ था। इसलिए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने नई राज्य सरकार के गठन से पहले ही अधिकारियों को निर्देश देकर भारी मशीनों से यमुना गाद सफाई का काम प्रारंभ कर दिया था किंतु पूरी निकासी में महीनों लग सकते हैं। किंतु आशा की जानी चाहिए कि आने वाली बरसात में इसका फायदा मिलने लगेगा। यमुना के फ्लड प्लेन में अतिक्रमण के कारण बाढ़ के फैलाव का फायदा भी नहीं मिलता। पांच किमी. यदि फ्लड प्लेन की चौड़ाई हो तो उसमें भी एक किमी. दूरी तक भी पानी नहीं पसर पाता। फ्लड प्लेन खाली रहे तो जलविहीन यमुना और जैवविविधता को कुछ सहारा मिल सकता है। दिल्ली में वजीराबाद से पल्ला तक का यमुना का फ्लड प्लेन बाइस किमी. का है। इसका क्षेत्र 9,700 हेक्टेयर का है।

इसमें से 7,362 हेक्टेयर पर लगभग 75 प्रतिशत पर अतिक्रमण है। जुलाई, 2024 में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी डीडीए को फ्लड प्लेन के अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे।

आदर्श रूप में एक नदी में उसके सालाना प्रवाह की जल मात्रा का कम से कम आधा पानी हर बना रहना चाहिए।

पाकिस्तानियों का सरकार और सेना पर से भरोसा टूटा

वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में लोगों का सरकार और सेना पर भरोसा टूटा। उसकी सैन्य कार्रवाईयों के किसी भी दावे पर लोगों को भरोसा नहीं हो रहा है।

सूत्रों ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा कि उनके पास क्या सबूत है कि उनकी सेना ने भारत के लड़ाकू विमान को मार गिराया है तो उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया देखिए। पाकिस्तान के एक सांसद ने इसे लेकर अपने रक्षा मंत्री का मजाक उड़ाया। इससे पहले दो मौकों पर 2016 और 2019 में भारतीय सेना की कार्रवाई पर भारत में सवाल उठे थे और सबूत मांगे गए थे। इस बार भारत में पूरा देश एकजुट है, जबकि पाकिस्तान में उसकी सेना की कार्रवाई के सबूत मांगे जा रहे हैं। पाकिस्तान में कैसे लोगों का मनोबल गिरा हुआ है इसकी एक मिसाल पाकिस्तानी संसद में देखने को मिली, जब भारत के 'ऑपरेशन सिंदूरइ के बाद संसद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के एक सांसद फूट फूटकर रोने लगे। पाकिस्तानी सांसद ताहिर इकबाल ने रोते हुए संसद में कहा, 'या खुदा आज बचा लो। दुआ करते हैं कि अल्लाह हमारे मुल्क की हिफाजत करे और हमें आपस में जोड़कर रखेइ। हालांकि उन्होंने भी धर्म के आधार पर ही देश को बचाने की अपील की और कहा कि अल्लाह ने यह मुल्क अता किया है। इसके बावजूद लोगों में जोश नहीं लौट रहा है। एक पूर्व पाकिस्तानी सांसद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि मोदी कोई उनकी खाला का लड़का है, जो उनके कहने पर युद्ध रोका देगा। इसके आगे वे कहते हैं कि युद्ध होगा तो देश छोड़ कर विदेश भाग जाएंगे। जाहिर है पाकिस्तान के लोगों को अपनी सरकार और सेना पर भरोसा नहीं है कि वह उनकी रक्षा कर पाएगी। बहरहाल, पाकिस्तान के सांसद के रोने के वीडियो वायरल होने के बाद देखने को मिला कि पाकिस्तान के न्यूज चैनल अपने नेताओं और नागरिकों का भरोसा बढ़ा रहे हैं। वे नेताओं से कह रहे हैं कि वे रो कर अपनी कमजोरी नहीं जाहिर करें। लेकिन पाकिस्तान का रोना पीटना बंद नहीं हो रहा है। इस बीच पाकिस्तान के इकोनॉमिक अफेयर डिवीजन के एक्स हैंडल से दुनिया के देशों से कर्ज मांगने की पोस्ट वायरल हो गई। पाकिस्तान की आर्थिक हालत का हवाला देकर कर्ज मांगा जा रहा था। पोस्ट वायरल होने के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया है कि उसका हैंडल हैक हो गया है और पोस्ट फर्जी है। लेकिन पाकिस्तान के ही लोग मान रहे हैं कि यह पोस्ट सही हो सकती है क्योंकि देश कंगाली की हालत में है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पास 15 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा, जबकि उसको एक साल में 30 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। बहरहाल, छह और सात मई की दरम्यानी रात को भारत की ओर से किए गए 'ऑपरेशन सिंदूरइ के बाद पाकिस्तान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगाई गई पाबंदी हटा दी है। 0 हरिशंकर व्यास

कोई 15 महीने पहले पाकिस्तान ने एक्स पर पाबंदी लगाई थी। उसका कहना है कि सोशल मीडिया में

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1326

1	2	3		4			■
5			■		■	■	6
	■	7			■	8	12
9	10		■	11	12		
■		■	13	■	14		■
15			■	16	■	17	
20		■	■	19	20		■
	■	■	21			■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. 16 जून 2007 को यह महिला अंतरिक्ष में लगातार सबसे लंबे समय तक रहने वाली महिला बनी (7)
5. प्रणाम, अभिवादन, नमस्कार (3)
7. सेवा करना वाला, नौकर (3)
8. व्रत, उपवास (उर्दू)(2)
9. मादा या आवेश में आना (4)
13. प्रकाश की किरण, अर्धप्रकाश (1)
14. टूटने-फूटने आदि से उत्पन्न शब्द (2)
15. गति (3)
17. अधिकार, शक्ति, पर्याप्त है कि, समाप्ति सूचक शब्द (2)
18. प्रहार करने की क्रिया (2)
19. गवाह का कथन, साक्ष्य (3)
21. बलमा, प्रेमी, साजन, इस फिल्म मे देवानंद के साथ मीना कुमारी व सुरैया थी (1951) (3)

ऊपर से नीचे

1. पुराणानुसार महाराजा जनक की पत्नी का नाम, सुलोचना (4)
2. कड़वी छाल वाले इस वृक्ष की पत्तियां औषधि बनाने के काम में आती है (2)
3. इन्हें सम्राट अकबर के नवरत्नों में गिना जाता है, इनका मूल नाम रामतनुमाल था (4)
4. काबिलीयत, योग्यता, गुण, पात्रता (4)
6. संवारना, आकर्षक और सुंदर बनाना (3)
8. रूपयों का लेन-देन का हिसाब सबंधी बही (5)
10. बंधक बनाया हुआ, जिसे अपराध के सिलसिले में पकड़ा गया हो (4)
12. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
15. प्रस्थित, भेजा गया (3)
16. वे दिन जिसमें विवाह आदि संपन्न कराए जाते है, तल्लीनता, ध्यान लगाने का भाव (3)
20. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)

वर्ग पहेली 1325 हल

भा	र	त	■	गो	दा	व	री
ग	ज	ट	■	दा	ता	र	■
खु	■	स्थ	ग	न	■	या	मा
ल	य	■	र्ज	■	सं	त्रा	य
ना	ज	नी	न	■	ता	■	■
■	मा	■	क	मी	न	गा	ह
जा	न	व	र	■	ही	र	क
ट	■	■	ना	दा	न	■	ला

एकदा

घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है। संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की ₹आधार₹ बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्यापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है।

० संतोष मिश्रा

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

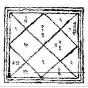

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नए सामान की खरीदारी करेंगे। आज अपनी योग्यता और सामर्थ्य को पहचाने तथा समय का उचित सदुपयोग करेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके मित्र मददगार साबित होंगे। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी आज सचेत रहने से समस्याओं को जल्दी सुलझा लेंगे। पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत मामलों में दिल की अपेक्षा दिमाग से निर्णय लेंगे तो आप बेहतर नतीजे पर पहुंच पाएंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। हर काम को सोच-विचार कर करना आपको सफलता देगा। किसी मित्र की मदद से उलझे कार्य सुलझ जाएंगे। आज मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून महसूस करेंगे। आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी की सलाह व सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेंगे। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा।

सिंह राशि : आज आपके दिन की शुरूआत अच्छी रहेगी। आप आसपास के लोगों के सहयोग से घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज कारोबार सम्बन्धी भाग-दौड़ रहेगी। कुछ लोग आपको भ्रमित करने की कोशिश भी करेंगे। अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें।

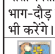

कन्या राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपको यात्रा से लाभ होगा। आज किसी मुश्किल मुकाम को मेहनत और परिश्रम से हासिल कर लेंगे,

तुला राशि : आज का दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आज आपकी मेहनत व प्रयास के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। कुछ खास लोगों से मेलजोल होगा और किसी मांगलिक कार्य संबंधी योजना बनेगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका काम करने का जुनून आपको निश्चित ही उपलब्धि हासिल करवाएगा, लेकिन बड़ा सौदा करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल अवश्य करें। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे।

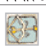

धनु राशि : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यस्थल पर काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। आज किसी खास निर्णय को लेकर माता-पिता से विचार-विमर्श करेंगे, साथ ही किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से उनका निवारण भी होगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आज किसी भी कार्य को लेकर सतर्कता रखने से आप कई परेशानियों से बच सकते हैं। आज आप अपनी मेहनत और योग्यता से निश्चित ही सफलता हासिल करेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जाएगा। आज महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने बजट का भी ध्यान रखें, क्योंकि खर्चों की स्थिति बढ़ती नजर आ रही है। आज सामाजिक कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। किसी अनजान से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए।

चमगादड़ उल्टा ही क्यों सोते हैं?

आपने दुनियाभर में अलग-अलग प्रकार के जीव जंतु देखें होंगे, आप यह भी जानते ही होंगे की हर जीव जंतु की अपनी अलग विशेषता होती है। दरअसल कुछ जीव रेंगने वाले, तैरने वाले और कुछ उड़ने वाले जीव होते है। हालांकि इनमे से कई ऐसे जीव जंतु है जो आज के समय में विलुप्त होने की कगार पर है। वहीं कुछ जीव जंतु ऐसे है जिनकी चर्चा अक्सर हम करते रहते हैं।

ऐसा ही एक जीव है चमगादड़ जो एक अलग विशेषता के लिए प्रसिद्ध है। आपने भी इसके बारे में सुना ही होगा, क्योंकि चमगादड़ उल्टा लटककर सोने के लिए हमेशा चर्चा का विषय बने रहते हैं।

दरअसल चमगादड़ एक विशेष स्तनधारी जीव है जो आसमान में उड़ता है। उसकी विशेषता उसका उल्टा लटककर सोना है, जिसे लोगों में बहुत लोकप्रियता है। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि चमगादड़ उल्टा क्यों सोते हैं? तो चलिए आज हम इस खबर में आपके इस सवाल का जवाब देने वाले हैं।

आपको बता दें कि चमगादड़ उल्टा लटककर इसीलिए सोते है ताकि वे आसानी से उड़ान भर सके। दरअसल इन्हे जमीन से उड़ान भरने में कठिनाई महसूस होती है, जबकि उल्टे सोने पर उनकी उड़ान बहुत ही सरल हो जाती है। इसके अलावा, चमगादड़ अक्सर पुरानी इमारतों या किलों पर उल्टे लटककर सोते हैं, जिससे उन्हें अपने संगरोधन और सुरक्षा का अधिक सामर्थ्य मिलता है।

चमगादड़ उल्टा सोने पर भी क्यों नहीं गिरते?

वहीं चमगादड़ के उल्टे सोने पर भी न गिरने का कारण इसके नसों की बनावट में है। दरअसल इनके पैरों की नसें इसे उच्चतम सुरक्षा और स्थिरता प्रदान करती हैं, जिससे वे अपनी उल्टी स्थिति में भी टिके रह सकते हैं। इसके वजह से चमगादड़ उल्टे सोने पर भी नहीं गिरते।

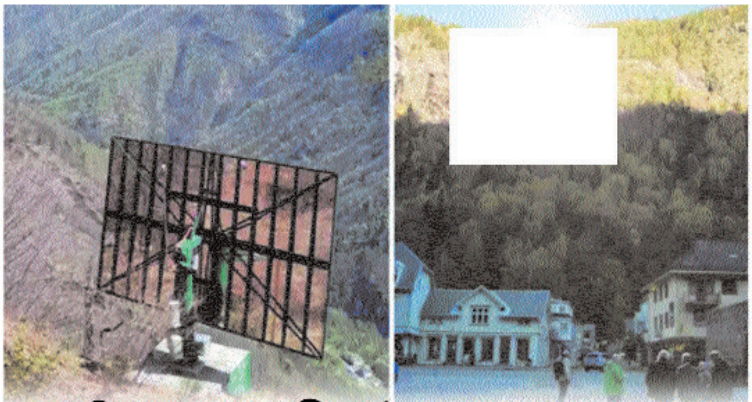

इटली का गांव 'विगनेला' जहां नहीं पहुंचती सूरज की रोशनी

सूरज का प्रकाश पृथ्वी के कोने-कोने में पहुंचता है. पर कुछ हिस्से ऐसे भी हैं जहां कई महीनों तक सूरज की रोशनी नहीं पड़ती. पर इटली का एक गांव ऐसा भी है जहां सूरज की रौशनी नहीं पहुंचती. इस गांव में कभी सूरज नहीं निकलता. जिसके बाद यहां रहने वाले लोगों ने अपना ही सूरज बना लिया. हैरान हो गए ना ये जानकर, लेकिन ये सच है. दरअसल, यहां सूरज की रोशनी न पहुंचने पर लोगों ने जुगाड़ लगाकर अपना ही एक आर्टीफिशियल सूरज बना लिया. जी हां, आपने अब तक इंसान को साइंस एंड टेक्नोलॉजी की मदद से नकली आंख, हाथ पांव बनाते हुए सुना होगा, पर इटली के इस गांव के लोगों ने अपना सूरज ही बना लिया.

पृथ्वी पर जीवन के लिए सूर्य की रोशनी बेहद जरूरी है, यह सिर्फ हम इंसानों के लिए ही नहीं बल्कि जानवरों, पेड़-पौधों के भी अस्तित्व की वजह है। हर 24 घंटे के अंतराल में सूरज की रोशनी से पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों को रोशन करता है, लेकिन कई ऐसे क्षेत्र भी है जहां महीने तक सूर्य की किरण देखने के लिए लोग तरस जाते हैं। हमारी धरती अजीबोगरीब संभावनाओं से भरी हुई है, यहां ऐसी प्राकृतिक घटनाएं होती हैं जिसे समझ पाना कभी-कभी वैज्ञानिकों के बस में भी नहीं होता।

सूर्य की रोशनी भी है जरूरी

नॉर्थ पोल और साउथ पोल के बारे में तो आप सभी ने पढ़ा ही होगा, यहां मौजूद देशों में महीनों तक या तो सूरज अस्त नहीं होगा या फिर उगेगा ही नहीं। हालांकि आज हम आपको इटली के ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां तीन महीने तक लोग सूर्य की रोशनी देखने के लिए तरस जाते हैं। हालांकि अब गांव वालों ने इस समस्या का समाधान भी खोज निकाला है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है। दरअसल, गांव ने अपना खुद का सूरज बना लिया है।

गांव वालों ने बना डाला अपना सूरज

चौंकिए मत जनाब, ये कोई असली का सूर्य नहीं बल्कि गांव तक रोशनी पहुंचाने के लिए एक आर्टीफिशियल सूरज लोगों ने मिलकर बनाया है। हम बात कर रहे हैं इटली में स्थित विगनेला गांव की जो चारों तरफ से पहाड़ों से घिरा हुआ है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों की वजह से तलहटी में बसे गांव में सूरज की रोशनी नहीं आ पाती। यहां करीब 200 लोग रहते हैं और सूरज के दर्शन किए उन्हें लंबा अरसा बीत जाता है। भौगोलिक स्थिति की वजह से यहां नवंबर से फरवरी तक सूर्य की रोशनी नहीं आती।

नवंबर से फरवरी के बीच अंधेरे में रहता था गांव

नवंबर से फरवरी के बीच दिन के समय भी पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता था, इस वजह से वहां रह रहे लोगों के सेहत पर भी बुरा असर पड़ता था। इस समस्या का समाधान गांव के ही एक आर्किटेक्ट और इंजीनियर ने निकाला और एक आर्टीफिशियल सूरज बना डाला। साल 2006 में इंजीनियर ने गांव के मेयर की मदद से पहाड़ों की चोटी पर 40 वर्ग किलोमीटर का एक शीशा लगवा दिया। शीशे को इस तरह लगाया गया कि उस पर पड़ने वाली सूर्य की रोशनी का प्रतिबिंब सीधे गांव पर गिरे।

दिन में इतने घंटे रोशन रहता है गांव

पहाड़ की चोटी पर लगाया गया ये शीशा दिन में 6 घंटे के लिए गांव को रोशन करता है। शीशे का वजह करीब 1.1 टन है और इसमें 1 लाख यूरो का खर्च आया। इस कारीगरी में तकनीक की भी मदद ली गई है, पहाड़ पर लगाए गए शीशों को कंप्यूटर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। अपना खुद का सूरज बनाने के बाद विगल्लेना गांव दुनियाभर में चर्चा का केंद्र बन गया, अब तो यहां टूरिस्ट भी इस कारीगरी को देखने आते हैं।

कैसे आया आइडिया?

विगल्लेना गांव के मेयर पियरफ्रेंको मद्दाली ने बताया कि इस आर्टीफिशियल सूरज का आइडिया किसी वैज्ञानिक का नहीं बल्कि एक आम इंसान का है। यह आइडिया तब सामने आया जब सर्दियों के मौसम में लोग धूप ना मिलने की वजह से घरों में ही रहा करने लगे। शहर ठंड और अंधेरे की वजह से बंद हो जाता था। करीब 87 लाख रुपए की लागत से एक आर्टीफिशियल सूरज को तैयार किया गया। अब सर्दियों में भी गांव को सूरज की रोशनी मिलती है।

जुगाड़ से गांव तक पहुंचा सूरज

इस समस्या का हल खोजने के लिए पहली बार साल 1999 में पहली बार, 'विगनेला' के एक आर्किटेक्ट जियाकोमा बोजानी ने गांव के चर्च पर धूपघड़ी लगाने लगाने का प्लान बनाया था। लेकिन बाद में इसकी जगह एक विशाल शीशा लगाने का फैसला किया गया, जो धूप का प्रतिबिंब गांव तक पहुंचा सके। इसके लिए आर्किटेक्ट जियाकोमा और इंजीनियर गियानी फेरारी ने एक विशाल शीशा पहाड़ की चोटी पर लगवा दिया। ये शीशा दिन में 6 घंटे सनलाइट रिफ्लेक्ट करता है जिससे गांव में रोशनी रहती है। इसे कंप्यूटर के जरिए ऑपरेट किया जाता है और सूरज की दिशा की तरफ घुमाया जा सकता है।

इंजीनियर ने कैसे किया ये कारनामा

आर्किटेक्ट और इंजीनियर ने आर्टीफिशियल सूरज बनाने के लिए 1 लाख यूरो खर्च किया। इस पैसे से इंजीनियर ने 40 वर्ग किलोमीटर का एक शीशा खरीदा जिसको उसने पहाड़ की चोटी पर लगवा दिया। यह शीशा ऐसे लगाया गया है ताकि सूरज की रोशनी गांव के ऊपर धूप बनकर पड़े। इस शीशे से दिन में 6 घंटे लाइट रिफ्लेक्ट होती है और गांव में रोशनी रहती है। इस शीशा को पहाड़ की दूसरी तरफ लगाया गया है। इस शीशे को कंप्यूटर से ऑपरेट करते रहते हैं। विगल्लेना गांव के लोगों ने इस प्रकार अपना खुद का नया सूरज बना डाला है। गांव वालों ने विज्ञान और तकनीक की मदद से इस समस्या से निजात पा लिया।

इस प्रोजेक्ट पर आया इतना खर्च

बता दें, जिस विशाल शीशे से गांव तक सूरज की रोशनी पहुंचती है, उसका वजन 1.1 टन है। इसे कंप्यूटर की मदद से ऑपरेट किया जाता है। पियर फ्रांको मिड़ाली ने बताया था कि यह मैटीरियल 95 फीसदी सूर्य की रोशनी को परिवर्तित करता है। इस प्रोजेक्ट में 1 लाख यूरो का खर्च आया था।

बदली गांव की किस्मत

'विगनेला' के पूर्व मेयर मिदाली ने एक इंटरव्यू में कहा था, ये प्लान किसी वैज्ञानिक उद्देश्य से नहीं बनाया गया, बल्कि इसकी मानवीय वजह थी। सर्दियों में ये शहर ठंड और अंधेरे से भर जाता था और इसी वजह से लोगों ने इस इलाके से पलायन करना भी शुरू कर दिया था। लेकिन अब यहां धूप आती है और हालात अच्छे है। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों का ध्यान खींचा और कई विदेशी अखबार इस गांव और मिरर की कहानी देखने पहुंचे। अब ये गांव आर्टिफिशियल सन की वजह से काफी फेमस हो चुका है।

रेलवे ट्रैक पर क्यों पड़े होते हैं बड़े-बड़े पत्थर? इसे क्या कहते है?

क्या आपने कभी सोचा है कि रेलवे नेटवर्क का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्या है? जी हाँ, यदि आप रेलवे ट्रैक को इसका सही उत्तर मानते है तो यह बिलकुल सही है। लेकिन क्या आप यह जानते है की इसमें बड़े-बड़े पत्थरों को क्यों बिछाया जाता है? और इन्हे क्या कहते है? तो चलिए इस खबर में हम आपको बताते है इसे क्या कहते है।

रेलवे ट्रैक पर बिछाए जाने वाले इन पत्थरों को ट्रैक बैलेस्ट कहा जाता है। दरअसल ये पत्थर रेलवे ट्रैक पर क्यों बिछाए जाते हैं, इसके पीछे का कारण कुछ यूनिक और बहुत ही रोचक तथ्य को उजागर करता है। जानकारी के अनुसार इन ट्रैक बैलेस्ट का मुख्य काम यह होता है कि ये ट्रैक को स्थिर और सुरक्षित बनाए रखे। दरअसल ये नुकीले और बड़े पत्थर इसलिए रखे जाते है ताकि ट्रेनों के दबाव के कारण वे फिसलने नहीं पाए। दरअसल इनको बिछाने से ट्रेनों की गति को सुनिश्चित करने में मदद मिलती है और ट्रैक क्रैकिंग का खतरा कम होता है।

रेलवे लाइन का फिसलने का खतरा कम

साथ ही, ये पत्थर ट्रैक के पास घास-फूस, बिखरने वाली मिट्टी ये सब बारिश से ट्रैक को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। दरअसल जब बारिश होती है, तो ये पत्थर ट्रैक को पानी से दूर रखने में मदद करते हैं, जिससे रेलवे लाइन का फिसलने का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं इसके अलावा, ये पत्थर ट्रेनों के चलने के समय उत्पन्न होने वाली ध्वनि को भी नियंत्रित करते हैं। जानकारी के अनुसार इसपर जब ट्रेनें चलती हैं, तो इन पत्थरों की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से होने वाली कंपन को काफी हद तक रोका जा सकता है। जिससे यात्रियों को इसपर चलने में अधिक सुरक्षा मिलती है।

साइंटिफिक दृष्टिकोण?

वहीं यदि इसे एक साइंटिफिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो, दरअसल ट्रैक पर बिछाए जाने वाले ये पत्थर रेलवे लाइन के निर्माण और संचालन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसी से यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का आनंद मिलता है। वहीं इसके साथ ही, ये पत्थर कई तकनीकी परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे की ट्रैक की मरम्मत के समय, निर्माण करते समय यही ट्रैक का सहारा बनते है, और रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा को भी इनसे बढ़ावा मिलता है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी की इनके बिना, रेलवे सेवाओं का संचालन सम्भव नहीं हो सकता।

क्या हवाई जहाज में भी हॉर्न होता है?

विमान से आपने कई बार यात्रा किया होगा। विमान में कई ऐसी चीजें होती हैं जिसके बारे में हमें पता नहीं होता। विमान में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई खास चीजों का भी इस्तेमाल किया जाता है। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि विमान में हॉर्न क्यों होता है।

क्या हवाई जहाज में भी हॉर्न होता है?

जी हां, हवाई जहाज में भी हॉर्न होता है। जहाज का हॉर्न एक अलार्म की तरह होता है। इसके जरिए केबिन के सदस्य अन्य स्टाफ से संपर्क करते हैं। वहीं किसी भी समस्या के दौरान हॉर्न के जरिए ही अलर्ट किया जाता है। वहीं जब फ्लाइट टेक ऑफ होता है तो उस दौरान भी इसी हॉर्न के माध्यम से ग्राउंड स्टाफ को सूचित किया जाता है। वहीं विमान जब लैंड करता है तो प्लेन के बाहर काफी शोर होता है। इस शोर के कारण किसी को बुलाने के लिए काफी तेज आवाज लगानी होती है। हालांकि इस हॉर्न से सभी को पता लग जाता है। ऐसे में प्लेन में हॉर्न का होना काफी ज्यादा जरूरी होता है।

कई तरह के होते हैं हॉर्न

विमान के अंदर एक नहीं कई हॉर्न होते हैं। एक हॉर्न GND यानी ग्राउंड लिखा होता है। इसे दबाते ही अलर्ट का सूचना मिल जाता है। इसके अलावा विमान में ऑटोमैटिक हॉर्न होते हैं। जो किसी भी समस्या के आते ही खुद से अलर्ट देने लगते हैं।

उड़ते हुए प्लेन से निकलता है पानी

कई बार आपने देखा होगा कि प्लेन से पानी निकल रहा है। ये ड्रेन का पानी नहीं होता है। कई लोगों को लगता है कि यह ड्रेन का पानी है हालांकि यह एयर कंडीशनिंग सिस्टम की वजह से बनने वाले वाटर वेपर के जम जाने की वजह से पानी आता है और यह पानी प्लेन के नीचे निकलता दिखता है।

हवाई जहाज की गोल खिड़की का राज?

हवाई जहाज में ट्रैवल करने का अनुभव बहुत अलग होता है। बहुत से लोगों के लिए हवाई जहाज में बैठना एक सपने की तरह भी होता है। बता दें कि हवाई जहाज का स्ट्रक्चर बहुत दिलचस्प होता है। अगर आप किसी एरोप्लेन की खिड़की देखेंगे, तो वो भी गोल आकार की होती है। बहरहाल ऐसा क्यों होता है, इसके पीछे की वजह बहुत कम लोग जानते हैं।

हवाई जहाज की खिड़की क्यों होती है गोल

कतर एयरलाइंस की पायलेट प्रियंका बिष्ट बताती है, किसी भी हवाई जहाज के खिड़की पर आप गौर करेंगे तो समझ आएगा कि उसका कोना नहीं है। इसके पीछे एक अहम वजह। दरअसल खिड़की का कोना ना होने से प्रेशर नहीं बनता है। अगर हवाई जहाज की खिड़की में प्रेशर बनेगा तो वो चटक कर टूट जाएगी और सारी हवा हवाई जहाज के अंदर आ जाएगी। यह कुछ कारण हैं जिन्हें ध्यान में रखकर हवाई जहाज की शेप निर्धारित की जाती है।

पहले हवाई जहाज की खिड़की चोकोर क्यों होती थी?

हवाई जहाज की खिड़की का डिजाइन शुरुआत से गोल नहीं हुआ करता था। पर 1953 और 1954 के आसपास एक हादसा हुआ, जिस वजह से यह बिंदु सामने आया कि हवाई जहाज की चोकोर शेप यात्रियों की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। अगली बार जब भी यात्रा करेंगे आपको यह बात जरूर याद आएगी कि डिजाइनर ने हवाई जहाज की खिड़की के लिए गोल शेप क्यों चुनी।

हवाई जहाज की खिड़की पर क्यों होता है होल?

हवाई जहाज की गोल खिड़की पर एक छोटा सा होल भी दिया गया होता है। यह भी प्रेशर को देखते हुए ही दिया गया होता है। ऐसा ना होने पर भी हवाई जहाज का बैलेंस बिगड़ सकता है।

मार्शल आर्ट समर कैंप कल से

मनेंद्रगढ़। डिस्ट्रिक्ट कुडो एसोसिएशन एमसीबी के हेमलाल पनिका ने जानकारी देते हुए बताया कि 15 से 30 मई तक कुडो मार्शल आर्ट समर कैंप का आयोजन किया गया है। नगर के वार्ड क्र. 9 पेंड्रा दफाई में आयोजित समर कैंप में सुबह और शाम 6 से 7.30 बजे तक 5 वर्ष और इससे अधिक आयु वर्ग बालक-बालिका वर्ग को कैंप में बेसिक वार्मअप, स्ट्रेकिंग, थ्रोविंग, ग्रेपलिंग टेक्निक्स, बेल्ट टेस्ट एंड चेंपियनशिप का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

घोर लापरवाही और उदासीनता बरतने के कारण हटाए गए मनेंद्रगढ़ तहसीलदार

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। एमसीबी कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने 13 मई को आदेश जारी कर तहसीलदार एवं उप पंजीयक मनेंद्रगढ़ के पद पर पदस्थ यादवेंद्र कैवर्त को जहां मनेंद्रगढ़ तहसीलदार के पद से हटा दिया है वहीं उनकी सेवा पुस्तिका में राजस्व न्यायालय के प्रकरणों में लापरवाही उल्लेख किया जाना सुनिश्चित किए जाने निर्देशित किया है।

उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ शहरी एवं आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन क्रय-विक्रय की कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिनके निराकरण हेतु समय-समय पर कलेक्टर द्वारा निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में मनेंद्रगढ़ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र चैनपुर, चैघड़ा, चनवारीडांड, लालपुर, परसगढ़ी, डोमनापारा एवं भल्लौर में नगर तथा ग्राम निवेश से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना भूमि की क्रय-विक्रय की कार्यवाही किए जाने के संबंध में कलेक्टर से शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत के अनुक्रम में उप पंजीयक तहसीलदार मनेंद्रगढ़ यादवेंद्र कैवर्त को कलेक्टर द्वारा 30 अप्रैल 2025 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जवाब प्रस्तुत किए जाने के लिए निर्देशित किया गया। कारण बताओ सूचना पत्र के परिपालन में उप पंजीयक कैवर्त के द्वारा 5 मई 2025 को अपना जवाब प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत जवाब में संबंधित अधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया कि बिना नगर तथा ग्राम निवेश के एनओसी के पंजीयन की कार्यवाही की गई है, जिसे कलेक्टर न्यायालय द्वारा पारित आदेश का स्पष्ट उल्लंघन माना गया। कलेक्टर ने अपने आदेश में कहा कि यादवेंद्र कैवर्त जो तहसीलदार एवं उप पंजीयक मनेंद्रगढ़ के पद पर पदस्थ हैं, के द्वारा चुनाव कार्य की व्यस्तता एवं भूलवश, याददाश्त से हटने का कारण दशार्ना अत्यंत खेदजनक है साथ ही संबंधित अधिकारी के पदेन कार्यों के निर्वहन में निष्ठा पर भी संदेह उत्पन्न करता है। कलेक्टर ने यादवेंद्र कैवर्त उप पंजीयक मनेंद्रगढ़ के विरूद्ध छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम के तहत लघुशास्ति अधिरोपित करते हुए संबंधित को अपने पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के फलस्वरूप संबंधित की सेवा पुस्तिका में राजस्व न्यायालय के प्रकरणों में लापरवाही उल्लेख किया जाना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

अब श्रुति धुर्वे होंगी मनेंद्रगढ़ तहसीलदार

एमसीबी कलेक्टर ने आदेश जारी कर प्रशासकीय कार्य व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पदस्थ तहसीलदार, अधीक्षक एवं सहायक अधीक्षक भू अभिलेख के मध्य आगामी आदेश पर्यंत कार्यों का विभाजन किया है। यादवेंद्र कैवर्त सहायक अधीक्षक भू अभिलेख को तहसील मनेंद्रगढ़ से हटाकर अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा कार्यालय कलेक्ट्रेट में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार नागपुर तहसील में पदस्थ तहसीलदार श्रुति धुर्वे को तहसील मनेंद्रगढ़ एवं उप पंजीयक मनेंद्रगढ़ में पदस्थापना दी गई है। वहीं कलेक्ट्रेट में पदस्थ तहसीलदार उमंग जैन को नागपुर तहसील में पदस्थ किया गया है।

न्यूज गैलरी

समाज के लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना महासंघ की प्राथमिकता - रमेश

एसटी, एससी, ओबीसी महासंघ की बैठक संपन्न

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। एसटी, एससी, ओबीसी महासंघ जिला एमसीबी की बैठक दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़ में आयोजित गई जिसमें संगठन के विस्तार और महासंघ के उद्देश्यों पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के संयोजक अधिवक्ता रमेश चंद्र सिंह ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना महासंघ की विशेष प्राथमिकता होगी। महासंघ के प्रवक्ता रामनरेश पटेल ने समाज में व्याप्त सामाजिक समस्याओं एवं कुरीतियों के उन्मूलन पर जोर देकर उनके उन्मूलन की बात की। महासंघ के जिलाध्यक्ष शरण सिंह ने एमसीबी जिला के अधीन भरतपुर, खड़गवां और मनेंद्रगढ़ विकासखंड में त्वरित खंड कार्यकारिणी के गठन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने सभी संबंधितों को निर्देशित किया। इसी कड़ी में महासंघ की बैठक में ही मनेंद्रगढ़ ब्लाक का सर्वसम्मति से गठन किया गया, जिसमें ब्लाक अध्यक्ष पद के लिए गजराज सिंह कुसरो ग्राम पाराडोल, उपाध्यक्ष रामबसंत ग्राम लालपुर तथा सचिव छत्रपाल रवि ग्राम पिपरिया को नियुक्त किया गया। शेष कार्यकारिणी के विस्तार के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष ध्रुपद सिंह चैहान, भागवत सिंह मरावी, कौशिल्या सिंह, ललिता पाव, लालसाय बैगा, रामप्रसाद नगनिहा, सुजीत सिंह, सरोधन सिंह, नभाग सिंह, संतोष सिंह, महेंद्र सिंह, मदन सिंह, अमर सिंह, भूपेंद्र सिंह, अरविंद वैश्य, प्रीतम सिंह सहित बड़ी संख,या में सामाजिक जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परमेश्वर सिंह तथा आभार प्रदर्शन भागवत सिंह मरावी द्वारा किया गया।

होमगार्ड भर्ती लिखित परीक्षा अभ्यर्थियों को व्यापम के साइट पर 30 मई तक रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य

कोरिया बैकुंठपुर। होमगार्ड विभाग में १७१५ महिला नगर सैनिकों (छात्रावास ड्यूटी) तथा ५०० नगर सैनिकों (जनरल ड्यूटी) के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु वर्ष-२०२४ में शारीरिक मापजोख एवं दक्षता परीक्षा ०४ संभागीय केंद्रों में रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में आयोजित की गई थी। जिसमें पात्र कुल २०,१३७ अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के लिये चयनित किया गया है। चयनित सभी अभ्यर्थियों की सूची विभागीय वेबसाइट https:firenoc.cg-.gov.in पर उपलब्ध है। चयनित सभी अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के लिये छ.ग. व्यापम वेबसाइट https:\\vyapamcg.cgstate.gov.in के लिंक में जाकर पंजीयन करना अनिवार्य है। विभाग द्वारा आवंटित एप्लीकेशन आईडी एवं जन्मतिथि डालकर अभ्यर्थी छ.ग. व्यापम की वेबसाइट पर लिखित परीक्षा हेतु आवेदन करेंगे। व्यापम द्वारा पंजीयन नंबर पर ही लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र जारी किया जायेगा। जिन पात्र अभ्यर्थी द्वारा छ.ग. व्यापम के वेबसाइट में जाकर पंजीयन एवं आवेदन सबमिट नहीं किया जायेगा वे अभ्यर्थी लिखित परीक्षा से वंचित होंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अभ्यर्थी की स्वयं की होगी तथा इस संबंध में कोई पत्राचार स्वीकार नहीं होंगे। अभ्यर्थी द्वारा होमगार्ड विभाग के वेबसाइट पर पूर्व में जमा किये गये ऑनलाइन आवेदन पत्र में किसी भी तरह का सुधार या संशोधन किये जाने की अनुमति नहीं होगी। व्यापम की वेबसाइट पर आवेदन पत्र को सफलतापूर्वक सबमिट करना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा कार्यक्रम व्यापम वेबसाइट पर पंजीयन उपरांत ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की प्रारंभिक तिथि १६ अप्रैल से ३० मई २०२५ तक सायं ०५ बजे तक है। परीक्षा की संभावित तिथि २२ जून, परीक्षा का समय ०२ घंटे, प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि १३ जून २०२५ एवं परीक्षा केंद्र रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में होगा।

वन नेशन वन इलेक्शन देश के विकास में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका - जायसवाल

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के सुरभि पार्क में वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल रहे। उनके साथ मंच पर भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले, नगर निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा यादव, नपा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, नगर पंचायत नई लेदरी के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन व्यवस्था देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी। बार-बार चुनावों में शिक्षकों, पुलिस कर्मियों और राजस्व विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है जिससे बच्चों की शिक्षा, कानून व्यवस्था और नागरिक सेवाएं प्रभावित होती हैं। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि जनता के टैक्स का पैसा भी संरक्षित रहेगा, जिसे देश के आधारभूत ढांचे के विकास में लगाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि चुनावी खर्चों में कटौती से कई आवश्यक वस्तुएं सस्ती होंगी और इसका सीधा लाभ आम जनता को मिलेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले ने भी इस विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि यह पहल लोकतंत्र को मजबूत करने और संसाधनों के सदुपयोग की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि इससे शासन में स्थायित्व आएगा और विकास की गति तेज होगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज जैन संचेती, प्रदेश मंत्री संजीव ताम्रकार, अधिवक्ता गणेश अग्रवाल, कैलाश गोयल, आशीष सिंह, संजय सिंह सेंगर, जय चंद बोथरा, रमाकांत पढ़ियार, लक्ष्मी चंद केसरी सहित अनेक वक्ताओं ने विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

जिला परिवहन विभाग कोरिया की सड़क सुरक्षा और जनस्वास्थ्य की अभिनव पहल

कोरिया (छत्तीसगढ़) कोरिया जिला प्रशासन और परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी पहल शुरू की है, जो न केवल जिले के वाहन चालकों के लिए बल्कि समग्र सामाजिक कल्याण के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। इस अभियान के तहत १३ मई २०२५ को बंजारीडांड में आयोजित ११वां निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत किया। **अभियान का उद्देश्य और महत्व** - १ मई से २२ मई २०२५ तक चल रहे इस महा अभियान का प्रमुख उद्देश्य जिले के सभी वाहन चालकों की दृष्टि जांच सुनिश्चित करना है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कमजोर दृष्टि सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में यह अभियान न केवल चालकों के स्वास्थ्य की रक्षा करता है, बल्कि सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी अनिल भगत ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि जिले का कोई भी चालक दृष्टि संबंधी समस्याओं के कारण सड़क पर खतरा न बनें। यह शिविर स्वास्थ्य और सुरक्षा का संगम है।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने सुनवाई कर 4 प्रकरणों को किया नस्तीबद्ध

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में जिला गठन के बाद जिला स्तर पर मंगलवार को प्रथम सुनवाई एवं प्रदेश स्तर पर 312वीं सुनवाई की गई।

सुनवाई के दौरान बुजुर्ग महिला एथलिट्स शकुंतला सिंह 70 वर्ष, कमला देवी मंगतानी 67 वर्ष, संजीदा खातून 55 वर्ष एवं 12वीं की छात्रा श्रुति मंगतानी को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद प्रकरण की सुनवाई में आवेदिका ने बताया कि उसके पति द्वारा मारपीट कर घर से निकाल दिया गया है एवं भरण पोषण भी नहीं दिया जा रहा है। अनावेदक पहले चरचा कालरी में शासकीय नौकरी करता था। वह 2018 में रिटायर हुए, रिटायरमेंट के बाद उसे 40 लाख रुपये मिला था जिसमें से 18 लाख रुपये अपने नाती के नाम पर बैंक में जमा कर दिया है और अपनी पत्नी आवेदिका को घर से निकाल दिया है जो काफी बीमार है जिसे भरण-पोषण भी नहीं देता है। 65 वर्षीय आवेदिका अपनी बेटी के घर पर असहाय अवस्था में रह रही है। आवेदिका की 2 बेटियां उपस्थित रहीं। दोनों में आवेदिका के पक्ष में बयान दिया है और यह बताया है कि उनका पिता अनावेदक लगातार डंडे से मारपीट करता है और भरण-पोषण भी नहीं देता है। अनावेदक के पास 15 लाख रू. बैंक में जमा है। आयोग की समझाइश पर 5 लाख रूपए अपनी पत्नी को देने के लिए तैयार है। आगामी 15 मई 2025 को 5 हजार व 15 दिनों के अंदर 5 लाख रूपए अपनी पत्नी को देगा। इस प्रकरण में प्रोटेक्शन ऑफिसर वित्तबाला श्रीवास्तव को निगरानी के लिए नियुक्त किया गया है। अन्य प्रकरण में आवेदिका ने अनावेदक के ऊपर छेड़छाड़ की शिकायत की। आवेदिका के पिता स्व. रमेश कुमार की 2021 में मृत्यु हुई थी तब से पैतृक संपत्ति और पारिवारिक संपत्ति का कोई हक आवेदिका को नहीं मिला था और अनावेदक आवेदिका के पिता का ऋण-पुस्तिका अपने पास जबरदस्ती अपने पास रखा हुआ था। आयोग के समक्ष सुनवाई में अनावेदक ने आवेदिका के पिता स्व. रमेश कुमार के नाम पर 2.25 एकड जमीन कुल 6 खसरा नंबर में होने की जानकारी के साथ ऋण पुस्तिका क्रमांक 0052343 को आवेदिका को दिया जिसके दस्तावेज की छायाप्रति अभिलेख में संलग्न किया गया और मूल ऋण-पुस्तिका आवेदिका को प्रदान किया गया।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1002/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-बेला जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय बेला जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001008 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5 भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ त्वायत्त सहकारी अधिनियम 1999 के तहत पंजीकृत हो जितके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत बेला का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1004/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र -बेंदरकोना जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय बेंदरकोना जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001044 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत बेंदरकोना का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1006/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-धनगांव जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय धनगांव जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई डी नंबर 552001003 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है. 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5 भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1980 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत धनगांव का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1008/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-अजगरबहार जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय अजगरबहार जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001001 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत अजगरबहार का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1010/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-सोनगुढ़ा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय सोनगुढ़ा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001002 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत सोनगुढ़ा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1012/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-देवपहरी जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, निगमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय देवपहरी जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001011 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है :- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत देवपहरी का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1014/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-लेमरू जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय लेमरू जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001012 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियों/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5. भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत लेमरू का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा छत्तीसगढ़

क्रमांक/1016/अ.वि.अ./खाद्य/25
कोरबा दिनांक- 07/05/2025

// ईश्तहार //

ग्राम पंचायत क्षेत्र-सतरेंगा जनपद पंचायत कोरबा के सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश-2016 के प्रावधानों, नियमों एवं शर्तों के तहत ग्राम पंचायत मुख्यालय सतरेंगा जनपद पंचायत कोरबा जिला कोरबा में शासकीय उचित मूल्य दुकान शॉप आई.डी. नंबर 552001009 निम्नांकित एजेंसियों को आबंटित किया जाना है:- 1. ग्राम पंचायत 2. महिला स्व० सहायता समूह 3. प्राथमिक सहकारी साख समितियाँ/लेम्प समितियां 4. वन सुरक्षा समितियां 5 भूतपूर्व सैनिकों द्वारा गठित सहकारी समितियां 6. अन्य सहकारी समितियों जो छत्तीसगढ़ सहकारिता अधिनियम 1960 अथवा छत्तीसगढ़ स्वायत्त सहकारी अधिनियम-1999 के तहत पंजीकृत हो जिसके उद्देश्य में संबंधित कार्य का उल्लेख हो) एजेन्सियों का कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत सतरेंगा का होना अनिवार्य है।

उपर्युक्त एजेन्सियां कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी- कोरबा में दिनांक 21/05/2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निम्नांकित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते है:- 1. संस्था अथवा समिति का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति 2. संस्था अथवा समिति के पदाधिकारियों की सूची 3. संस्था अथवा समिति द्वारा खोले गये बैंक पासबुक की सत्यापित प्रति 4. वर्तमान में बैंक में उपलब्ध धनराशि का विवरण, आधार कार्ड, राशन कार्ड की सत्यापित प्रति,। दिनांक 21/05/2025 के पश्चात प्रस्तुत आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोरबा, (छ०ग०)

टोयोटा प्रमुख का इलेक्ट्रिक वाहनों के पर्यावरणीय प्रभाव पर सवाल, हाइब्रिड को बताया बेहतर विकल्प

नईदिल्ली ,13 मई । टोयोटा कंपनी के बड़े अधिकारी अकीओ टोयोडा ने आजकल इलेक्ट्रिक गाडि ?ों को लेकर कुछ जरूरी बातें कही हैं। उनका कहना है कि इलेक्ट्रिक गाडि ?ों को पूरी तरह से साफ-सुथरी नहीं माना जा सकता। इसकी वजह ये है कि इन गाड़ियों की बैटरी बनाने और उन्हें चार्ज करने के लिए जो बिजली चाहिए होती है, वो अक्सर ऐसी चीजों से बनती है जिनसे प्रदूषण होता है।

टोयोडा ने बताया कि इलेक्ट्रिक गाडि ?ों की बैटरी बनाने में लिथियम, कोबाल्ट और निकल जैसी धातुओं का इस्तेमाल होता है। इन धातुओं को जमीन से निकालने (माइनिंग) का काम पर्यावरण के लिए ठीक नहीं है। इसके अलावा, इन बैटरियों को बनाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में भी कार्बन गैस निकलती है, जो हवा को खराब करती है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सचिन तेंदुलकर का बड़ा बयान

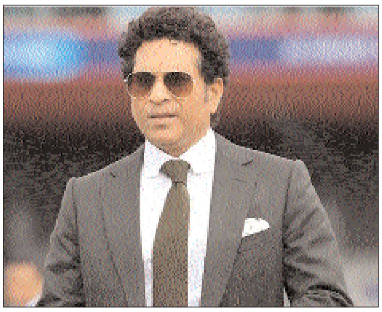

0-पीएम मोदी और तीनों सेना को किया सलाम

नई दिल्ली,13 मई। दुनिया के महान क्रिकेटरों में से एक सचिन तेंदुलकर ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत के रक्षा बलों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की. पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने पीएम मोदी, तीनों सेना और भारत की मजबूत आतंकवाद विरोधी नीति के साथ-साथ 1.4 बिलियन से अधिक देशवासियों की एकजुटता को लेकर दिल छू लेने वाली बात कही.

सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया के जरिए भारत के रक्षा बलों के साथ-साथ पीएम मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जारी ऑपरेशन सिंदूर के लिए तारीफ की. उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ऑपरेशन सिंदूर में 1.4 बिलियन से अधिक लोगों की टीम एकजुट होकर खड़ी हुई थी. दृढ़ संकल्प और संयम, टीम इंडिया! माननीय पीएम नरेंद्र मोदी जी और उनकी टीम और तीनों रक्षा बलों के अथक प्रयासों के नेतृत्व में सभी स्तरों पर उल्लेखनीय टीमवर्क. सीमावर्ती कस्बों और गांवों में रहने वाले बहादुर रक्षकों और हमारे नागरिकों का विशेष उल्लेख. जय हिंद!

सचिन के इस पोस्ट से पहले पाकिस्तान को आतंकवाद का जीता जागता उदाहरण बताते हुए पीएम मोदी ने सोमवार को देश की सख्त आतंकवाद विरोधी नीति को दोहराया, जो परमाणु ब्लैकमेल के बावजूद मजबूत जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है. राष्ट्र के नाम एक विशेष वीडियो संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, आतंक और बातचीत, आतंक और व्यापार तथा पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते. पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर ही होगी.

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गए. भारत के सशक्त एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया. पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जिस तरह से पाकिस्तान की सेना और वहां की सरकार आतंकवाद को पनपने में मदद कर रही है, उससे एक दिन पाकिस्तान खत्म हो जाएगा. अगर पाकिस्तान को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे को खत्म करना होगा.

बता दें कि, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने के साथ-साथ कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम करने वाले सचिन तेंदुलकर ने इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर के पीछे के प्रयासों की सराहना की थी. 7 मई को एक्स पर एक पोस्ट में तेंदुलकर ने लिखा था, एकता में निडर. शक्ति में असीम. भारत की ढाल उसके लोग हैं. इस दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है. हम एक टीम हैं!

3 खिलाड़ी जो इंग्लैंड दौरे पर ले सकते हैं विराट कोहली की जगह

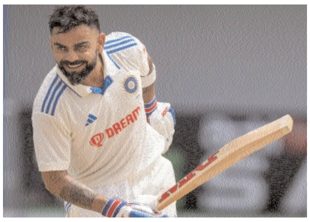

0-एक ने आईपीएल 2025 में मचाया गदर

नई दिल्ली,13 मई। भारत के दाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से भारतीय टीम में एक बड़ा खालीपन आ गया है. आने वाले महत्वपूर्ण इंग्लैंड दौरे के साथ, टीम इंडिया को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. सभी की निगाहें टेस्ट टीम में कोहली की जगह लेने वाले खिलाड़ी पर होंगी.

विदेशी दौरे के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज विराट कोहली का टेस्ट से संन्यास लेना भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर आया है. पिछले सप्ताह रोहित शर्मा के खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद टीम पहले से ही नए कप्तान की तलाश कर रही थी, और अब चयनकर्ताओं को ऐसे खिलाड़ियों को खोजना होगा जो टीम में कोहली की जगह ले सकें.

पूर्व भारतीय कप्तान किंग कोहली 2013 से हर इंग्लैंड दौरे पर गए हैं, लेकिन इस बार वे नहीं होंगे, और उनके अनुभव की कमी निश्चित रूप से भारतीय टीम को खलेगी. चयनकर्ताओं के लिए टीम में उनके रिप्लेसमेंट को ढूंढना एक बड़ी चुनौती होगी. इसी कड़ी में, हम आपको इस स्टोरी के जरिए 3 ऐसे खिलाड़ियों के बारे में बताने वाले हैं, जो भारत की टेस्ट टीम में उनकी जगह ले सकते हैं.

दाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर पिछले एक साल से खेल के सभी प्रारूपों में शानदार फॉर्म में हैं. उन्होंने पिछले रणजी सीजन में 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए और अंतिम चैंपियन विदर्भ के लिए 4 शतक और 2 अर्द्धशतक भी लगाए. नायर ने विदर्भ के लिए मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की और टेस्ट क्रिकेट में उनका तिहरा शतक भी लगभग 9 साल पहले इंग्लैंड के खिलाफ आया था. विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद नायर भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार हैं. घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बाद चयनकर्ताओं द्वारा उनका चयन किए जाने की पूरी संभावना है.

बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन की कॉम्पैक्ट तकनीक ने उन्हें अगले महीने इंग्लैंड जाने वाले फेवरेट खिलाडि ?ों में से एक बना दिया है. वे अपनी शानदार बल्लेबाजी से आईपीएल 2025 में धमाल मचा रहे हैं और उन्हें काउंटी क्रिकेट में सरे के लिए खेलने का अनुभव भी है. पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने केवल 4 पारियों में 304 रन बनाए थे, जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है. सुदर्शन की टेस्ट टीम में जगह बनाने की काफी ज्यादा संभावना दिख रही है और अगर उन्हें मौका मिलता है तो उन्हें मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है.

भारत के दाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने वनडे और आईपीएल में जिस तरह से शानदार प्रदर्शन किया है, उसके बाद टेस्ट टीम में उनकी वापसी की पूरी संभावना है. घरेलू क्रिकेट में उन्होंने जिस तरह की ट्रॉफियां जीती हैं, उसे देखते हुए वह अगले कप्तान बनने की रेस में भी शामिल हैं. उन्होंने आईपीएल 2025 में भी पंजाब किंग्स का अच्छा नेतृत्व किया और विराट कोहली के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद नेशनल टेस्ट टीम में वापसी के लिए एक अच्छे दावेदार हैं. अय्यर ने अब तक 14 टेस्ट खेले हैं और 36.86 की औसत से 811 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम 1 शतक और 5 अर्द्धशतक दर्ज हैं.

आईपीएल की नई तारीखों का ऐलान, 6 वेन्यू पर खेले जाएंगे सभी मैच, 3 जून को होगा फाइनल

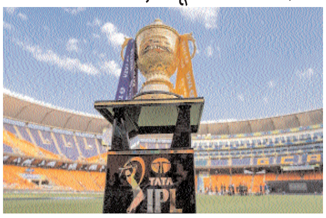

नईदिल्ली ,13 मई। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन के नए शेड्यूल का ऐलान बीसीसीआई द्वारा कर दिया गया है. आईपीएल 2025 की शुरूआत अब 17 मई से होने वाली है. इस टूनार्मेंट का फाइनल मैच अब 3 जून को खेला जाएगा. आईपीएल के सभी बाकी बचे हुए 17 मैच कुल 6 वेन्यू पर खेले जाएंगे.

आईपीएल ने अपने आधिकारी एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर आईपीएल के दोबारा शुरू होने की जानकारी दी है. बीसीसीआई ने इस संबध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में लिखा, भारत में क्रिकेट के लिए नियंत्रण बोर्ड बीसीसीआई टाटा आईपीएल 2025 को फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए प्रसन्न है. सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के साथ व्यापक परामर्श के बाद और सभी प्रमुख हितधारकों के साथ बोर्ड ने शेष सत्र के साथ आगे बढ ? का फैसला किया है.

टूनार्मेंट 17 मई 2025 से शुरू होने वाला है. 6 स्थानों पर कुल 17 मैच खेले जाएंगे और 3 जून 2025 को फाइनल में समापन किया जाएगा. नए शेड्यूल में दो डबल-हेडर शामिल हैं जो दो रविवारों को खेले जाएंगे. इसके साथ ही प्लेऑफ और क्वालीफायर्स का भी समय और तारीख बदले गए हैं लेकिन प्लेऑफ के वेन्यू की घोषणा बाद में करने के बारे में कहा गया है.

इसके साथ ही बीसीसीआई इस अवसर को एक बार फिर से भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और लचीलापन को सलाम करने का अवसर लेता है जिनके प्रयासों ने क्रिकेट की सुरक्षित वापसी को सक्षम किया है. बोर्ड लीग के सफल समापन को सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय हित के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है.

छोटी खबरें

विराट इंग्लैंड सीरीज की तैयारी कर रहे थे, कोहली के टेस्ट संन्यास पर दिल्ली के कोच का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली,13 मई। भारत के पूर्व स्पिनर और दिल्ली के रणजी ट्रॉफी कोच सरनदीप सिंह ने कहा है कि वह विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से हैरान हैं. सरनदीप ने फरवरी में नई दिल्ली में अपने आखिरी रेड-बॉल मैच के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान के साथ हुई आखिरी बातचीत का विवरण दिया. सरनदीप ने दावा किया कि कोहली ने उनसे कहा था कि वह इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी कर रहे हैं और जून में इंडिया ए के साथ अभ्यास मैचों में खेलने के लिए भी तैयार हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के कुछ हफ्ते बाद कोहली ने फरवरी में अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ दिल्ली के लिए खेला. हालांकि, पूर्व भारतीय कप्तान के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले ने कई लोगों को हैरान कर दिया. इससे पहले मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि कोहली ने बीसीसीआई को सूचित किया था कि वह संन्यास लेना चाहते हैं, लेकिन बोर्ड ने उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था.

उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं, उनके क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट से संन्यास लेने का कोई संकेत नहीं था क्योंकि वह लाल गेंद वाली क्रिकेट खेलने आ रहे हैं, इसलिए उनके मन में ऐसा कुछ नहीं था. उस समय भी वह इंग्लैंड सीरीज के बारे में बात कर रहे थे, जिसमें आने वाले टेस्ट मैच शामिल हैं. उन्होंने कहा, वह वहां खेलने जा रहे थे. और इस बार, वह पूरी तरह से तैयार थे. वह अधिकतम शतक बनाने जा रहे थे, जो उन्होंने पिछली बार 2018 में इंग्लैंड जाकर बनाया था. उन्होंने वहां बहुत रन बनाए हैं. सरनदीप सिंह ने कहा, वह इंग्लैंड दौरे के लिए भी अच्छी तरह से तैयार थे. इसलिए, जब रणजी ट्रॉफी मैचों की बात आती है तो ऐसा कुछ नहीं है. आने वाले समय में, वह इसके लिए उत्सुक थे. इसलिए, मुझे नहीं पता. फिर भी, हमने सोचा कि हम उन्हें इंग्लैंड दौरे पर देखेंगे. वह सबसे सीनियर खिलाडि ?ों में से एक हैं. इंग्लैंड दौरा विशेष रूप से कठिन है. इसलिए, मुझे नहीं पता कि उनके बिना, भारतीय टीम अब कैसे मैनेजमेंट करेगी. बता दें कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है. भारत 20 जून से 4 अगस्त तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने दो अनुभवी बल्लेबाजों के बिना खेलेगा. रिपोर्टों के अनुसार, शुभमन गिल सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि ऋषभ पंत उनके डिप्टी होंगे.

ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम की घोषित

नई दिल्ली ,13 मई। ऑस्ट्रेलिया ने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स के मैदान पर खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने खेले जाने वाले इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की कमान पैट कमिंस संभालेंगे. वहीं, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और स्टार ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है. ये तीनों खिलाड़ी लॉर्ड्स में होने वाले महामुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापस आ गए हैं, जहां ऑस्ट्रेलिया 2023 में भारत के खिलाफ ओवल में जीती गई विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की गदा को बचाने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगा. कमिंस और हेजलवुड चोट के कारण श्रीलंका में ऑस्ट्रेलिया की पिछली टेस्ट सीरीज से चूक गए थे, जबकि ग्रीन पीठ की सर्जरी से उबरने के बाद 12 महीने से अधिक समय में अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं. ऑस्ट्रेलिया की टीम अनुभव से भरपूर है और इस मुकाबले के लिए पूरी ताकत से तैयार है. टीम में कमिंस के साथ मिशेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाज शामिल हैं,

---------------------------- फिल्म ----------------------------

आपका फोन बन चुका है अब वर्कस्टेशन, क्या 2025 फ्लैगशिप किलर रियलमी जीटी7 सीरीज बैटरी डिमांड को कर पाएगी पूरा?

नई दिल्ली ,13 मई । स्मार्टफोन आने के बाद से ही ये डिवाइस हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बना गया है। जहां पहले फोन का इस्तेमाल कॉल और मैसेज के लिए होता था, अब यह यूजर के लिए पर्सनल सिनेमा, एक मोबाइल गेमिंग कंसोल और इनसे बढ़कर एक प्रोडक्टिविटी हब में बदल गया है।

स्मार्टफोन की स्क्रीन अब बड़ी होने के साथ ही ब्राइटर और स्मूदर हो गई हैं, जिससे हम हाई-डेफिनेशन में कंटेंट को स्ट्रीम कर पा रहे हैं, ग्राफिक्स-हेवी गेम्स खेल पा रहे हैं और अलग-अलग ऐप्स पर मल्टीटास्किंग परफॉर्म कर पा रहे हैं।

डिस्प्ले एक्सपीरियंस तो समय के साथ बेहतर हुआ लेकिन बैटरी लाइफ को लेकर बड़ा बदलाव नहीं रहा। हमारा फोन का इस्तेमाल जितना बढ़ता जा रहा है, उतनी ही तेजी से हमारे फोन की बैटरी खत्म होती जाती है।

अपकमिंग 2025 फ्लैगशिप किलर रियलमी जीटी7 सीरीज के साथ रियलमी फोन के रफ-टफ और ज्यादा इस्तेमाल होने के बाद भी बेहतर परफॉर्मेंस को लेकर स्मार्टफोन की बैटरी जारी रहने के नियमों को फिर से लिख रहा है। कंपनी के इस फ्लैगशिप फोन में 7000 एमएएच की बड़ी बैटरी है, जिसे 120 वॉट अल्ट्राडार्ट चार्जर के साथ पेयर किया गया है। यह फोन ऐसी जनरेशन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो अपना अधिक से अधिक समय स्क्रीन पर बिताती है। यह फोन लंबे समय तक बिना किसी रुकावट के चलते रहने को लेकर खास है।

जीटी7 को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि आप घंटों डिस्प्ले-हेवी यूज के बाद भी अपने फोन में लगभग आधी बैटरी को बचा पाएंगे।

आजकल के स्मार्टफोन केवल कॉल्स और ब्राउजिंग भर के लिए नहीं हैं, ये डिवाइस अब आपका एंटरटेनमेंट हब और पावर टूल है। लेकिन यह पावर भी एक कीमत के साथ आती है। हाई-रिफ्रेश रेट ओएलईडी, रियल टाइम 5जी और परफॉर्मेंस हंग्री ऐप्स लगातार बैटरी का इस्तेमाल करती हैं और हर किसी के लिए दिनभर में एक बार फोन चार्ज करना रूटीन का हिस्सा बन गया है।

जीटी7 नैरेटिव को बदल देता है। फोन की रियल-वर्ल्ड टेस्टिंग दिखाती है कि फोन के पूरे दिन लगातार इस्तेमाल के बाद भी इसमें 50 प्रतिशत तक बैटरी बच जाती है। आप फोन पर कुछ तरह विश्वास कर सकते हैं कि चार्जिंग आपके लिए डेली चेकपॉइंट के बजाय एक बैकग्राउंड टास्क बन जाएगा।

जीटी7 में इंडस्ट्री-फर्स्ट इनोवेशन पेश किए गए हैं, जो पावर मैनेजमेंट को फिर से परिभाषित करता है। एक स्मार्ट सिस्टम जो हर प्रतिशत के साथ आपके फोन का बेहतर इस्तेमाल करना सिखाता है।

एक्सिस बैंक और लक्ष्य शूटिंग क्लब मिलकर नवी मुंबई में बनाएंगे धांसू शूटिंग सेंटर

नागपुर ,13 मई । देश के बड़े प्राइवेट बैंकों में से एक एक्सिस बैंक अब खेलों को बढ़ावा देने के लिए आगे आया है। उन्होंने लक्ष्य शूटिंग क्लब के साथ मिलकर नवी मुंबई में एक शानदार शूटिंग सेंटर बनाने का फैसला किया है। इस सेंटर का नाम होगा 'एक्सिस बैंक लक्ष्य शूटिंग क्लब हाई परफॉर्मेंस सेंटरइ (एचपीसी)।

समझौते पर एक्सिस बैंक के बड़े अधिकारी विजय मुलबागल और लक्ष्य शूटिंग क्लब की चेयरमैन, सुश्री सुमा शिरूर ने साइन किए। सुमा शिरूर खुद एक ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता हैं और उन्होंने भारतीय निशानेबाजी टीम को पेरिस ओलंपिक 2024 में मेडल जीतने के लिए ट्रेनिंग भी दी है। यह खास शूटिंग सेंटर उन नए खिलाडि ?ों के लिए बहुत काम का होगा जो शूटिंग में अपना नाम करना चाहते हैं। यहां उन्हें वर्ल्ड क्लास की सुविधाएं मिलेंगी, बढि ?ा ट्रेनिंग प्रोग्राम मिलेंगे और साथ ही कई तरह की एक्टिविटीज भी होंगी जिनसे वे जुड़ सकेंगे।

इस सेंटर का मकसद ओलंपिक लेवल के टॉप शूटर्स तैयार करना है और एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना है जहां हर किसी को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिले। एक्सिस बैंक और लक्ष्य शूटिंग क्लब मिलकर चाहते हैं कि भारत निशानेबाजी के खेल में दुनिया में टॉप पर आए। इस सेंटर में क्या-क्या होगा? यहां एयर राइफल, एयर पिस्टल और 50 मीटर राइफल के लिए दो एकदम नए शूटिंग रेंज होंगे। इसके अलावा एक ऐसा सेंटर भी होगा जहां खिलाडि ?ों की परफॉर्मेंस का एनालिसिस किया जाएगा, उन्हें चोटों से बचाया जाएगा और रिकवरी में मदद मिलेगी।

खिलाडि ?ों के दिमाग और भावनाओं को मजबूत करने के लिए एक स्पोर्ट्स साइकोलॉजी यूनिट भी होगी। इतना ही नहीं, दूर से आने वाले खिलाडि ?ों और कोच के रहने के लिए कमरे और ट्रेनिंग की दूसरी सुविधाएं भी होंगी। उम्मीद है कि इस सेंटर में हर साल 400 से ज्यादा खिलाड़ी आएंगे, जिनमें रहने वाले और बाहर से आने वाले दोनों शामिल होंगे।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला, आईटी शेयरों में बिकवाली

मुंबई ,13 मई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में खुला। शुरूआती कारोबार में आईटी शेयरों में बिकवाली देखने को मिल रही है।

सुबह 9:40 पर सेंसेक्स 605.74 अंक या 0.73 प्रतिशत गिरकर 81,824.15 और निफ्टी 140.55 अंक या 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,777 पर था।

आईटी शेयरों में दबाव के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.14 प्रतिशत की गिरावट थी। इन्फोसिस 2 प्रतिशत, एचसीएल टेक 1.63 प्रतिशत, विप्रो और टीसीएस में 1.3 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा था।

इससे अतिरिक्त एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, प्राइवेट बैंक, इन्फ्रा और सर्विसेज इंडेक्स लाल निशान में थे। वहीं, मीडिया, एनर्जी, फार्मा और पीएसयू बैंक इंडेक्स हरे निशान में थे।

चॉइस ब्रोकिंग के डेरिवेटिव एनालिस्ट, हार्दिक मटालिया ने कहा, नकारात्मक शुरूआत के बाद निफ्टी के 24,800 पर सपोर्ट मिल सकता है। अगर यह टूटता है तो 24,700 और 24,500 अहम सपोर्ट स्तर होंगे। वहीं, तेजी की स्थिति में 25,000, 25,100 और 25,200 रुकावट के स्तर हैं

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 154 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 55,570 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 85 अंक या 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,856 पर था।

सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और टेक महिंद्रा टॉप गेनर्स थे। इटरनल, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल टॉप लूजर्स थे।

अधिकांश एशियाई शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। टोक्यो, बैंकॉक, सियोल और शंघाई में सबसे अधिक तेजी थी। हालांकि, हांगकांग लाल निशान में था।

अमेरिकी बाजार सोमवार को हरे निशान में बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के मुख्य इंडेक्स डाओ में 2.81 प्रतिशत और टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डैक में 4.35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

कांग्रेस विधायक ने स्कूल भवन मरम्मत कार्य के भ्रष्टाचार की जांच के लिए राज्य सरकार को लिखा पत्र

बीजापुर। जिले के कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने जिले में स्कूल भवनों के मरम्मत कार्य में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते हुए कलेक्टर, बीजापुर को पत्र लिखा है। विधायक विक्रम मंडावी ने मंगलवार को बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने जिले के 84 प्राथमिक, माध्यमिक और हाई स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए प्रति भवन 80 हजार रुपये की दर से कुल 72 लाख 40 हजार रुपये स्वीकृत किए थे। यह कार्य जिला शिक्षा अधिकारी, बीजापुर के माध्यम से कराया जाना था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और मीडिया के माध्यम से यह जानकारी सामने आई है कि कई स्कूल भवनों का मरम्मत कार्य अधूरा होने के बावजूद पूरी राशि के आहरण का दबाव बनाया जा रहा है। विधायक ने आरोप लगाया कि मरम्मत कार्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कलेक्टर से इस मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

न्यूज गैलरी

सीबीएसई 12 के नतीजे घोषित, रायपुर की पूर्वी 97.4 अंको के साथ शीर्ष पर

रायपुर। मंगलवार को सीबीएसई ने 12 वीं बोर्ड के नतीजे घोषित कर दिये। घोषित परीणामों में छत्तीसगढ के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया और सफलता का प्रतिशत 82.17 प्रतिशत रहा। इस बार भी छात्राएं छात्रों से आगे रही। रायपुर की पूर्वी नितेश पटेल 97.4 प्रतिशत अंको के साथ छत्तीसगढ की टॉपर बनी वहीं कबीर नगर के आदित्य प्रकाश गिरी को 92.89 प्रतिशत अंक, अश्वनी नगर, रायपुर के सिद्धार्थ शर्मा को 92.4 प्रतिशत अंक और रायपुर की वेदिका गर्ग को 91.20 प्रतिशत अंक मिले हैं। भिलाई के अधिमय सोनी ने 91.8 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप 20 में शामिल हैं। छत्तीसगढ़ से सीबीएसई 12वीं की परीक्षा के लिए 31,911 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इनमें से 31,711 छात्र ने परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 16,696 लड़के और 15,015 लड़कियां शामिल थीं।

परीक्षा में कुल 26,057 स्टूडेंट्स पास हुए। इनमें 13,344 लड़के पास हुए और 12,713 लड़कियों ने परीक्षा पास की पिछले सालों की तरह इस बार भी लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से बेहतर रहा।लड़कों का पास प्रतिशत - 79.92 प्रतिशत लड़कियों का पास प्रतिशत - 84.67 प्रतिशत।

कोरबा जिला अस्पताल से ऑपरेशन के बाद मरीज लापता, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला चिकित्सा अस्पताल में एक बार फिर गंभीर लापरवाही का मामला उजागर हुआ है, जहां आंतों के ऑपरेशन के बाद भर्ती एक मरीज अचानक लापता हो गया। यह घटना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की गंभीर चूक को दर्शाती है। मिली जानकारी के अनुसार, मोहम्मद अकबर नामक मरीज का १२ मई को पेट की आंतों का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन सफल होने के बाद उन्हें दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। मरीज की बहन ने बताया कि वह दवाई लेने अस्पताल परिसर से बाहर गई थी, लेकिन जब वह वापस लौटी तो मरीज अपने बेड पर नहीं मिला। परिजनों ने तुरंत अस्पताल स्टाफ, डॉक्टरों और सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ की, लेकिन किसी के पास मोहम्मद अकबर की कोई जानकारी नहीं थी। अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे होने के बावजूद मरीज के अचानक गायब हो जाने की घटना ने प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यह स्पष्ट करता है कि मरीजों की देखरेख और निगरानी में भारी चूक हुई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि अस्पताल प्रशासन ने शुरूआत में गंभीरता नहीं दिखाई, जिससे स्थिति और बिगड़ती गई। परिजनों ने जिला प्रशासन से तत्काल जांच की मांग की है और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। इस घटना से साफ है कि जिला अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था महज दिखावा बन कर रह गई है। यदि समय रहते जरूरी सुधार नहीं किए गए, तो मरीजों की जान और सुरक्षा के साथ ऐसे ही खिलवाड़ होते रहेंगे।

प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण निराकरण ही असल सुशासन तिहार - श्रीमती चंदन त्रिपाठी

जिले में व्यापक पौधरोपण अभियान के लिए मैदानी स्तर पर आवश्यक तैयारी के निर्देश

राजस्व और खाद्य विभाग को समय सीमा में लंबित आवेदनों पर जल्द कार्यवाही के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - संयुक्त कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आम नागरिकों की समस्याओं और मांगों को निराकृत करने के लिए सुशासन तिहार, विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल, जनदर्शन आदि में प्राप्त आवेदन पत्रों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होने बैठक में जिला स्तरीय समस्त विभागीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा सुशासन के महती उद्देश्य को लेकर पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक विभाग प्रमुख सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त प्रत्येक आवेदन पत्र का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। राजस्व विभाग और खाद्य विभाग में लंबित आवेदन पत्रों के निराकरण की कम संख्या को देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होने निर्धारित समय सीमा में सभी आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के निराकरण में प्रगति काफी कम है। राज्य स्तर पर इसकी निगरानी की जा रही है। इसलिए सभी राजस्व अधिकारी प्राथमिकता से अपने न्यायालयों में निरंतर दर्ज मामलों की सुनवाई सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक सुनवाई को ऑनलाइन दर्ज करें। जिले में गिरते भूजल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि जल संरक्षण के लिए आवा पानी झोंकी अभियान को जन जन ले जाने और इसके लिए जागरूकता से संरचनाएं बनाने के लिए प्रत्येक ग्राम स्तर पर कार्य कराए जाएं। जिले में इस वर्ष व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान क्रियान्वित किया जाना है। इसके लिए वन विभाग, राजस्व और पंचायत विभाग को सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि बेटी संग पांच पौधे, एक पेड़ मां के नाम और मियावाकी पद्धति से होने वाले प्लांटेशन के लिए महिलाओं की सहभागिता हेतु उन्होने कार्ययोजना बनाकर समस्त आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। पौधारोपण अभियान चलाए जाने पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला कर बारिश से पहले सभी तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए। महिलाओं को इस अभियान में शामिल करने के लिए ग्राम पंचायत में युवतियों को और गर्भवती महिलाओं को एक एक पौधे लगाने और हर बेटी के जन्म पर पांच पौधे लगाए जाने हेतु मैदानी स्तर पर पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए। समय सीमा की बैठक में उन्होने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सभी जगहों पर सिकल सेल में ज्यादा से ज्यादा लोगों की जांच करने, चिकित्सालयों में डाक्टरों की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। पोषण पुनर्वास केंद्रों में बच्चों की सदैव शत-प्रतिशत उपस्थिति बनाए रखने तथा आंगनबाड़ी स्तर पर पोषण हेतु लड्डू वितरण की निरंतर निगरानी करने के निर्देश भी दिए। पालतू पशुओं के टीकाकरण को गति देने के निर्देश देते हुए श्रीमती चंदन ने कहा कि बारिश से पहले ही सभी पशुओं का टीकाकरण कार्य अनिवार्य तौर पर पूरा करें। शहरी क्षेत्र में बन रहे सभी प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होने दोनों नगरपालिका अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से भ्रमण कर हितग्राहियों से संवाद करने और बारिश के पूर्व सभी आवास जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। महतारी वंदन योजना में लंबित ई के वाई सी शत प्रतिशत करने के निर्देश देते हुए उन्होने अलग अलग शिकायत पोर्टल पर लंबित आवेदनों के निराकरण की भी समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस बैठक में जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर अरुण मरकाम, डी डी मण्डावी, एसडीएम, जनपद सीइओ सहित समस्त विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

बल्दाकछार में मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर त्वरित अमल, महानदी तटबंध निर्माण और हाई मास्ट लाइट लगाने शुरू हुई कार्यवाही

00 सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री के दौरे का असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 9 मई को सुशासन तिहार के दौरान ग्राम बल्दाकछार में की गई घोषणाएं अब धरातल पर उतरने लगी हैं। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप जिला प्रशासन ने तीव्रता से कार्यवाही करते हुए संबंधित विभागों को तत्काल सर्वे एवं योजना निर्माण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देशन में आज जल संसाधन विभाग और क्रेड़ा विभाग के अभियंताओं की टीम बल्दाकछार पहुंची। टीम ने दो अहम कार्योंकृमहानदी तट पर तटबंध निर्माण और ग्राम में हाई मास्ट लाइट की स्थापना के लिए सर्वे की प्रक्रिया प्रारंभ की।

बाढ़ से सुरक्षा के लिए पक्का तटबंध

हर वर्ष महानदी की बाढ़ से कटाव झेल रहे बल्दाकछार गांव के लिए राहत भरी खबर है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, ग्राम को कटाव से सुरक्षित रखने के लिए महानदी के दाएं तट पर पक्के तटबंध का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। प्रारंभिक सर्वे के अनुसार, लगभग डेढ़ किलोमीटर लम्बाई में 5 मीटर स्लांट हाइट के साथ सीमेंट-कांक्रीट संरचना बनाई जाएगी, जिससे कटाव को रोका जा सकेगा। इस कार्य की अनुमानित लागत 888 लाख रुपये है।

गांव में रोशन होगा अंधेरा: हाई मास्ट लाइट योजना - मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल करते हुए क्रेड़ा विभाग ने भी ग्राम में हाई मास्ट लाइट लगाने हेतु स्थल का चयन कर लिया है। इंजीनियरों ने सरपंच व ग्रामीणों के साथ मिलकर गुड़ी चौक और कमारपारा को उपयुक्त स्थल माना है। संबंधित प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

जनता की आवाज पर संवेदनशील निर्णय - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के दौरान बल्दाकछार में आकस्मिक निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों की समस्याएं सुनी थीं। जनता की प्राथमिकताओं को समझते हुए उन्होंने त्वरित घोषणाएं कीं और अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए थे। अब प्रशासन द्वारा किए जा रहे तत्पर प्रयास इस बात का प्रमाण हैं कि मुख्यमंत्री की घोषणाएं महज औपचारिकता नहीं, बल्कि कार्य रूप में परिणित हो रही हैं। बल्दाकछार में शुरू हुई ये पहल न केवल गांव की सुरक्षा और विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह शासन की संवेदनशीलता और जवाबदेही का भी प्रमाण है। जनता से किये वादों को त्वरित अमल में लाकर शासन ने यह सिद्ध किया है कि छत्तीसगढ़ में सुशासन अब केवल शब्द नहीं, एक साकार होती प्रक्रिया है।

मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें - डेका

00 राज्यपाल से परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के महानिदेशक श्री सुब्रत साहू के नेतृत्व में वर्ष 2024 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल श्री डेका ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और कहा कि अपना कर्तव्य भली-भांति निभाते हुए देश और समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दें साथ ही अपने अधीनस्थों के प्रति भी संवेदनशील रहें। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, संचालक छत्तीसगढ प्रशासनिक अकादमी श्री टी सी महावर, प्रशिक्षण निदेशक श्रीमती सीमा सिंह सहित परिवीक्षाधीन अधिकारी श्री फड़तरे अनिकेत अशोक सहायक कलेक्टर जशपुर, श्री अरविंद कुमारन टी. सहायक कलेक्टर बिलासपुर, श्री अक्षय डोसी सहायक कलेक्टर रायगढ़, श्री क्षितिज गुरभेले सहायक कलेक्टर कोरबा और श्री विपिन दुबे सहायक कलेक्टर जिला बस्तर उपस्थित थे।

नवा रायपुर में जनजातीय संग्रहालय का मुख्यमंत्री साय आज करेंगे शुभारंभ

रायपुर। नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर प्रदेश के जनजातीय शैली, संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित संग्रहालय लगभग 9 करोड़ रूपए की लागत से बनकर तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 14 मई को इस संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे। आदिम जाति विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संग्रहालय में डिजीटल एवं एआई तकनीक के माध्यम से जनजातीय संस्कृति का भी प्रदर्शन किया गया हैं। क्यूआर कोड स्कैन करते ही सम्बंधित झांकी की सम्पूर्ण जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों नवनियुक्त छात्रावास अधीक्षक को नियुक्ति प्रमाण-पत्र भी प्रदान करने साथ ही प्रयास आवासीय विद्यालय के जेईई मेंस 2025 में क्वालिफाई करने वाले छात्रों का सम्मान भी किया जाएगा। गौरतलब है कि जनजातीय संग्रहालय में कुल 14 गैलरियां हैं, जिनमें जनजातीय जीवनशैली के सभी पहलुओं का बहुत ही खूबसूरत ढ़ंग से जीवंत प्रदर्शन किया गया है। इनमें जनजातियों के भौगोलिक विवरण, तीज-त्यौहार, पर्व-महोत्सव तथा विशिष्ट संस्कृति, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, वस्त्र (परिधान) एवं आभूषण, कृषि

तकनीक एवं उपकरणों, जनजातीय नृत्य, जनजातीय वाद्ययंत्रों, आग जलाने, लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई (पौधों से बीज अलग करना), कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणो व परंपरागत तकनीकों, को दशार्या गया हैं। वहीं सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत अबुझमाडिया में गोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला इत्यादि, जनजातीय में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि का एवं अंतिम गैलरी में विषेष रूप से कमजोर जनजाति समूह यथा अबूझमाडिया, बैगा, कमार, पहाड़ी कोरवा, बिरहोर एवं राज्य शासन द्वारा मान्य भुंजिया एवं पण्डो के विशेषीकृत पहलुओं का प्रदर्शन किया गया है।

ग्राम कुकरीकाडन की दुर्दशा- बुनियादी सुविधाओं से वंचित ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा जिले के जनपद पंचायत पोंडी उपरोड़ा अंतर्गत आने वाला ग्राम कुकरीकाडन आज भी बुनियादी सुविधाओं से कोसों दूर है। कटोरीनगोई, मेरई और रावा ग्राम पंचायत क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले इस गांव में सैकड़ों लोग निवास करते हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि २१वीं सदी में भी यहां बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत आवश्यकताएं नहीं पहुंच सकी हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आज तक बिजली का कोई कनेक्शन नहीं है। वहीं, पीने के पानी के लिए लोगों को गर्मियों में २ हजार रुपये देकर एक ट्रैक्टर पानी मंगवाना पड़ता है। प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भरता और उनकी घटती क्षमता ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। इलाज के नाम पर भी ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र कटोरीनगोई स्थित है, जो गांव से लगभग ४० किलोमीटर दूर है। आपातकालीन स्थिति में मरीजों को खटिया पर उठाकर जंगल के संकरे पगडंडी रास्तों से ६ किलोमीटर तक पैदल ले जाना पड़ता है। यह रास्ता न केवल दुर्गम है, बल्कि जंगली जानवरों के खतरे से भी भरा हुआ है। ग्रामीणों को हर महीने उचित मूल्य की दुकान से राशन लाने के लिए भी यही जोखिम भरा जंगल मार्ग अपनाना पड़ता है। ग्रामीणों की एकमात्र मांग है कि जंगल से होकर गुजरने वाली पगडंडी को पक्की सड़क में तब्दील किया जाए, जिससे जीवन को थोड़ी राहत मिल सके। ग्रामीणों ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत से मांग की है कि ग्राम कुकरीकाडन की बदहाली को गंभीरता से लेते हुए यहां जल्द से जल्द बिजली, पानी, स्वास्थ्य और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। वर्षों से प्रशासनिक उपेक्षा झेल रहे इस गांव की सुध लेना अब नितांत आवश्यक हो गया है।

आपके घर के अचार सी खुश्बू और स्वाद लिए कोरिया पिकल अब बाजार में उपलब्ध

कोरिया बैकुंठपुर - जिला प्रशासन कोरिया द्वारा जिले में स्व सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्थापित वोकल फार लोकल की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं को देशी उत्पाद बनाने के लिए आवश्यक मदद और संसाधन देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्व सहायता समूह की महिलाओं को चयन कर उनके कौशल का विकास कर ऐसे उत्पाद निर्माण कार्यों में संलग्न किया जा रहा है जिससे वह लखपति दीदी की श्रेणी में आ सकें और उनका आर्थिक स्वावलंबन निर्धारित हो सके। इस कड़ी में आज कोरिया जिले में स्व सहायता समूह की दीदियों ने केमिकल फ्री अचार बाजार में उपलब्ध करा दिया है। इसका औपचारिक शुभारंभ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने किया।

क्या है कोरिया पिकल - कोरिया जिले में दो जगहों पर कोरिया पिकल नामक देशी अचार उत्पाद निर्माण की इकाईयों को प्रारंभ किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंदिया में यह कार्य आरंभ हो चुका है और सोनहत जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत घुघरा में यह अचार निर्माण इकाई प्रगतिरत है। ग्राम पंचायत छिंदिया की जागृति महिला समूह की १२ दीदियों ने मिलकर कोरिया पिकल के ब्रांड नेम से अचार उत्पाद बनाना आरंभ किया है।

कोरिया पिकल क्यों है खास - समूह की दीदियों ने बताया कि वह देशी तरीके से मसालों का और तेल का उपयोग कर स्वादिष्ट अचार निर्माण कर रही हैं। इसके निर्माण में उन्होने किसी भी तरह का केमिकल या बाजार से रसायन का उपयोग नहीं किया है। उनका यह स्वदेशी अचार पूरी तरह से देशी पद्धति से तैयार किया गया है। जिसके शुद्धता की शत प्रतिशत गारंटी है। समूह की सदस्यों ने बताया कि प्रथम चरण में उनके द्वारा आम, इमली, कटहल, मिर्च-अदरक के छह प्रोडक्ट मार्केट में उतारे गए हैं।

मिलेटस कैफे में उपलब्ध - अचार निर्माण करने वाले जागृति महिला स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती नीलम ने बताया कि अब तक उन्होने दस क्विंटल कोरिया पिकल तैयार कर लिया है और यह कांच के जार की आकर्षक पैकिंग में तैयार है। आम नागरिक केमिकल फ्री कोरिया पिकल को मिलेटस कैफे से न्यूनतम कीमत पर प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही यह उत्पाद आने वाले एक सप्ताह में मुख्यालय के सभी प्रमुख दुकानों में भी आम कोरिया वासियों के खरीद के लिए उपलब्ध हो जाएगा।

सुशासन तिहार 2025 के तहत कोरबी में समाधान शिविर हुई आयोजित, 4126 में से 2320 आवेदनों का हुआ निराकरण

कोरबा अम्बिकावाणी - सुशासन तिहार २०२५ के अंतर्गत आज जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम कोरबी में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कोरबी, सरमा, तनेरा, पुटीपखना, हरदेवा, पाली, बुढ़ापारा, कुल्हारिया, खम्हारमुड़ा, झिनपुरी एवं मिसिया ग्राम पंचायतें शामिल रहीं। इस शिविर में कुल ४१२६ आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से २३२० आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर दिया गया। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा नागरिकों की समस्याएं सुनकर मौके पर निराकरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह ने सौर ऊर्जा विभाग को कोरबी चौकी में सोलर लाइट लगवाने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने तेंदूपत्ता संग्रहण कर रहे श्रमिकों को हाथियों से सावधानी बरतने की अपील भी की।

शिविर में शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र, जनपद पंचायत द्वारा ६ हितग्राहियों को राशन कार्ड व ५ को जॉब कार्ड, कृषि विभाग द्वारा १ हितग्राही को मोटर पंप का वितरण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा माधुरी देवी सिंह तंवर, उपाध्यक्ष प्रकाश चंद जाखड, जिला पंचायत सदस्य विद्वान सिंह मरकाम, जनपद सदस्य कुंती कोराम, वेद प्रताप कोराम, ममता पुहुप, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोड़ी उपरोड़ा तुलाराम भारद्वाज, सीईओ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा, तहसीलदार पोड़ी उपरोड़ा व पसान, प्रताप मरावी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ११ ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिवगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

इसी तरह विकासखंड पाली के ग्राम माखनपुर में आयोजित शिविर में सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी गई और हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

479 वंचित परिवारों के चेहरों पर आई पक्के आशियाने की मुस्कान

ज्मोर आवास -मोर अधिकारज कार्यक्रम के तहत पूरे प्रदेश में 51 हजार परिवार हुए लाभांवित

कोरिया बैकुंठपुर - प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसका एक स्वयं का पक्का मकान हो जिसमें वह दिन भर के संघर्ष के बाद सुकून की नींद सो सके। वंचित वर्ग की इस महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्ताशय के विचार व्यक्त करते हुए कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि यह बेहद प्रसन्नता का विषय है कि आज कोरिया जिले के और ४७९ परिवारों का पक्के मकान का सपना पूरा हुआ। मोर आवास -मोर अधिकार कार्यक्रम के तहत इन परिवारों ने आज उल्लास पूर्वक गृह प्रवेष कर अपने स्तर पर उत्सव मनाया। च्मोर आवास - मोर अधिकारज कार्यक्रम के तहत आज राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय आवास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेष के ५१ हजार परिवारों के गृहप्रवेष कार्यक्रम में सांकेतिक सहभागिता की। अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय आयोजन में भी कोरिया जिले के कई हितग्राही शामिल हुए और देष के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोरिया जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत ४७९ परिवारों ने नए घरों में गृह प्रवेश के संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि इसमें बैकुंठपुर जनपद पंचायत के २९८ और सोनहत जनपद के १८१ परिवार शामिल रहे हैं। अब तक जिले में वर्ष २०२४-२५ के लिए कुल ९००७ आवासों की स्वीकृति दी गई है। इनमें से अब तक ८,४७८ लाभार्थियों को पहली किस्त और ४,१२४ को दूसरी किस्त जारी की जा चुकी है, जबकि १,७४८ आवास पूर्ण हो चुके हैं। पिछले १४ महीनों में जिले में ५,५४८ आवासों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। जिला पंचायत सीईओ ने आगे बताया कि इसके साथ ही, आवास प्लस सर्वे २.० के अंतर्गत जिले में २६,००० परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है, जो आगामी समय में इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन. - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर

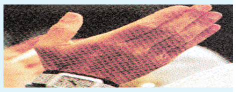

सरलता के बिना कोई भी व्यक्ति अन्य आत्माओं का सच्चा स्नेह नहीं पा सकता ।

सेजेस सोहगा का शानदार प्रदर्शनः कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम -10

अम्बिकापुर बुधवार, 14 मई 2025

■ अवैध रेत परिवहन करते पकड़े गए पांच वाहन जब्त- 12

भूपेश सरकार में छत्तीसगढ़ के लोगों का आवास का अधिकार छीना... हम पांव पखार-पखार कर उन लोगों को आवास दे रहे- शिवराज

केंद्रीय मंत्री ने मंच से 51 हजार लोगों का गृह प्रवेश कराया और आशियाने की चाबी दी

अंबिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर पहुंचे केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अंबिकापुर नगर के पीजी कॉलेज मैदान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने एक पाप किया था वह गरीबों के मकान छीनने का और इस पाप और गरीबों की हाय के चलते उनकी सरकार चली गई, किसी का छत छीनेंगे तो हाय तो लगेगी ही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल गरीबों का मकान इसलिए नहीं बनने देना चाह रहे थे क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री योजना का जिक्र था और वह पीएम आवास योजना के कारण छत्तीसगढ़ में गरीबों के मकान नहीं बनने देना चाहते थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भूपेश सरकार में छत्तीसगढ़ के लोगों का आवास का अधिकार छीना था हम उन लोगों का पांव पखार-पखार कर उन लोगों को आवास दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने मंच से ५१ हजार लोगों का गृह प्रवेश कराया और आशियाने की चाबी दिया।

श्री चौहान ने कहा कि हम नारे और भाषण नहीं देते,हमने वचन दिया था कि विधानसभा चुनाव में अगर भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ में बनेगी तो १८ लाख रुके हुए प्रधानमंत्री आवास को हम बनाएंगे,और कैबिनेट की पहली बैठक में ही इसे स्वीकृति दी गई।आज १८ लाख में से बचे ३ लाख आवास बची है जिसकी स्वीकृति पत्र केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को दे दिया है। शिवराज सिंह ने कहा कि अब कोई भी आवास प्रतीक्षा में नहीं है,सारे स्वीकृत हो चुके हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में अभी १५ मई तक आवास का सर्वे होना है,सर्वे में जितने लोगों का भी नाम जुड़ेगा,सभी के आवास के लिए स्वीकृति दी जाएगी।छत्तीसगढ़ का कोई भी गरीब इस डबल इंजन की सरकार में कच्चे मकान में नहीं रहेगा।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिन लोगों का आय १५००० रुपए तक हैं उनको भी पक्के मकान मिलेंगे।किसानों को भी मकान दिया जाएगा। श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत गौरवशाली और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है।विकसित भारत की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं इसके लिए विकसित छत्तीसगढ़ होना भी आवश्यक है।अब यहां किसानों की आय बढ़ाने पर काम किया जाएगा ताकि विकसित छत्तीसगढ़ बने और विकसित भारत में उनका योगदान हो। छत्तीसगढ़ में अभी तक ३ लाख से ज्यादा लखपति दीदी बन गए हैं, चार लाख और लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है।बहनों को लखपति बनाने का अभियान चलाया जाएगा,गांव के हर गरीब को रोजगार से जोड़कर गांव को विकसित बनाया जाएगा।अब केवल धान नहीं खेती को भी मॉडल बनाएंगे और किसानों के आयु को बढ़ाएंगे।२९ से १२ जून तक हमारे १६००० हजार वैज्ञानिक हर जिले में जाकर किसानों से बात करेंगे और खरीफ की फसलों के बारे में जानकारी देंगे,अब कोई किसान गरीब नहीं रहेगा।इसके अलावा शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत अब हेडफोन से पानी नहीं पाइप से हर घर तक पहुंचाएंगे और टोटी वाला नल लगा कर दिया जाएगा।

अंबिकापुर की सड़कों पर मामा मोटरसाइकिल से घूमा है-

कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान अंबिकापुर लेकर कहां की आपका यह मामा अंबिकापुर की सड़कों पर वर्षों पहले मोटरसाइकिल से घूम है यहां से उन्हें बहुत लगाव है यहां करूं है बहुत प्रसन्नता मिली है और जो प्यार आप लोगों ने आज दिखाया है उससे मैं काफी प्रफुल्लित हूं।

भारतीय सेना के शौर्य को प्रणाम

कार्यक्रम में सर्वप्रथम केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सटीक रणनीति के कारण जिन्होंने हमारे देश के बेटी की मांग को उजाड़ा था,उनके मूल को नष्ट कर दिया गया है।प्रधानमंत्री ने जवानों को खुली छूट दे रखी थी, पाकिस्तान का ऐसा कोई इलाका नहीं जहां हमारी धमक नहीं रही।अभी सीजफायर रुका नहीं स्थिर किया है, पाकिस्तान ने नापाक हरकत की तो उसका जवाब सख्ती के साथ दिया जाएगा।पाकिस्तानी सेना ने ३ दिन में ही घुटने टेक दिए,भारतीय सेना के जवानों पर हमें गर्व है।

एक देश एक चुनाव को लेकर भरवाई हुंकार

सभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग होने के कारण देश का बहुत सारा पैसा बर्बाद होता है और समय भी नष्ट होता है।संविधान में संशोधन करके ५ साल में लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ हो जिससे साढ़े चार साल तक देश के जनता की सेवा करने का मौका अच्छे से मिले,इसके लिए उन्होंने सभी कार्यकताओं से हुंकार भरवाई और आने वाले समय में एक देश एक चुनाव के लिए सहमति लिया।

हमने डेढ़ साल में 18 लाख आवास बनाए

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव ने साय ने कहा की छत्तीसगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक दिन है और सरगुजा के लिए सौभाग्य का दिन।गरीबों को मकान देने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह आए हैं और उन्होंने यहां के लोगों को उनके आवास का अधिकार दिया है।कांग्रेस सरकार ने ५ साल तक गरीबों का अधिकार आवास को छीना,जिसके कारण १८ लाख लोग आवास से वंचित हो गए थे।कांग्रेस ने जिन गरीबो के आशियाने के सपनों को तोड़ दिया था हमने वह सपना आज साकार कर दिया है।सीएम ने कहा १५ मई तक सर्वे होना है जिसके नाम छूटे है वह जुड़वा ले सबको पक्का मकान मिलेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन त्यौहार चल रहा है और वह अब तक प्रदेश के ११ जिलों में गए हैं,डेढ़ साल के सरकार के कार्य से वह पूरी तरह संतुष्ट है,सभी वादों को पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जमीन रजिस्ट्री के साथ तत्काल नामांतरण हो जाएगा,इसके अलावा कोई माता-पिता अपने पुत्र के नाम जमीन करना चाहते है तो उनका काम सिर्फ ५०० रुपए में हो जाएगा और भी बहुत सारा सरलीकरण रजिस्ट्री में किया गया है। कार्यक्रम को डिप्टी सीएम विजय शर्मा,कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू,राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह,वित्त मंत्री ओपी चौधरी,स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज,विधायक प्रबोध मिंज,विधायक राजेश अग्रवाल, विधायक उदेश्वरी पैकरा रेणुका सिंह,छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव,वन विकास निगम के अध्यक्ष राम सेवक पैकरा,भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,बलरामपुर भाजपा जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल,राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर,विधायक भूलन सिंह मरावी,कोरिया भाजपा जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले, वरिष्ठ भाजपा नेता अखिलेश सोनी, अंबिकेश केसरी सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

निधनः विमला देवी

रामानुजगंज (अम्बिकावाणी समाचार)।

नगर के वार्ड क्रमांक १२ निवासी नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी राम अवतार गुप्ता की पत्नी विमला देवी उम्र ६७ वर्ष का मंगलवार की सुबह आकस्मिक निधन हृदय गति रुकने से हो गया। वे अपने पीछे ५ पुत्र एवं १ पुत्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता,रूपेश गुप्ता, साई बाबा पब्लिक स्कूल के संचालक मनोज गुप्ता,नीलेश गुप्ता की माँ है। उनका अंतिम संस्कार नगर की मुक्ति धाम में किया गया।

ओवरटेक करने के चक्कर में ट्रक और यात्री बस में टक्कर,11 यात्री घायल,मची चींख पुकार

राजपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

राजपुर-बलरामपुर मुख्य मार्ग एनएच ३४३ झींगों-अलखडीहा के पास ओवरटेक करने के कारण ट्रक और सूरज यात्री बस में टक्कर हो गई। यात्री बस अनियंत्रित होकर मुख्य सड़क पर पलट गई। दुर्घटना में ११ यात्री घायल हो गए मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना उपरांत मौके पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस से उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दो लोगो की स्थिति गंभीर देख मेडिकल कॉलेज रेफर किया।

अंबिकापुर से गढ़वा जाने वाली सूरज बस क्रमांक सीजी १५ डीएक्स ५५५२ मंगलवार की दोपहर ११:२० बजे ओवरटेक करने के कारण ट्रक क्रमांक सीजी १५ इसी ०५६९ से टक्कर हो गई। यात्री बस अनियंत्रित होकर मुख्य सड़क पर पलट गई। मौके पर चीख पुकार मच गई। बस पर सवार ११ यात्री घायल हो गए घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दो लोग बस के नीचे फसे रहे काफी मशक्कत के बाद एक्सीवेटर मशीन की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया।

दो यात्री दबे बस के नीचे, एक्सीवेटर मशीन से रेस्क्यू कर निकाला बाहर

बलरामपुर निवासी ५८ वर्षीय देवेंद्र और अंबिकापुर निवासी ३० वर्षीय वृंदा बस पलटने के कारण बस के नीचे दब गए थे। पुलिस की टीम और स्थानीय लोगों की मदद से, एक्सीवेटर मशीन की सहायता से दोनों को भारी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। दोनों घायलों को राजपुर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से दोनों की स्थित गंभीर देख दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

यात्री बसों में क्षमता से अधिक यात्री बैठाया जा रहा है

अंबिकापुर से रामानुजगंज, गढ़वा, अंबिकापुर से कुसमी, सामरी पाठ, जशपुर जाने के लिए दर्जनों यात्री बस चलाई जा रही हैं। यात्री बसों में क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया जा रहा है। यात्री बसों में महिलाओं को ५० प्रतिशत बैठने के सीट देने का प्रावधान है। मगर बस संचालक नियम का पालन नही कर रहे हैं।

दुर्घटना में गढ़वा निवासी १२ वर्षीय सौम्या, झारखंड निवासी ३५ वर्षीय विद्या, पटना निवासी ५४ वर्षीय रीना, अंबिकापुर निवासी १८ वर्षीय रुबीना, अंबिकापुर निवासी ६ वर्षीय तंजीला, आरा निवासी ४२ वर्षीय इम्तियाज, गढ़वा निवासी ५५ वर्षीय इमामुद्दीन, गढ़वा निवासी ६० वर्षीय कौशिला, झारखंड निवासी ७५ वर्षीय मुज्जिद घायल हो गए जिनका राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी है।

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल (MRM) हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
प्रतिदिन उपलब्ध . . .
कैंसर रोग विशेषज्ञ
डॉ. हिमांशु गुप्ता
MBBS, MD (Radiation Oncologist)
Clinical Oncologist &
Chemotherapy Specialist

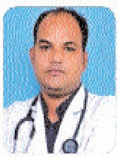

कैंसर के संकेत
+ शरीर के किसी अंग में असामान्य सूजन या कड़ापन
+ तिल, मस्से के आकार या रंग में परिवर्तन।
+ ना भरने वाले घाव (नासूर)
+ लगातार बुखार या वजन में कमी
+ 4 हफ्ते से अधिक समय तक अकारण दर्द या टीस
+ तीन सप्ताह से अधिक समय तक मुंह या जीभ पर घाव
+ भोजन निगलने में लगातार असुविधा बदहजमी
+ मूत्र विसर्जन में कठिनाई
+ मूत्र में रक्तस्राव
+ 3 सप्ताह से अधिक लगातार खाँसी या आवाज कर्कश होना
+ स्तन में सूजन अथवा कड़ापन या खिंचाव
+ शौच में रक्तस्राव
+ असामान्य रक्त प्रवाह
+ 4, 5 सप्ताह या ज्यादा समय तक बार बार पतले दस्त होना

नोट :- आयुष्मान कार्ड से किमोथेरेपी लगवाने की सुविधा उपलब्ध
सोमवार से शुक्रवार
दोपहर 02 बजे से शाम 06 बजे तक उपलब्ध
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करे
07774222555, 9425583780, 9826183780
8224007799, 8718003300, 6262639090

रेत माफियाओं द्वारा आरक्षक को कुचलने का मामला, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञानः कहा-अवैध खनन रोकने के बाद स्टेट अफेयर्स की ऐसी हालत

सनावल थानेदार सस्पेंड,हाईकोर्ट ने डीजीपी, खनिज सचिव और वन विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

बलरामपुर में रेत माफिया ने कॉन्स्टेबल शिव बचन सिंह को ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी। अब मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा कि, अवैध खनन रोकने निर्देश के बाद यह हालत है, जो बहुत ही गंभीर बात है। स्टेट अफेयर्स की ऐसी हालत है। हाईकोर्ट ने डीजीपी, खनिज सचिव और वन विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।मामले में अगली सुनवाई ९ जून को होगी। वहीं, इस मामले में पुलिस ने दो संदेहियों को हिरासत में लिया है। पुलिस की ५ टीमें रेत तस्करों को पकड़ने में लगी हुई है। हालांकि, रेत तस्करों को पुलिस संरक्षक देने के भी आरोप लग रहे हैं। इसके अलावा आरक्षक की मौत के बाद सनावल थानेदार को सस्पेंड कर दिया गया है।

रेत माफिया ने आरक्षक को ट्रैक्टर से रौंद उतारा मौत के घाट,कुचलते हुए भागा ड्राइवर

दरअसल, रविवार ११ मई की रात करीब ११ बजे सनावल पुलिस की टीम कनहर नदी से अवैध रेत खनन रोकने लिबरा गांव पहुंची थी। इसी दौरान भाग रहे एक ट्रैक्टर को आरक्षक शिव बचन सिंह (४३) ने रोकने की कोशिश की। लेकिन ट्रैक्टर ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी, बल्कि आरक्षक को कुचलते हुए भाग गया। जिससे आरक्षक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, लिबरा गांव में करीब ४ महीने से रेत की तस्करी हो रही थी। झारखंड के तस्कर लगातार बड़ी संख्या में गाड़ियां लगाकर रेत की तस्करी कर रहे थे। शनिवार की शाम ग्रामीण रेत तस्करी का विरोध करने लगे, तो सनावल पुलिस ने रेत तस्करी करते हुए ३ गाड़ियों को पकड़ा था। ग्रामीणों का आरोप है कि, तस्करों से कमीशन लेकर गाड़ियां छोड़ दी गई थी।

सरपंच ने पहले ही जताई थी अनहोनी की आशंका

लिबरा गांव के सरपंच, पंच और ग्रामीणों ने रेत खनन को लेकर सनावल थाना प्रभारी से लिखित में शिकायत की थी। जिसमें रेत माफिया रोहित यादव, विश्वकर्मा और शमशाद मोहम्मद के नाम शामिल है। उन्होंने आशंका भी जताई थी कि, रेत खदान स्थान पर कभी भी कुछ हादसा हो सकता है। रेत तस्कर लगातार ग्रामीणों को धमकी भी दे रहे थे।

पुलिस की बनी 5 टीमें, 2 संदिग्ध हिरासत में

बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर ने बताया कि, तस्करों को पकड़ने के लिए ५ टीमें लगाई गई हैं, जो लगातार कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में भी लिया है। इसमें पुलिस की भूमिका की भी जांच की जा रही है। ३ गाड़ियों को पकड़ने के बाद छोड़ने को लेकर भी जांच होगी कि, किन परिस्थितियों में गाड़ियों को छोड़ी गई थी।

थाना प्रभारी को आईजी ने किया सस्पेंड

इस मामले में सरगुजा आईजी दीपक कुमार झा ने सनावल के थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडेय को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। सरगुजा आईजी ने कहा कि, पुलिस जांच कर रही है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई।

सैलून की दुकान में हुई चाकूबाजी की वारदात,

जगदलपुर। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार को गोर्वधन चौक के पास स्थित एक सैलून की दुकान में सुमीत पांडेय निवासी प्रवीर वार्ड और धीरज ठाकुर निवासी पावर हाउस चौक मौजूद थे। सुमीत शेविंग करवा रहा था,

प्रांतीय अग्रवाल महिला संगठन ने मनाया महिला दिवस

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल महिला संगठन अंबिकापुर की बहनों ने ११ मई को बनभौरी मंदिर प्रांगण में महिला दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान २० माताओ का सम्मान किया गया। सभी माताओ को उपहार स्वरूप पौधा और गिफ्ट दिया गया।बहनों के द्वारा सभी माताओं की आरती उतारी गई , केक कटवाया गया व तिलक लगाकर गेम खिलाया गया। संगठन परिवार की संरक्षिका मंजू गोयल दीदी द्वारा विजेता माताओ को गिफ्ट दिया गया।

सेजेस सोहगा का शानदार प्रदर्शनः कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
स्वामी आत्मानंद शासकीय

इंग्लिश मीडियम स्कूल, सोहगा का वार्षिक परीक्षा परिणाम इस वर्ष अत्यंत सराहनीय रहा। विद्यालय के कक्षा १०वीं और १२वीं के समस्त विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा १०वीं के विद्यार्थियों ने विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हर्ष राजवाड़े ने ९६ प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि समीक्षा कुशवाहा ने ९२ प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कई अन्य विद्यार्थियों ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सिद्ध किया है। कक्षा १२वीं के सभी विद्यार्थियों ने भी बोर्ड परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष निरंतर अध्ययन कर यह सफलता अर्जित की है।विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती लीना थॉमस ने इस उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की लगन एवं अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार परिश्रमपूर्वक कार्य करते रहने की प्रेरणा दी है।

यह सिर्फ एक बाजा नहीं, यादव समाज की सांस्कृतिक आत्मा है.... सूरजपुर जिले के हरीहरपुर में दिखी विलुप्त होती परंपरा की झलक

'टइयां बाजा' बिना इसके अधूरी मानी जाती है शादी

प्रतापपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
समाज की पहचान सिर्फ उसकी भाषा और पहनावे से नहीं होती, बल्कि उसकी जीवंत परंपराओं से होती है। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के दूरस्थ गांव हरीहरपुर के पतरा पारा में एक विवाह समारोह के दौरान यादव समाज की एक अनोखी और विलुप्त होती परंपरा को देखने का अवसह मिला। यह परंपरा न सिर्फ संगीत की सौंधी खुशबू बिखेरती है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव की भी झलक देती है। यादव समाज के विवाह समारोहों में एक विशेष वाद्य यंत्र बजाया जाता है, जिसे स्थानीय लोग टइयां बाजा कहते हैं। यह कोई सामान्य बाजा नहीं, बल्कि यादव समाज की एक ऐतिहासिक और भावनात्मक धरोहर है।

बुजुर्गों का कहना है कि जब तक यह बाजा शादी के घर में न बजे, तब तक विवाह अधूरा माना जाता है। यह बाजा न केवल पारंपरिक संगीत का स्रोत है, बल्कि यादव कुल की सांस्कृतिक अस्मिता और कृष्ण परंपरा का प्रतीक भी है। गौर करने वाली बात यह है कि इस बाजा को बजाने वाले स्वयं यादव समाज के नहीं होते, बल्कि यह कार्य वर्षों से हरिजन (रोहिदास) समाज के लोग करते आ रहे हैं। विवाह समारोह के अवसर पर इन्हें विशेष सम्मान के साथ आमंत्रित किया जाता है और घर में लाकर टइयां बाजा बजवाया जाता है। यह परंपरा सामाजिक एकता और परस्पर सहयोग का जीवंत उदाहरण है।

रात्रिकालीन नृत्य और लोकगान का अद्भुत संगम

जब यह बाजा बजता है, तो संपूर्ण गांव उत्सव में डूब जाता है। रात्रिकालीन समय में यादव समाज के लोग लाठी-डंडा लेकर, पारंपरिक वेशभूषा में नाच-गान करते हैं। बिरहा और अन्य लोक गीतों की गूंज, ‟टइयां बाजा‟ की ताल पर थिरकते कदमों के साथ, एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। घराती और बाराती इस पारंपरिक उत्सव का भरपूर आनंद उठाते हैं।

संरक्षण की दरकार, क्योंकि अब यह परंपरा खतरे में

आज के बदलते समय में यह लोक परंपरा धीरे-धीरे सिमटती जा रही है। इस बाजे को बजाने वाले अधिकांश वादक बुजुर्ग हैं और नई पीढ़ी इससे दूरी बनाती जा रही है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि जब ये वयोवृद्ध कलाकार नहीं रहेंगे, तब कौन इस परंपरा को आगे बढ़ाएगा?

प्रशासन और समाज को मिलकर करना होगा प्रयास

यह आवश्यक है कि प्रशासन और समाज मिलकर ऐसे लोक कलाओं के संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाएं। प्रशिक्षण केंद्र, सांस्कृतिक मंचों का आयोजन, सरकारी अनुदान एवं स्थानीय विद्यालयों में परंपरागत संगीत की शिक्षा जैसे प्रयास जरूरी हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ा जा सके।

ग्राम दावा के श्री श्याम गौशाला में नए गौ शेड और दो सोलर हाई मास्ट लाइट्स का उद्घाटन

आरआरवीयूएनएल की सीएसआर पहल के तहत सड़क सुरक्षा और गौ रक्षण का प्रयास

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
जिले के उदयपुर ब्लॉक के दावा गांव में स्थित श्री श्याम गौशाला में निर्मित नए गौशेड और दो सोलर हाई मास्ट लाइट्स का सोमवार को लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। सड़क दुर्घटनाओं को घटाने एवं गायों की सुरक्षा यह परियोजना का मुख्य उद्देश्य।
विधायक राजेश अग्रवाल ने रिबन काटकर समारोह की शुरूआत की, इसके बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़ने की क्रिया की। इसके साथ ही १०० से अधिक गायों को केले, गुड़ और चने अर्पित किए गए, जो इस अवसर को और भी विशेष बना रहे थे। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम

लिमिटेड की सीएसआर पहल के तहत विकसित इन दोनों कार्यों से सड़क पर घूमने वाली बेसहारा गायों के लिए एक सुरक्षित आश्रय प्रदान होगा, विशेषकर वे गायें जो राष्ट्रीय राजमार्ग तारा से अंबिकापुर तक बार-बार देखी जाती थीं। इस परियोजना के जरिए गायों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही सड़क दुर्घटनाओं को भी रोका जाएगा। यह पहल स्थानीय समुदाय को मवेशी प्रबंधन में सहायता प्रदान करने के साथ-साथ टिकाऊ और मानवता पूर्ण प्रथाओं को बढ़ावा देने का भी उद्देश्य रखती है। समारोह में आरआरवीयूएनएल के मुख्य अभियंता बाबूलाल वर्मा, उप अभियंता लालचंद बरेसाह, पवन ओझ, अदानी नेचुरल रिसोर्सेस सरगुजा के चीफ ऑफ क्लस्टर मनोज कुमार शाही,भू विभाग प्रमुख राजेश साव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में रामगढ़ मंडल अध्यक्ष प्रभोध सिंघल, देवरी मंडल अध्यक्ष अखंड विधायक सिंह, उदयपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, और जिला मंत्री राधे श्याम भी विशेष रूप से मौजूद थे। इसके अलावा गौशाला समिति के सदस्य देवनारायण यादव (अध्यक्ष), आशीष अग्रवाल (सचिव), और शेखर सिंह देव (उपाध्यक्ष) के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने। आरआरवीयूएनएल और अदानी फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल सामाजिक और पर्यावरणीय सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करती है।

अचीवर्स इंटरनेशनल स्कूल में समर कैंप का भव्य समापन

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
क्षेत्र में स्थित अचीवर्स इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु दिनांक २५ अप्रैल से १० मई तक समर कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से स्पोकन इंग्लिश, वैदिक गणित, ड्राइंग-पेंटिंग, स्मार्ट राइटिंग, डांस आदि गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को रचनात्मक व व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।
समापन समारोह में कालिदास महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रजनीश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में तथा नगर निरीक्षक लक्ष्मण सिंह धुर्वे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य अशोक तिवारी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए समर कैंप के उद्देश्य व महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों ने खूब सराहा।

मुख्य अतिथि प्रो. रजनीश सिंह ने अपने संबोधन में कहा, समर कैंप बच्चों के लिए पुस्तकीय ज्ञान से इतर व्यावहारिक अनुभव और रचनात्मकता के विकास का उत्कृष्ट माध्यम है। वहीं, विशिष्ट अतिथि लक्ष्मण सिंह धुर्वे ने कहा, इस प्रकार के आयोजन बच्चों में अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास जैसे गुणों का निर्माण करते हैं, जो भविष्य में उनकी सफलता की नींव बनते हैं। समर कैंप में सम्मिलित समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। समापन अवसर पर समर कैंप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चे, उनके अभिभावक, एवं विद्यालय के शिक्षकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से सेंट्रल बैंक के मैनेजर कुंदन कुमार, मुकेश अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, प्रदीप गोयल, संतोष जायसवाल, अंकुर जायसवाल, अजय जायसवाल, किशोरी गर्ग, परमानंद सिंह, नीरज सोनी सहित अनेक गणमान्य अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के उप प्राचार्य सुनील महापात्रा एवं समस्त प्रशिक्षकों की अहम भूमिका रही।

अंतरिक्षः कल, आज और कल पर कार्यशाला ,अत्यंत रोचक विडियो के माध्यम से कराया गया अवगत

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
स्व. डॉ. रामचन्द्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कोरिया में अंतरिक्ष की परिकल्पना एवं वास्तविकता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी के सौजन्य से अधिष्ठाता डॉ. डी.के. गुप्ता के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय

सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राहुल आर्य की अध्यक्षता, ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी के कोरिया जिला प्रभारी कमल प्रसाद डडसेना के मुख्य आतिथ्य एवं सलाहकार समिति सदस्य अमर नाथ सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुयी ।डॉ. आर्य ने सभी को विज्ञान के रोचक तथ्यों से अवगत कराया एवं सर्वांगीण विकास के लिये सतत प्रयत्नशील रहने पर बल दियाद्य ।

इस अवसर पर अंतरिक्षः कल, आज और कल' पर अत्यंत रोचक वीडियो का मंचन टीवी के माध्यम से किया गया ।मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने खगोल विज्ञान के रोचक तथ्यों से सभी को अवगत कराया एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिये ब्रम्हांड में सब कुछ हमेशा परिवर्तनशील एवं किसी न किसी कारण से होने को महसूस करने तथा उस पर चिंतन, मनन और पुनरावलोकन करने की अपील कीद्य गैलीलियन टेलीस्कोप के माध्यम से बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी ने पूर्ण चन्द्रमा के मनोरम नजारे का अवलोकन किया । मंच-संचालन महाविद्यालय शैक्षणिक प्रभारी डॉ. संजय कुमार घृतलहरे ने किया । महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. जान्हवी, डॉ. संदीप नवरंग, डॉ. विशाखा तिवारी, डॉ. आदित्य गौरहा, डॉ. श्वेता सिंह, उत्तर बारिक सहित कर्मचारीगण, छात्र-छात्रायें एवं ब्रेकथ्रू साइंस सोसाइटी के स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

श्यामनगर में उत्कृष्ट विद्यार्थियों का हुआ सम्मान,होनहार छात्र उमाशंकर अग्निवीर आर्मी 2025 के लिए चयनित

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सूरजपुर के जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक वि० श्यामनगर का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। कु० आस्था राजवाड़े ने कक्षा १० वीं में ९५ प्रतिषत अंक हासिल कर सूरजपुर जिले के टाप टेन सूची में दूसरा स्थान और विकास खंड के टापटेन सूची में पहला स्थान बनाकर विद्यालय और विकास खंड का नाम रौशन किया है।
शासकीय उच्चतर माध्यमिक वि० श्यामनगर में उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार जायसवाल ने विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान

प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को का मुंह मीठा कराया और पुष्प हार पहना कर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया। उन्होंने कहा कि इन उत्कृष्ट विद्यार्थियों ने हमारे विद्यालय को गौरवान्वित किया है। प्राचार्य ने अथक परिश्रम से विद्यालय का शत-प्रतिशत परीक्षा फल देने के लिए सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई दिया।

राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने अपनी तरफ से उत्कृष्ट विद्यार्थियों को उपहार में डाक्यूमेंट फाईल, कापी और पेन देकर सम्मानित किया। और बधाई व शुभकामनाएं दिया। अजय चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्यामनगर की कुमारी आस्था रजवाडे. ९५ प्रतिशत अंक हासिल कर जिला स्तरीय हाई स्कूल टापटेन सूची मे दूसरा स्थान और विकास खंड स्तरीय टापटेन सूची मे पहला स्थान प्राप्त किया है। विकास खंड स्तरीय हायर सेकेंडरी टापटेन सूची मे कु० डीगमणि दूसरा और कु० नीलम तीसरा स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय स्तर पर कक्षा १२वीं में प्रथम स्थान कुमारी डीगमणि, ८६.४ प्रतिशत, द्वितीय स्थान कुमारी नीलम ८२.४ प्रतिशत और उमाषंकर ने ७८.८ प्रतिशत अंक हसिल कर तीसरा स्थान पर प्राप्त किया। विद्यालय स्तर पर कक्षा १० वीं में प्रथम कुमारी आस्था राजवाड़े ९५ प्रतिशत , द्वितीय मोहन ८५ प्रतिशत और ललिता ने ८४.८ प्रतिशत अंक हसिल कर तृतीय स्थान हासिल किया है। इस वर्ष कक्षा १२ वीं के होनहार छात्र उमाषंकर का चयन अग्निवीर आर्मी २०२५ के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर सम्पूर्ण अंचल गौरान्वित हुआ है।

प्रतापपुर नगर पंचायत के कई स्थानों में नाली बदहाल, बस स्टैंड क्षेत्र में गंदा पानी बहता सड़क पर

जगह-जगह गंदगी नाली के दुर्गंध से लोगों का जीना हुआ मुहाल

प्रतापपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भारत को स्वच्छ और खुले में शौच मुक्त बनाने की मुहिम को जहां सरकार हर मंच से बढ़ावा दे रही है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। प्रतापपुर नगर पंचायत के बस स्टैंड वार्ड चार सड़क किनारे तथा नगर पंचायत के कई जगहों पर जगह-जगह रोड किनारे नाली की बदहाली देखी जा सकती है। कहीं नाली का ढक्कन फूटा है तो कहीं नाली का गंदा पानी सड़क पर बह

रहा है। इस क्षेत्र की मुख्य नालियां वर्षों से साफ नहीं हुई है। अब नाली का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगा है, जिससे हर समय कीचड़, गंदगी और बदबू बनी रहती है। स्थानीय दुकानदारों, व्यवसायियों और आवासीय लोगों को दिन-रात इस गंदगी से जूझना पड़ रहा है। नगर पंचायत प्रशासन की घोर लापरवाही के चलते अब यह क्षेत्र संक्रमण और बीमारियों की चपेट में आने के कगार पर है। वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायतें कीं, परंतु कोई भी अधिकारी या सफाई कर्मचारी मौके पर नहीं आया। स्थानीय निवासी बताते हैं कि सिर्फ त्यौहारों या वीआईपी विजिट के समय झाड़ू लगता है, लेकिन असली समस्याओं की कोई सुनवाई नहीं होती। सबसे चिंताजनक बात यह है कि नगर को ओडीएफ घोषित कर दिया गया है। ओडीएफ टीम नियमित रूप से निरीक्षण के नाम पर आती है, कुछ तस्वीरें खींचती है, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाती है और बिना वास्तविक निरीक्षण के चली जाती है। गलियों में नालियों की सफाई पूरी तरह ठप है, कई स्थानों पर नालियां टूटी पड़ी हैं या कचरे से अटी हुई हैं। इस गंदगी से न केवल आमजन त्रस्त हैं।

समस्या को दूर कराई जाएगी- यूसीफ्रिया

इस विषय में नगर पंचायत सीएमओ यूसीफ्रिया एक्का ने कहा कि कहां-कहां सफाई नहीं हुई है जानकारी लेती हूं। तथा समस्या को दूर कराई जाएगी।

विधायक के देवर की आकस्मिक मृत्यु पर भाजपा मंडल के कार्यकताओं ने दी श्रद्धांजलि

प्रतापपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। विधायक शकुंतला सिंह के छोटे देवर का आकस्मिक निधन हो जाने से जहां भाजपा कार्यकताओं वा शुभचिंतकों में शोक का लहर है। वही प्रतापपुर भाजपा मंडल के द्वारा सभी कार्यकताओं के उपस्थिति में भाजपा मंडल कार्यालय में मृत आत्मा के शांति के लिए २ मिनट मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। तथा विजय राज बहादुर सिंह को श्रद्धांजलि देकर उनके कुशल व्यक्तित्व को याद किया गया। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व ट्रैक्टर दुर्घटना में ट्रैक्टर पलटने की वजह से उनकी दर्दनाक

मौत हो गई थी विजय राज सिंह, विधायक शकुंतला सिंह के सबसे छोटा देवर से तथा एक उन्नत कृषक के साथ में गांव में एक बहुत ही प्रतिष्ठित युवा के रूप में जाने जाते थे। जिनके निधन से भाजपा कार्यकताओं में भी शोक का लहर है इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष अक्षय तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता अंबिका जायसवाल, महामंत्री अवधेश पांडे, राम रतन गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि आनंद शुक्ला, अरविंद जायसवाल, बहादुर तायल, सहित भारी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दिए,

माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में विद्यार्थियों का प्रवेश

बलरामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर में शैक्षणिक वर्ष २०२५-२६ में कक्षाओं में छात्रों के प्रवेश हेतु १० अप्रैल से ०५ मई तक ऑनलाइन पत्र मंगाए गए थे। निर्धारित अवधि तक कुल १४५ आवेदन प्राप्त हुए, प्राप्त आवेदनों का परीक्षण पश्चात दावा आपत्ति के लिए पात्र-अपात्र की सूची का प्रकाशन विद्यालय के सूचना पटल पर किया गया है। दावा आपत्ति पश्चात लॉटरी के माध्यम से १५ मई २०२५ को प्रातः ०९ बजे से स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में किया जाएगा।

हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत पेज 09

सुशासन तिहार में समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान, पारदर्शिता जवाबदेह सरकार की पहचान

बलरामपुर । छत्तीसगढ़ शासन की अभिनव पहल च्सुशासन तिहारज् प्रदेश में पारदर्शी एवं संवेदनशील प्रशासन की दिशा में एक सशक्त प्रयास सिद्ध हो रहा है। इसके अंतर्गत आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले में आयोजित समाधान शिविर में हितग्राहियों के समस्या का त्वरित निराकरण कर समाधान भी किया जा रहा है। विकासखंड बलरामपुर के ग्राम लुरघुट्टा निवासी श्री मानिकचंद कुजूर ने समाधान शिविर में आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। वे बताते हैं कि पहले इलाज के लिए परेशान होना पड़ता था। गंभीर बीमारी में पैसे के लिए दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन अब आयुष्मान कार्ड मिला है, तो इलाज की चिंता नहीं रही। इसी प्रकार चांदो निवासी श्रीमती सोहरी व श्रीमती धोमो देवी पन्ना देवी को आयुष्मान कार्ड से लाभान्वित किया गया। वे बताती है कि पहले ईलाज में कठिनाई तो होती ही थी बल्कि आर्थिक तंगी के कारण समय पर उपचार भी संभव नहीं हो पाता था।सुशासन तिहार के समाधान शिविर में जब इन हितग्राहियों ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन दिया, तो प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए कुछ ही घंटों में उनका कार्ड बनाकर प्रदान कर दिया। इस त्वरित कार्यवाही से न सिर्फ उनकी समस्या का समाधान हुआ बल्कि शासन और प्रशासन पर उनका भरोसा भी मजबूत हुआ है।इसके लिए हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि सुशासन तिहार के अंतर्गत राशनकार्ड, पेंशन, श्रमिक पंजीयन, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य बीमा, स्वच्छता, विद्युत एवं पेयजल संबंधी समस्याओं का स्थल पर ही समाधान किया जा रहा है।

लोक परिशांति भंग करने पर की गई कार्यवाही

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री करूण कुमार डहरिया ने जानकारी दी है कि जिले के तहसील कुसमी के अंतर्गत ग्राम बरपाठ में छत्तीसगढ़ शासन खनिज साधन विभाग द्वारा खनिज सर्वे का कार्य कराया जा रहा है। १२ मई को शासकीय भूमि में सर्वे कार्य के दौरान सुनील नगेसिया, श्याम देव नगेसिया एवं मंतू राम नगेसिया शराब के नशे में धुत्त होकर पहुंचे एवं वहां उपस्थित कर्मचारियों से वाद-विवाद करने लगे। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर एसडीएम कुसमी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार कुसमी एवं थाना प्रभारी कोरंधा तत्काल मौके पर पहुंचे। संज्ञेय अपराध कारित किए जाने से रोकने एवं लोक परिशांति को बनाए रखने हेतु उक्त तीनों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर जेल भेजा गया। अनुविभागीय अधिकारी ने बताया कि खनिज सर्वे कार्य में बाधा डालने वाले व्यक्तियों पर सख्ती से प्रभावी कार्यवाही की जावेगी।

नगर सैनिक के रिक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला सेनानी नगर सेना बलरामपुर ने जानकारी दी है कि होमगार्ड विभाग के अंतर्गत १७१५ महिला नगर सैनिक (छात्रावास ड्यूटी) एवं ५०० नगर सैनिक जनरल ड्यूटी के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु शारीरिक नाप जोख एवं दक्षता परीक्षा चार संभागीय केन्द्रों रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, अंबिकापुर में आयोजित की गई थी। जिसमें २०१३७ अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के लिए चयन किया गया है। परीक्षा के लिए चयनित सभी अभ्यर्थियों की सूची होमगार्ड के विभागीय वेबसाइट एफआईआरईएनओसी डॉट सीजी डॉट जीवोव्ही डॉट ईन पर उपलब्ध है। लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के लिए अभ्यर्थियों को व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के वेबसाइट के लिंक में जाकर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा आबंटित एप्लीकेशन आईडी एवं जन्म तिथि डालकर अभ्यर्थी लिखित परीक्षा हेतु आवेदन कर सकते हैं। व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा पंजीयन नम्बर पर ही लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। जो अभ्यर्थी व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के वेबसाइट में जाकर पंजीयन एवं आवेदन सबमिट नहीं करेंगे वे लिखित परीक्षा से वंचित होंगे। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अभ्यर्थियों की होगी। ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की तिथि १६ अप्रैल से ३० मई तक निर्धारित की गई है। परीक्षा की संभावित तिथि २२ जून २०२५ है। जिसके लिए परीक्षा केन्द्र रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, अम्बिकापुर को बनाया गया है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए 14 एवं 15 मई को शिविर आयोजित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला परिवहन अधिकारी श्री यशवंत यादव ने बताया है कि जिले के २०१९ से पहले के पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर लगवाने हेतु फॉर्म भरने के लिए परिवहन विभाग द्वारा १४ एवं १५ मई २०२५ को जिला परिवहन कार्यालय, अपेक्षा परिवहन सुविधा केंद्र, रामानुजगंज, जायसवाल परिवहन सुविधा केन्द्र वाड्रफनगर तथा एस.आर. परिवहन केंद्र महुआपारा राजपुर में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए वाहन का पंजीयन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर लाना आवश्यक है। इसके लिए शुल्क भी निर्धारित किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के कश्मीर को लेकर बयान पर भारत खामोश, क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को एक दूसरे के सैन्य हवाई अड्डों पर हमले और नुकसान पहुंचाने के दावे किए.दोनों देशों के बीच तनाव शीर्ष पर था. इसी बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सक्रिय हुए.उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से बातचीत की.शनिवार दोपहर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक की.भारत की तरफ से पाकिस्तान के साथ जारी संघर्ष को खत्म करने का ये पहला संकेत था.दोपहर करीब साढ़े तीन बजे पाकिस्तान के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) ने भारत के डीजीएमओ से फोन पर बात की.इस बातचीत में दोनों देश जमीन, वायु और जल क्षेत्र से एक-दूसरे के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमत हुए.हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्ष विराम' की पहली जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी.डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को ५:३० बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर किए एक पोस्ट में भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्ष विराम' की घोषणा करते हुए दावा किया कि 'रात भर चली बातचीत' में अमेरिका ने मध्यस्थता की.ट्रंप ने दोनों देशों को मुबारकबाद देते हुए लिखा, यह अमेरिका की मध्यस्थता में 'रात भर चली बातचीत' के बाद हुआ.भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्ष विराम' को लेकर' यह पहली सार्वजनिक घोषणा थी जो भारत और पाकिस्तान के आधिकारिक बयानों से पहले की गई थी.इसके तुरंत बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर 'संघर्ष विराम' की पुष्टि की. उन्होंने कहा कि कूटनीतिक प्रयासों में अमेरिका, सऊदी अरब और ब्रिटेन सहित तीस से अधिक देश शामिल थे.भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार शाम ५:४५ बजे मीडिया ब्रीफिंग की और दोनों देशों के बीच लड़ाई रोकने को लेकर बनी सहमति के बारे में जानकारी दी.विक्रम मिसरी ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ के भारतीय डीजीएमओ को फोन कॉल के बाद दोनों देशों में द्विपक्षीय सहमति बनी है. उन्होंने अमेरिका या किसी और देश का नाम नहीं लिया.इसके बाद भारत के सूचना मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के साथ आगे बातचीत को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया है.भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार शाम छह बजे बयान जारी कर 'संघर्ष विराम' की पुष्टि करते हुए 'आतंकवाद' पर भारत के सख़्त रुख को दोहराया और भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सहमति बनने की बात की.विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका को सबसे बड़ी चिंता ये रही होगी कि अगर ये संघर्ष और आगे बढ़ा तो पाकिस्तान कुछ ऐसे कदम उठा सकता है

तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ.भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क एवं नस रोग विशेषज्ञ
+ लकवा,पैरालिसिस,मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
+ दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
+ पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicine (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रॉनिक पेनक्रियटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

डॉ.बी.मिंज
MBBS, MD, FIPM
FELLOWSHIP IN PAIN MANAGEMENT
+ सुईनुमा उपकरण/दूरबिन द्वारा स्लिप डिस्क को निकालना
+ कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
+ जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI
All Diagnostic Facilites
तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर
1.5 TESLA MRI

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II
रानी तालाब के सामने, जिला हॉस्पिटल रोड़ अम्बिकापुर

डॉ.मनीष टावरी
MBBS, MD, FIPM
FELLOWSHIP IN PAIN MANAGEMENT
+ लकवा, मिर्गी, स्पाइन की समस्या
+ मस्तिष्क संबंधी समस्या, गर्दन, कमर, पीठ का दर्द
+ रीढ़ की हड्डी की गठान
+ साईटिका - कमर से पांव की ओर बढ़ता दर्द, झनझनी

11 मई 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY
(स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us
+91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों मे दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की कार्यकारिणी का विस्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर. एस. सिंह की अध्यक्षता में आज फेडरेशन की बैठक आहूत की गई ।बैठक में सर्व प्रथम ज्योति साधना श्रीवास्तव के जन्मदिन के अवसर पर उपस्थित सभी साथियों ने धूमधाम से केक काटकर व गुलदस्ता भेंट कर जन्मदिन मनाकर शुभकामनाएं दी। उक्ताशय की जानकारी देते हुए नवनियुक्त जिला मीडया प्रभारी राधेश्याम साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन विभिन्न संगठनों का ससक्त समूह है,जो कर्मचारी अधिकारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सदैव तत्पर रहता है ।पदाधिकारी व सदस्य किसी भी संगठन की धुरी होते हैं ।संघ को मजबूती व सुचारू रूप से संचालन के लिए आज के बैठक में सर्व सम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया जिसमें श्रीमती प्रतिमा सिंह जिलाध्यक्ष(महिला प्रकोष्ठ),श्रीमती ज्योति साधना श्रीवास्तव जिला सचिव (महिला प्रकोष्ठ),आदित्य शर्मा कोषाध्यक्ष,अनुरंजन देव उप संयोजक, सचिन त्रिपाठी उप संयोजक,निर्मल भट्टाचार्य उप संयोजक, विजय साहू उप संयोजक,मनीष दीपक साहू उप संयोजक, महेश पैकरा उप संयोजक, गोपाल विश्वकर्मा उप संयोजक, आदेश रवि उप संयोजक, रमेश राजवाड़े।

सुशासन तिहार में समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान, पारदर्शिता जवाबदेह सरकार की पहचान...पेज 11

पीएम आवास ग्रामीण के तहत 2250 परिवारों ने किया गृह प्रवेश

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले के २२५० परिवारों ने आज हर्ष और उल्लास के साथ अपने नवनिर्मित पक्के घरों में गृह प्रवेश किया। इस ऐतिहासिक अवसर को गृह प्रवेश उत्सव के रूप में मनाया गया, जो ग्रामीण जीवन में स्थायित्व और सम्मान का प्रतीक बन गया ।यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के ज्मोर आवास मोर अधिकारज्ज अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। गृह प्रवेश उत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन अंबिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान से केंद्रीय पंचायत एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा किया गया। ज्मोर आवास मोर अधिकारज्ज कार्यक्रम अंतर्गत गृह प्रवेश करने वाले परिवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमने वादा किया था कि जैसे ही हमारी सरकार बनेगी ज्मोर आवास मोर अधिकारज्ज के तहत सभी को आवास मिलेगा। यह हमारे सरकार का संकल्प था और छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनी और पक्के मकान बनने की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी। जो हमने कहा उस वादे को हमने निभाया और आज मै उसी वादे को निभाने के लिए अंबिकापुर आया हुं। जो ३ लाख ७०० की आवास बचे थे उसका स्वीकृति पत्र आज मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को सौंप रहा हूं ।इस अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में ५१,००० से अधिक परिवारों ने अपने नए घरों में प्रवेश किया, जिनमें सूरजपुर जिले के ३० मार्च के बाद पूर्ण हुए २२५० घर शामिल हैं ।भैयाथानः ३५० परिवार,ओड़गी : ४३० परिवार, प्रतापपुरः १५० परिवार, प्रेमनगरः ४१० परिवार रामानुजनगरः २५० परिवार,सूरजपुरः ६६० परिवार केंद्र एवं राज्य शासन से गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए पक्के घर बनाने और उपलब्ध कराने के लिए वर्ष अप्रैल २०१६ से प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की थी इन घरों में शौचालय ,बिजली, पीने का पानी, स्वच्छ ईंधन एलपीजी आदि ऐसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने का प्रावधान है जब लोग सक्रिय रूप से अपने घरों के निर्माण में भाग लेते हैं और इन सुविधाओं को प्राप्त कर लेते हैं तो उनका अपने घरों से एक मजबूत रिश्ता बन जाता है और वह भावनात्मक रूप से उससे जुड़ाव महसूस करते हैं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने देश भर के कई आवासहीन परिवारों के लिए एक नई उम्मीद जगाई है बेघर परिवारों को इस योजना के माध्यम से मिल रहे पक्के मकान ने न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया है बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थाई आवास भी प्रदान किया है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निदेर्शानुसार छत्तीसगढ़ में आधिकाधिक पात्र लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे हैं साथ ही श्री साय के मुख्यमंत्री बनने के बाद कैबिनेट ने सबसे पहला काम राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत १८ लाख मकान स्वीकृत करने का किया था और प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन को लागू करने के लिए राज्य शासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है आज जब केंद्रीय मंत्री छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं तब उनके सपनों को फलीभूत करते हुए आज के दिन गृह प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में किया जा रहा है इसी तारतम्य में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत १३ मई को गृह प्रवेश उत्सव सूरजपुर जिले में मनाया गया यह आयोजन न केवल एक सरकारी योजना की सफलता का प्रतीक है

०० ग्रामीणों के सपनों को मिला ठिकाना

बल्कि हजारों ग्रामीण परिवारों के सपने के घर में प्रवेश करने का ऐतिहासिक दिन साबित हो रहा है । सूरजपुर जिले के २२५० परिवारों ने हर्षोल्लास दीपोत्सव तथा अपने रीति-रिवाज के साथ गृह प्रवेश किया, यह कार्यक्रम मोर आवास मोर अधिकार के तहत आयोजित किया गया। जिसमें जिले के भैयाथान विकासखंड में ३५० ओड़गी में ४३० प्रतापपुर में १५० प्रेमनगर में ४१० रामानुजनगर में २५० तथा सूरजपुर में ६६० परिवारों ने गृह प्रवेश किया। हितग्राहियों के अनुभवों को साझा किया गया ताकि उनके प्रेरणादायक कहानी अन्य लाभार्थियों को भी मिल सके, यह कार्यक्रम ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किया गया। कलेक्टर एस जयवर्धन ने सभी हितग्राहियों को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि जीवन में प्रत्येक व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना पक्का घर हो जिसमें वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सुखी रह सके, आज आप सभी का यह सपना पूरा हो रहा है आप सभी को बहुत बहुत बधाई। उन्होंने आगे कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि जिले के सभी पात्र परिवारों का पक्का मकान हो। जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना आने के बाद गरीब परिवारों का सपना साकार हो रहा है कच्चे घर की दिक्कत से मुक्ति मिली है ।वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत जिले में २२५० परिवारों ने गृह प्रवेश किया है उन्होंने आगे बताया कि आयोजन के दौरान सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया साथ ही हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबियां प्रदान की गई, उन्हे अनुभव साझा करने का अवसर भी दिया गया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य से दिशा निर्देश जारी किए गए है जिसके परिपालन में कार्य किया जा रहा है ।स्थानीय आवास मित्रों द्वारा स्वयं सेवी संगठनों की मदद से इस महोत्सव को सफल बनाया गया। साथ ही सभी ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत क्षेत्र में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया । यह मकान ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं हमारी खुशी स्थिरता का भी प्रतीक है। हितग्राही में हर्ष है कि अब मेरा परिवार एक ऐसे घर में रहता है जिसका नाम पीएम आवास है।

शिवप्रसादनगर समाधान शिविर में हितग्राहियों को वितरित किए गए राशन व जॉब कार्ड

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। सुशासन तिहार के तहत आज ग्राम पंचायत शिवप्रसाद नगर में शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद सदस्यगण एवं एसडीएम भैयाथान उपस्थित रहे ।शिविर के दौरान सेक्टर शिवप्रसादनगर के पात्र हितग्राहियों को १० राशन कार्ड एवं १७ मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण किया गया। साथ ही समाधान शिविर में प्राप्त आवेदनों और मांगों का आवश्यकतानुसार कार्यवाही करते हुए मौके पर ही निराकरण कर लाभार्थियों को राहत प्रदान की गई एवं अन्य आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

अवैध रेत परिवहन करते पकड़े गए पांच वाहन जब्त

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निदेर्शानुसार जिले में अवैध खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए आज खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रेत परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही ग्राम कुरूँवाँ एवं राजापुर क्षेत्र में की गई, जहां से अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए गए कुल ५ वाहनों को जप्त किया गया ।इनमें से ३ वाहन थाना बिश्रामपुर और २ वाहन थाना जयनगर की अभिरक्षा में रखे गए हैं। इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन द्वारा सभी वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

वजन कम करना चाहते हैं तो स्नैकिंग के हेल्दी विकल्पों को अपनाएंः डॉ रोहिणी पाटिल

रायपुर, खाने के बीच भूख लगना उन लोगों के लिए परेशानी हो सकता है जो वजन कम करना चाहते हैं। इस भूख के दौरान हमें अक्सर ऐसी चीजें खाने का मन करता है जो सेहत के लिए अच्छी नहीं होतीं, जिससे वजन कम करने का लक्ष्य बिगड़ सकता है। लेकिन सही तरीके से नाश्ता करने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है। डॉ. रोहिणी पाटिल (एमबीबीएस और न्यूट्रिशनिस्ट) कहती हैं कि बादाम, फल और सब्जियां जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ सही मात्रा में खाने चाहिए। स्नैकिंग के ये बादाम सहित स्मार्ट विकल्प न केवल भूख को शांत करते हैं, बल्कि जरूरी पोषक तत्व भी देते हैं जो आपको एनर्जी से भरपूर रखती हैं और आपको संतुष्टि भी मिलती है।

यहां कुछ सेहतमंद नाश्ते के विकल्प दिए गए हैं जो आपको तृप्त रखेंगे और वजन कम करने की राह पर मदद करेंगे। मुट्ठी भर बादाम में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन ई और जिंक जैसे १५ जरूरी पोषक तत्व होते हैं। इनका कुरकुरा स्वाद भूख को शांत करता है। बादाम दिल, त्वचा के लिए अच्छे हैं, और इन्हें खाकर संतुष्टि का अहसास होता है। ये वजन नियंत्रण में मदद करते हैं। डॉ. पाटिल ने खासतौर पर कैलिफोर्निया आमंड्स की सलाह दी है, जिनमें प्रोटीन, गुड फैट और फाइबर होते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं। इन्हें अकेले खाएं, स्मूदी में डालें, सलाद में मिलाएं या मसाले के साथ भूनें।

कार्रवाई ऐसी हो कि अपराधियों में पुलिस और कानून के प्रति खौफ बना रहे

०० कलेक्टर व एसएसपी ने कानून व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों की ली बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस. जयवर्धन व डीआईजी एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में प्रशासन व पुलिस अधिकारियों की समन्वय बैठक ली साथ ही जिले के सभी एसडीएम को वर्चुअल माध्यम से जोड़कर जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान जिले में कानून व्यवस्था के संबंध में विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों, प्रयासों और आवश्यक पहल की समीक्षा कर सभी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को नवीन आपराधिक कानूनों का प्रशिक्षण जल्द दिलाने, जनसमुदाय से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर बिना देर किए एक्शन लेने एवं अपराधियों में पुलिस और कानून के प्रति खौफ बनाए रखने के निर्देश दिए। कारखानों, खदानों में फायर सेफ्टी, वाटर सेफ्टी सिस्टम, सायरन सिस्टम एवं कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में अवैध नशीले दवाईयों के विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने कड़ी कार्यवाही करने, मेडिकल स्टोर्स की औचक निरीक्षण पुलिस, प्रशासन व ड्रग इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम बनाकर करने, सीमावर्ती जिले से मादक एवं नशीले पदार्थों के परिवहन पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। जिले को नशा मुक्त करने के पुलिस के च्चनवजीवनज्ज अभियान के तहत नागरिकों को नशे से बचाव के लिए जागरूक करने, शराबी किस्म के व्यक्तियों का काउंसलिंग कराने, प्रत्येक गांव को नशा मुक्त करने पंचायत एवं ग्रामीणों के सहयोग से जन जागरूकता अभियान चलाने एवं मादक पदार्थ की तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को राजसात कराने के निर्देश दिए। पुलिस व प्रशासन की टीम को विभिन्न क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों के लोगों के द्वारा नशा शराब आदि के सेवन पर प्रतिबंध लगाने के लिए सघन अभियान चलाने, अवैध शराब व नशीली वस्तुओं के परिवहन एवं बिक्री पर शत-प्रतिशत अंकुश लगाने, विभिन्न आयोजनों के दौरान जानबूझकर ध्वनि प्रदूषण करने और रात्रि १० बजे के बाद लाउडस्पीकर और डीजे बजाने पर सख्त कार्यवाही करने, जिले में हो रही सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए माल वाहक वाहन में सवारी बैठाने वाले वाहन चालकों पर सख्ती से कार्यवाही करने, हेलमेट लगाने एवं यातायात नियमों का पालन करने लोगों को जागरूक करने के साथ ही सख्ती बरतते हुए एमव्ही एक्ट की कार्यवाही करने के निर्देश दिए ।बैठक में कलेक्टर एवं डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने पैनी नजर रखा जाये। किसी अपराध, घटना, विवाद या अन्य मुद्दे की सूचना पर पुलिस की बड़ी टीम के साथ मौके पर जाने, राजस्व और पुलिस विभाग को सतत रूप से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और जिले में शांती व्यवस्था बनाने को लेकर उत्कृष्ट और रणनीति के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफओ पंकज कमल, एसडीएम शिवानी जायसवाल, सीएमएचओ डॉ. कपिलदेव पैंकरा, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उइके, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण, तहसीलदार समीर शर्मा, समाज कल्याण, ड्रग, माईनिंग, शिक्षा, कृषि, माईनिंग सहित अन्य विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

लापरवाही पूर्वक डीजल नापजोख, 1 व्यक्ति गिरफ्तार

०० १६५ लीटर डीजल जप्त

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर पैनी नजर रखने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में चौकी तारा पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम तारा में फारेस्ट डिपो के बगल में एक मकान में मोहम्मद हुसैन ज्वलनशील पदार्थ डीजल रखकर लापरवाही पूर्वक नापजोख कर रहे है जिससे मानव जीवन के लिए संकट उत्पन्न हो सकता है ।सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंची मोहम्मद हुसैन उर्फ नान पिता अब्दुल खान उम्र ३७ वर्ष निवासी ग्राम तारा जो १६५ लीटर डीजल को लापरवाही पूर्वक नापजोख करते मिले जिससे वैध दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज पेश नहीं किये। आरोपी का कृत्य धारा २८७ बीएनएस, ईसी एक्ट की धारा ३, ७ का पाए जाने पर १६५ लीटर डीजल कीमत १५८४०/- रुपए का जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी तारा संजय गोस्वामी व उनकी टीम सक्रिय रही।

कार्यशाला में बताए गए चित्रकारी पर रोजगार की संभावना

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के विगत माह की बैठक के एजेंडा अनुसार आज महाविद्यालय के सभागार में ज्चित्रकारी विषय पर एक दिवसीय कार्यशालाज्ज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य कलाकार एवं वक्ता विनोद कुमार द्वारा छात्राओं को चित्रकारी से संबंधित मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं भविष्य में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तृत विवरण दिया गया तथा पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने चित्रकला, ड्राइंग, स्केचिंग से संबंधित विधाओं की जानकारी देते हुए अपनी उपलब्धियों के बारे में भी बताया। विनोद कुमार ने हाल ही में सूरजपुर के प्रवास पर आए प्रदेश के मुखिया माननीय श्री विष्णु देव साय को हस्त निर्मित छायाचित्र भेंट की थी। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विनोद कुमार ने भी छात्राओं की जिज्ञासाओं को अपने रोचक तथ्यों जवाबों के माध्यम से संतुष्ट किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

बेहतर सेवा के लिए राजस्व अधिकारी फील्ड में जाकर करें काम

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली एवं विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने विभागवार समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं प्राप्त शिकायतों का विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत प्रकरणों के निराकरण को लेकर भी संबंधित अधिकारियों से चर्चा की और सभी प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, सर्व एस डी एम सहित एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे ।कलेक्टर श्री जयवर्धन ने समय सीमा की समीक्षा के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कार्ययोजना अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, सिकल सेल एनीमिया, जन औषधि केंद्रों, सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने दसवीं और १२वीं बोर्ड परीक्षा में जिले के सभी विकासखंडों के प्रदर्शन की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले स्कूलों एवं प्राचार्य की जानकारी ली। खराब प्रदर्शन करने वाले प्राचार्य को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही खराब प्रदर्शन एवं लापरवाही को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी पर भी सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में अपार आई डी निर्माण की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिले के सभी छात्रावासों में सुविधाएं बेहतर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कृषि एवं संबंधित विभागों के अंतर्गत चल रही योजनाओं के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले में धान उठाव की स्थिती की जानकारी ली। उन्होंने आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए खाद बीज वितरण बेहतर रूप में करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिले में निर्माण कार्य में लगी विभागों पी डब्लू डी, जल संसाधन और पी एच ई अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, सुरक्षित मातृत्व अभियान, वय वंदना योजना का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी की स्थिति, बच्चों में कुपोषण की स्थिति की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेय जल आपूर्ति, पोषण का स्तर और बेहतर करने के निर्देश दिए। खराब प्रदर्शन करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी की स्थिति बेहतर करने नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही पोषण ट्रैकर ऐप में ऑनलाइन एंट्री शत प्रतिशत करना सुनिश्चित करें। शत प्रतिशत हितग्राहियों का आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं अद्यतन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए समाधान शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड अधिक से अधिक लोगों का निर्माण करने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग से चर्चा के दौरान उन्होंने आश्रमों और विद्यालयों में बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए आश्रमों एवम विद्यालयों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए सभी पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ प्रदान करवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने राजस्व संबंधी सेवा को बेहतर करने के लिए राजस्व अधिकारियों को फील्ड में जाकर विजिट करने के दिए निर्देश।